शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीटी रवि ने सांप्रदायिक ग्रंथों पर प्रतिबंध लगाने का किया आग्रह @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 09 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-158

बांग्लादेश में सत्ता पलट की साजिश में शामिल था संयुक्त राष्ट्र

सेना को कट्टरपंथियों पर एक्शन लेने से UN ने रोका

सूफी यायावर

बांग्लादेश को अस्थिर करने में अमेरिकी डीप स्टेट के साथ साजिशों में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल था। बांग्लादेश में कट्टरपंथी हिंसा फैलाकर अराजकता का माहौल बनाने वाले कट्टरपंथियों पर एक्शन लेने से संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश सेना को रोक दिया था। सत्ता विद्रोह के समय मोहम्मद यूनुस फ्रांस में बैठ कर सूत्रधारी कर रहा था। यूनुस के कहने पर ही संयुक्त राष्ट्र ने अधिकारी भेज कर फर्जी रिपोर्ट तैयार कराई, जिसे आधार बना कर यूनुस अपनी रोटियां सेंक रहा है। यूनुस ने संयुक्त राष्ट्र की स्टेटस रिपोर्ट का एक हिस्सा दबा दिया है, उसे सार्वजनिक नहीं होने दे रहा। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने में भी संयुक्त राष्ट्र का हाथ पाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र म्यांमार के अराकान राज्य में तथाकथित मानवीय गलियारे की स्थापना के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ रहा है। इसका असली उद्देश्य सैन्य कब्जा जमाना और बांग्लादेश को अमेरिका का डीप स्टेट छद्म युद्धों के लिए नवीनतम युद्धक्षेत्र में बदलना है। अमेरिकी कुचक्र का यह कदम न केवल क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है, बल्कि बांग्लादेश की संप्रभुता के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। यह बात बांग्लादेशियों को समझ में ही नहीं आ रही है कि संयुक्त राष्ट्र इतनी बेशर्मी से बेशर्म गद्दार मोहम्मद यूनुस और उसके इस्लामिस्ट-जेहादी गुट को अनुचित समर्थन क्यों दे रहा है।

यूनुस के साथ हाल ही में हुई एक बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्विन लुईस ने बांग्लादेश की सुधार और परिवर्तन प्रक्रिया के साथ संयुक्त राष्ट्र की अटूट एकजुटता व्यक्त की। लुईस ने बांग्लादेश के सतत विकास और समृद्धि की ओर बढ़ने के मार्ग का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पूरा जोर दिया। आश्चर्यजनक बात यह है कि लुईस ने यूनुस शासन द्वारा हाल ही में अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध का भी समर्थन किया

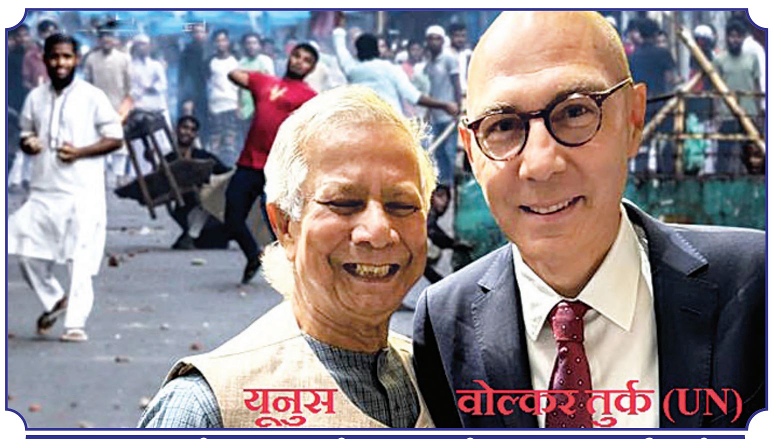

यूनुस के कहने पर वोल्कर तुर्क ने बनवाई थी फर्जी रिपोर्ट

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर लगे बैन में भी हाथ

और बड़ी बेशर्मी से कहा कि 120 मिलियन पंजीकृत मतदाताओं में से 45 मिलियन से अधिक के विशाल समर्थन आधार के बावजूद आवामी लीग के बगैर भी बांग्लादेश में समावेशी चुनाव हो सकते हैं। यह बांग्लादेश में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थानों की कीमत पर यूनुस और उसके इस्लामिस्ट-जेहादी सहयोगियों की सत्ता में अवैध रूप से पैठ बनाने में संयुक्त राष्ट्र की इच्छा और मदद का ठोस प्रमाण है।

यह ध्यान देने योग्य है कि कुछ सप्ताह पहले ही संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पिछले वर्ष के जेहादी तख्तापलट में संयुक्त राष्ट्र की संलिप्तता के बारे में सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करके लोगों को चौंका दिया था। इस तख्तापलट और यूनुस के सत्ता पर टपकने के बाद ही बांग्लादेश अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस), हिज्ब-उत-तहरीर और लश्कर-ए-तैयबा जैसे तमाम आतंकी और कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के हाथों में चला गया। बीबीसी के साथ एक साक्षात्कार में तुर्क ने स्वीकार किया था कि संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हस्तक्षेप करने से सक्रिय रूप से रोका था। तुर्क ने कहा था कि सरकार विरोधी प्रदर्शन वास्तव में चरमपंथी समूहों द्वारा आयोजित किए गए थे। उनके बयानों से पता चलता है कि संयुक्त राष्ट्र ने न केवल जेहादी तख्तापलट को प्रशस्त किया, बल्कि 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। अब मोहम्मद यूनुस और जॉर्ज सोरोस जैसे विवादास्पद व्यक्तियों के साथ तुर्क के गहरे संबंधों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह भी प्रमाणित हो गया है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख मानवाधिकार अधिकारी बांग्लादेश की अस्थिरता में शामिल थे।

5 मार्च 2025 को बीबीसी के हार्ड-टॉक पर संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी तुर्क से गाजा, सूडान और यूक्रेन में संघर्षों को संभालने में संयुक्त राष्ट्र की विफलताओं के बारे में भी पूछा गया था। लेकिन उन्होंने बांग्लादेश की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा था, मैं आपको पिछले साल के बांग्लादेश का उदाहरण दे रहा हूं।

▶10 पर

इंडियन एक्सप्रेस ने छापा राहुल गांधी का झूठा लेख

चुनाव को लेकर राहुल के सभी दावे झूठे निकले

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के सांसद और प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर देश के लोकतंत्र को लेकर अपना राष्ट्र-विरोधी एजेंडा फैलाने की कोशिश की है। उन्होंने एक लेख लिख कर चुनावों में गड़बड़ी के वही पुराने दावे दोहराए, जिनका दर्जनों बार जवाब दिया जा चुका है। इसमें राहुल गांधी ने कई तथ्यों के साथ छेड़छाड़ भी की है। इंडियन एक्सप्रेस अखबार ने 7 जून को राहुल गांधी का झूठा लेख प्रकाशित किया। इस लेख में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर जो भी दावे किए हैं, वे सभी तथ्यगत रूप से झूठे पाए गए हैं। इस लेख को लेकर यही कहा जा रहा है कि राहुल गांधी अब अपने दिमागी दिवालिएपन की हदें पार कर रहे हैं। अपनी आदत के मुताबिक राहुल ने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली की बात कही और चुनाव आयोग का भाजपा के साथ मिलीभगत बताया। राहुल गांधी अपने ही देश के स्वतंत्र निकायों पर लगातार अपमानजनक और बेबुनियाद सवाल खड़े करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

इस लेख का शीर्षक मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र रखा गया है। राहुल गांधी ने लेख की शुरुआत में ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे को हताश करने वाला और गैर-आधिकारिक स्रोत पर आधारित बताया। उन्होंने अपने इस लेख में जिन-जिन बिंदुओं को आधार बनाया है वास्तव में तथ्यहीन और मनगढ़ंत हैं। द इंडियन एक्सप्रेस ने राहुल गांधी के इस अनर्गल प्रलाप को 5 चरणों में विस्तार से प्रकाशित किया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर फैलाया भ्रम: लेख के पहले चरण में राहुल ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि खेल के शीर्ष प्रतियोगियों ने ही अपना अंपायर चुन लिया। ▶10 पर

वर्ष/चुनाव	लोकसभा	विधानसभा	अंतर	प्रतिशत (%)
2024	9,30,61,760	9,70,25119	39,63,359	4.26%
2019	8,86,76,946	8,98,38267	11,61,321	1.31%
2014	8,071,72,83	8,35,28310	28,11,027	3.48%
2009	7,29,54,058	7,59,68312	30,14,254	4.13%
2004	6,30,12,208	6,59,65792	29,53,584	4.69%

दिमागी दिवालिएपन की हदें पार करते जा रहे राहुल गांधी

कहने या लिखने के पहले तथ्यों की पड़ताल भी नहीं करते

राहुल गांधी का असत्य बनाम चुनाव आयोग का तथ्य

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में धांधली के आरोपों को चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने एक बार फिर राहुल गांधी के असत्य के जवाब में तथ्य प्रस्तुत किया है। हालांकि चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि लेख लिख कर विद्रूपता फैलाने के बजाय राहुल गांधी चुनाव आयोग से सीधे पूछ सकते थे। चुनाव आयोग ने संपर्क अभियान के तहत सभी छह राष्ट्रीय दलों से अलग-अलग बातचीत के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। पांच दलों ने आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की, लेकिन कांग्रेस ने 15 मई की बैठक रद्द कर दी थी। ताकि वह कीचड़ फैलाने के लिए स्वतंत्र रहे। ▶10 पर

भारत के इस्लामी कट्टरपंथियों की मक्कारी उजागर

फिलिस्तीन हमास से प्रेम पर टाटा से नफरत!

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। भारत के इस्लामी कट्टरपंथियों की मक्कारियां उजागर हो रही हैं। ये तत्व फिलिस्तीन और हमास से मोहब्बत का इजहार करते हैं, लेकिन टाटा जैसे देशभक्त औद्योगिक समूह के प्रति नफरत फैलाते हैं। कुछ खास तत्वों द्वारा देश में चलाए जा रहे टाटा के बहिष्कार अभियान में जमाते इस्लामी का सीधा हाथ और अन्य राष्ट्र विरोधी शक्तियों का परोक्ष हाथ पाया गया है। यह जमात फिलिस्तीन पर रुदालियां करती है, लेकिन पहलगाम में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने पर शातिराना चुप्पी साधे रहती है।

टाटा के बहिष्कार अभियान में जमाते इस्लामी का हाथ

इस्लामी कट्टरपंथी टाटा समूह के इजराइल के साथ व्यापारिक संबंधों का विरोध कर रहे हैं। वह टाटा समूह के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से टाटा समूह के खिलाफ देशभर में इस्लामी कट्टरपंथी प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका नेतृत्व इंडियन पीपुल इन सॉलिडेरिटी विद फिलिस्तीन (आईपीएसपी) नामका एक संगठन कर रहा है। यह विरोध प्रदर्शन हमास और फिलिस्तीन समर्थक कई इस्लामी संगठनों द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रदर्शनकारी टाटा समूह के इजराइल के साथ कथित व्यापारिक संबंधों का विरोध कर रहे हैं। वह टाटा समूह के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। ये आंदोलन पूरे देश में अलग-अलग जगह किए जा रहे हैं और इनका उद्देश्य फिलिस्तीन का समर्थन है। ऐसा ही एक प्रदर्शन केरल के कालीकट में 28 मई 2025 को जमात-ए-इस्लामी हिंद की छात्र शाखा, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) ने टाटा के स्वामित्व वाले फैशन ब्रांड ज़ूडियो के आउटलेट के बाहर किया। यहां इन प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में तख्तियां उठाईं, नारे लगाए और काफ़िया पहनकर ईद से पहले टाटा उत्पादों के बहिष्कार की अपील की।

आईपीएसपी और एसआईओ ने दिल्ली, पुणे, मुंबई, पटना, विशाखापट्टनम, चंडीगढ़, रोहतक और विजयवाड़ा में टाटा समूह के स्वामित्व वाले ब्रांडों के स्टोर्स के बाहर सामूहिक विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य टाटा के इजराइल से संबंधों के विरोध में आवाज उठाना था। इसके अलावा फिलिस्तीन के समर्थन में इन उत्पादों का बहिष्कार करना भी था। ▶10 पर

लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान की घोषणा

बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

ताकि एनडीए को और मजबूती हासिल हो सके

भोजपुर, 08 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह लड़ाई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मजबूत करने के उद्देश्य से लड़ी जाएगी। भोजपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते ▶10 पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने तेज किए विरोध के स्वर

वनवासी महिलाओं से मुस्लिमों की छेड़खानी असह्य

रांची, 08 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। एक घटना का हवाला देते हुए मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में जनजातीय लड़कियों और महिलाओं के साथ मुस्लिम युवकों द्वारा खुलेआम अश्लील हरकतें और मारपीट की जा रही है, और शर्मनाक बात यह है कि राज्य की गूंगी-बहरी सोरेन सरकार इस पर कोई ठोस कार्रवाई करने के बजाय आंखें मूंदे हुई है। मरांडी ने कड़े शब्दों में कहा कि यह सिर्फ छेड़छाड़ नहीं, यह हमारी जनजातीय बेटियों के आत्मसम्मान पर सीधा हमला है। क्या सोरेन सरकार ने अपनी राजनीतिक तुष्टिकरण की भूख में इतनी मर्यादा खो दी है कि वह अपनी ही जनता, खासकर कमजोर जनजातीय महिलाओं को भेड़ियों के हवाले कर दे? बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि

नदी में नहाने वाली महिलाएं मुस्लिमों की गुंडागर्दी से आजिज

नेताओं के दबाव में अपराधियों को छूट दी जा रही है, जिससे राज्य में कानून का राज खत्म हो गया है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।बाबूलाल मरांडी के अनुसार, 4 जून 2025 को रामगढ़ के दामोदर नदी में नहाने गईं 6 नाबालिग जनजातीय लड़कियों और एक महिला के साथ कुछ मुस्लिम युवकों, जिसमें एक का नाम सरफरोज बताया, ने अश्लील हरकतें कीं और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। बाबूलाल मरांडी ने इसे हर दिन का आतंक बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की समस्या के कारण महिलाओं को नदी पर जाना पड़ता है, जहां उन्हें नियमित रूप से परेशान किया जाता है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि महिलाओं ने इस छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई, लेकिन पुलिस की तरफ से अपराधियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि हिरासत में लिए गए आरोपियों को मुस्लिम नेताओं के दबाव के कारण छोड़ दिया जाता है, जिसके बाद अपराधियों को ऐसे घिनौने काम करने के लिए छूट मिल जाती है।

▶10 पर

देश में कोरोना संक्रमण की बढ़ रही रफ्तार

सक्रिय केस 6000 पार, 24 घंटे में 6 की मौत

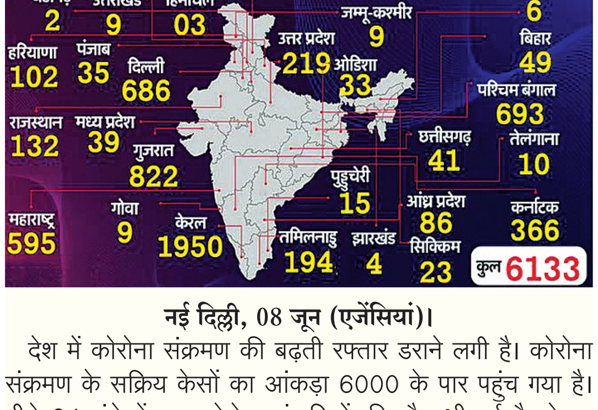

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार डराने लगी है। कोरोना संक्रमण के सक्रिय केसों का आंकड़ा 6000 के पार पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में छह कोरोना संक्रमितों की मौत भी हुई है। केरल अब भी देश का सबसे प्रभावित राज्य बना हुआ है। यहां कोरोना के कुल 1950 केस हैं। बीते 24 घंटे में इसमें 144 का इजाफा देखा गया है। इसके बाद गुजरात में 822, दिल्ली में 686, महाराष्ट्र में 595, कर्नाटक में 366, उत्तर प्रदेश में 219, तमिलनाडु में 194, राजस्थान में 132 और हरियाणा में 102 कोरोना के ▶10 पर

आरसीबी जीत के जश्न में अपने बेटे को खोने वाले पिता का छलका दर्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की जीत का जश्न कई परिवारों के लिए काल बन गया है। बेंगलूरु भगदड़ में हासन जिले के बीटी लक्ष्मण का तो मानो सब कुछ खत्म हो गया है। क्रूर हादसे में अपने बेटे को खोने के बाद लक्ष्मण की सारी उम्मीदें टूट गईं और खुशियां खो गईं हैं। वे बस अपने बेटे की कब्र के पास ही लेटे रहते हैं।

बेटे की कब्र के पास लेटे लक्ष्मण का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में लक्ष्मण कह रहे हैं कि वे उसकी कब्र से जाना नहीं चाहते हैं। बेंगलूरु में चार जून को आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी के जश्न कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 21 वर्षीय भौमिक लक्ष्मण भी शामिल थे। भौमिक की मौत ने उनके पिता बीटी लक्ष्मण को तोड़ दिया है। बीटी लक्ष्मण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें लक्ष्मण बेटे की कब्र के पास लेटे हैं।

दो लोग उनको कब्र से उठाने की कोशिश करते हैं। इस पर बीटी लक्ष्मण कह रहे हैं कि मेरे बेटे के साथ जो हुआ, वैसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। मैंने उसके लिए जो जमीन खरीदी थी, वहीं उसकी यादगार बनाई गई है। वे कह रहे हैं कि मैं अब कहीं और नहीं जाना चाहता। मैं यहीं रहना चाहता हूं। जो मैं सह रहा हूं, वह किसी पिता को न सहना पड़े। इससे पहले बीटी लक्ष्मण ने सरकार से अपील की थी कि मेरा एक ही बेटा था और अब मैंने उसे खो दिया है।

कृपया मुझे उसका शव दे दीजिए, पोस्टमार्टम मत कराइए और उसके शव को टुकड़ों में न काटा जाए। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हमसे मिल सकते हैं, लेकिन वे बेटे को वापस नहीं ला सकते। बीटी लक्ष्मण का वीडियो साझा करते हुए कर्नाटक भाजपा ने सिद्धरामैया सरकार को घेरा। भाजपा ने सीएम सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर हत्यारे होने का आरोप लगाया। भाजपा ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि हत्यारे सीएम सिद्धरामैया, हत्यारे डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अगर आपने मन बना लिया होता, तो आप अपने बच्चों और पोते-पोतियों के साथ एक आलीशान होटल में कप के साथ फोटो खिंचवा सकते थे। लेकिन विधान सौधा की सीढ़ियों पर फोटो खिंचवाने की आपकी जिद ने 11 परिवारों को हर दिन आंसुओं से हाथ धोने पर मजबूर कर दिया है। क्या आप इस पिता को उसका बेटा वापस दे सकते हैं?

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा मंडल द्वारा आश्रम में सहयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मंडल के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में विशेष एबिलिटी के बच्चों के आश्रम में राशन, भोजन द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि मंडल द्वारा पूरे रजत जयंती वर्ष के दौरान अनेक सुकृत के कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि आज का सम्पूर्ण कार्यक्रम बहादुर कुमार, सुशीला कंवर कांकरिया द्वारा प्रायोजित था और आश्रम के फाउंडर ट्रस्टी अश्विनी अंगडी और प्रकाश अंगडी ने आश्रम के बारे में मंडल के सदस्यों को जानकारी प्रदान की। इसके संचालन के बारे में बताया। इस आश्रम में सौ से अधिक अंधता से ग्रसित और मंदबुद्धि बच्चे, लड़कियां, महिलाएं पढ़ाई करती हैं और यहीं पर रहती हैं। आश्रम सेवा में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, महामंत्री ललित डाकलिया, नरेन्द्र कुमार पारख, बहादुर कांकरिया, गिरीश बोहरा, आयुश कांकरिया, सुशीला कांकरिया, सलोनी, ध्रुव, याना आदि सदस्य उपस्थित थे।

राहगीरों में ठंडाई और शरबत का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने ठंडाई और शरबत का वितरण किया। यह कार्यक्रम पीन्या इंडस्ट्रियल एरिया में किया गया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के अंतर्गत निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में केसर ठंडाई और बादाम शरबत का वितरण किया गया। इस अमृतधारा के भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में मायूम बेंगलूरु शाखा के साथ लखदातार सेवा संघ का सहयोग रहा।

इससे 1500 राहगीरों को गर्मी और थकान से राहत मिली। कार्यक्रम में शाखा से वरिष्ठ सदस्य अनिल केडिया, शाखा के नवनिवर्तमान अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, शाखा के उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, शाखा के सदस्य अमित मोदी, अशोक अग्रवाल, अरुण शर्मा, आशीष मित्तल, गौरव शर्मा उपस्थित रहे। लखदातार सेवा संघ से अजय गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक, चेतन पुरोहित, पंकज जोशी की मौजूदगी रही।

प्रस्तावित सर्कुलर रेलवे परियोजना की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने प्रस्तावित सर्कुलर रेलवे परियोजना की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को कुमार कृपा गेस्ट हाउस में एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री शोभा करंदलाजे, राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले मंत्री के.एच. मुनियप्पा, सांसद पीसी मोहन, संसद सदस्य डॉ. के सुधाकर और सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अजय शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक बेंगलूरु डिवीजन आशुत-ोष कुमार सिंह, तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान सोमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन के अनुरूप बेंगलूरु के आसपास सर्कुलर रेलवे परियोजना को शहर की बढ़ती यातायात भीड़ तथा गतिशीलता चुनौतियों से निपटने के लिए एक स्थायी, दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्रस्तावित किया जा रहा है। हाल ही में सर्कुलर रेलवे परियोजना के लिए एक विस्तृत सर्वेक्षण किया गया, जिसमें क्रियान्वयन चरण में कुछ चुनौतियों का पता चला। मंत्री ने कहा कि इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए बैठक में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के संसद सदस्यों तथा वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों को सहयोगात्मक चर्चा के लिए एक साथ लाया गया। मंत्री ने यह भी बताया कि प्रस्तावित सर्कुलर रेलवे नेटवर्क लगभग 271 किलोमीटर तक फैला होगा, जिसे बेंगलूरु के परिधीय क्षेत्रों को आपस में जोड़ने और आगामी उपनगरीय रेलवे नेटवर्क और राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ एकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे बेंगलूरु के आसपास स्थित यात्रियों और उद्योगों के लिए सुगम और कुशल परिवहन सुनिश्चित हो सके। परियोजना की पूरी लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी। सोमन्ना ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना 50 साल के बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण के साथ की जा रही है, जिसका उद्देश्य बेंगलूरु महानगर क्षेत्र की दीर्घकालिक गतिशीलता आवश्यकताओं को पूरा करना है।

बाद में सोमन्ना ने विभिन्न नई लाइन परियोजनाओं, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपने अयोध्या दौरे के दौरान काशी विश्वनाथ के दर्शन कर मां गंगा की आरती में शामिल हुए और आशीर्वाद लिया। आगामी 22, 23 और 24 जुलाई को निर्धारित भारत के सबसे बड़े ट्रेड फेयर को सफल बनाने के लिए बाबा से प्रार्थना भी की। इस मौके पर कीया के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच. जैन, आईपीपी रमेश जैन, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य राजेश चोपड़ा, मनीष जैन, गौरव शर्मा, मूलसिंह पुरोहित, महिपाल टी जैन और माधुराम खदाव आदि लोग मौजूद रहे।

जीवदया कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन हेल्प लाइन सोशल ऑर्गना-इजेशन अक्किपेट के सदस्यों ने कृपा लिविंग एनिमल केंगेरी उपनगर में जाकर कुत्ते को दूध, बिस्किट एवं जरूरी खाद्य सामग्री प्रदान की। कैलाश संखलेचा ने बताया कि प्रवीण सालेचा की टीम ने सारी व्यवस्था सम्भाली। सभी पधारे सदस्यों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट हेल्प लाइन के अध्यक्ष नितिन पोरवाल ने किया। मंत्री जीतू भंडारी ने बताया कि पिछले 205 महीनों से मानव सेवा एवं जीवदया का कार्यक्रम निरंतर जारी हैं। इस अवसर पर सुरेश कांनुगा ने भी कृपा लिविंग में लाभ लिया। पूर्व अध्यक्ष पदम लुंकड़ ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर हेल्प लाइन के पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, ललित कोचर, संजय बागरेचा, कांतिलाल श्रीश्रीमाल, बिपिन छाजेड़, राकेश पारख आदि ने अपनी सेवाएं दी।

बेंगलूरु भगदड़ मामला : पुलिस और राज्य सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान हुई दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस और राज्य सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, लेकिन अब यह बात सामने आई है कि विधान सौधा सुरक्षा ने विधानसभा की भव्य सीढ़ियों पर टीम के अभिनंदन समारोह के लिए भीड़भाड़, समय की कमी और सुरक्षाकर्मियों की कमी की चिंता जताई थी। यह पत्र एकमात्र ऐसा दस्तावेज है जो दिखाता है कि राज्य सरकार ने बेंगलूरु सिटी पुलिस द्वारा उठाई गई चिंताओं को दरकिनार करते हुए जीत का जश्न मनाया। हालांकि यह सच है कि विधान सौधा कार्यक्रम में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, लेकिन पुलिस ने तर्क दिया है कि राज्य के प्रशासनिक केंद्र में खुले में आयोजित कार्यक्रम और 4 जून की सुबह आरसीबी द्वारा विजय परेड की एकतरफा घोषणा के कारण लाखों लोग सड़कों पर आ गए और अंततः एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) ने 3 जून को डीसीपी (विधानसभा सुरक्षा) को पत्र लिखकर आईपीएल फाइनल में आरसीबी टीम के जीतने पर उन्हें सम्मानित करने के बारे में राय मांगी थी।

4 जून को इस पत्र का जवाब देते हुए डीसीपी (विधानसभा सुरक्षा) एम. एन. करिबासवागौड़ा ने ''कार्यक्रम के लिए लाखों आरसीबी प्रशंसकों के एकत्र होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चूंकि विधानसभा डिवीजन में सुरक्षा कर्मियों की कमी है, इसलिए कार्यक्रम के लिए बंदोबस्त करना एक समस्या हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा सुरक्षा इकाई के बाहर से अधिक कर्मियों को तैनात करने, कानून व्यवस्था और यातायात पुलिस के साथ समन्वय करने के लिए समय की कमी थी। डीसीपी विधानसभा सुरक्षा ने निष्कर्ष निकाला कि विधानसभा में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता थी, जो सभी नियमों का पालन करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान है, लेकिन उन्होंने कहा कि सरकार जो भी निर्णय लेगी, पुलिस उसका पालन करेगी। कई सूत्रों ने बताया कि तैयारी के लिए समय की कमी का हवाला देते हुए शहर की पुलिस ने सुझाव दिया कि विजय समारोह को रविवार 8 जून तक के लिए स्थगित कर दिया जाए। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि उनके सुझाव को खारिज कर दिया गया।

सीआईडी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की जांच शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना की जांच शुरू कर दी। जांच अधिकारियों ने घटना वाले विभिन्न प्रवेश द्वारों का दौरा किया और केएससीए स्टेडियम और कार्यालय का भी निरीक्षण किया। राज्य सरकार ने मामले को सीआईडी को सौंप दिया था। सीसीबी और कब्बन पार्क पुलिस ने संयुक्त रूप से आरसीबी के मार्केटिंग और राजस्व प्रमुख निखिल सोसाले और डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। सीआईडी के सूत्रों ने कहा हम उनसे पूछताछ के लिए सोमवार को अदालत से बॉडी वारंट लेने की अपील करेंगे। सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि अधिकारियों ने उच्च न्यायालय के आदेश के कारण केएससीए पदाधिकारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई रोक दी है और आगे के आदेशों के आधार पर केएससीए के खिलाफ मामलों की जांच के लिए कार्रवाई का तरीका तय किया जाएगा।

साध्वी श्री पुण्ययशाजी हनुमंतनगर पहुंची

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों में विचरण कर शनिवार को राकेश कुमार रायसोनी के निवास स्थान शास्त्रीनगर से हनुमंतनगर की तरफ विहार करते हुए तेरापंथ सभा भवन पहुंची। तेरापंथ सभा की ओर से अध्यक्ष गौतम दक ने साध्वी जी का स्वागत किया। साध्वी ने चैत्य पुरुष जग जाए चमत्कारी गीतिका के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस गीत में बहुत से बीज-मंत्र समाहित किये गए है। इस गीत की रचना युगप्रधान आचार्य महाप्राज्ञ जी द्वारा की गई है। इस गीत के स्मरण से किसी भी प्रकार की वेदना कम हो जाती है और इस के जप से बिच्छु का जहर भी शरीर से खत्म हो जाता है। इस अवसर पर हनुमंतनगर सभा उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, संस्थापक सभा अध्यक्ष सुभाष बोहरा, कोषाध्यक्ष नाथूलाल बोल्या, हनुमान गादिया, महिला मण्डल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, लाजवंती कातरेला, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

बिना हाथ-पैर और सिर के व्यक्ति का शव मिला

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के हुनसूर तालुक के बिलिकेरे पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अयाराहल्ली गांव के एथनिरावरी नाले में बिना सिर और हाथ-पैर के व्यक्ति का शव मिला। शव सड़ी-गली अवस्था में तैर रहा था, जिसे देखने वाले लोगों ने बिलिकेरे पुलिस थाने को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलने पर एसपी विष्णुवर्धन, डीएसपी गोपालकृष्ण, संतोष कश्यप और सब इंस्पेक्टर पूजा ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। बिना हाथ-पैर और सिर के शव को बाहर निकाल लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस अज्ञात मृतक व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बेंगलूरु में लड़की की हत्या का मामला

पुलिस ने बिहार से सात लोगों को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के अनेकल तालुक में चंदापुर रेलवे पुल के पास एक नीले सूटकेस में मिली अज्ञात लड़की की लाश के मामले को सुलझाने वाली सूर्यनगर पुलिस ने बिहार से सात आरोपियों को गिरफ्तार कर शहर में लाया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान आशिक कुमार (42), मुकेश राजवंशी (35) और उनकी पत्नी इंदुमती (32), राजाराम कुमार (18), कालू कुमार (18), पिंटू कुमार (19) और एक अन्य नाबालिग लड़के के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग बिहार के नवादा जिले के हैं। 21 मई, 2025 की सुबह चंदापुर रेलवे पुल के पास एक नीला सूटकेस मिला था। जब पुलिस ने मौके पर जाकर सूटकेस खोला तो उसमें एक लड़की की लाश मिली। बाद में जांच में पता चला कि मृतक लड़की बिहार के नवादा जिले के बेलारू गांव की थी। मृतका की पहचान रीमा कुमारी (17) के रूप में हुई है, जो 15 मई को अपने गांव से लापता हो गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लड़की के पिता ने 23 मई को बिहार के हिसुआ थाने में अपनी बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

सीटी रवि ने सांप्रदायिक ग्रंथों पर प्रतिबंध लगाने का किया आग्रह

तटीय अशांति को घृणास्पद उपदेश से जोड़ा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एमएलसी सी टी रवि ने सांप्रदायिक और नफरत फैलाने वाले विदेशी धार्मिक ग्रंथों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण कन्नड़ जिले में चल रहे सांप्रदायिक तनाव की जड़ में ऐसे ग्रंथ हैं और पुलिस विभाग से उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। रवि की टिप्पणी जिले में सुहास शेट्टी और अब्दुल रहमान की हत्याओं सहित कई घटनाओं की पृष्ठभूमि में आई है। इन घटनाओं का अध्ययन करने और शांति बहाल करने की दिशा में कदम उठाने की सिफारिश करने के लिए भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को क्षेत्र का दौरा करने वाला है। रवि ने कहा कि वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल भी हाल ही में इसी तरह के इरादे से आया था और पुलिस ने इस दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। रवि ने पुलिस को कई सुझाव दिए और दावा किया कि सांप्रदायिक संघर्ष की जड़ें गोहत्या, 'लव जिहाद'

और धर्मांतरण में हैं। उन्होंने कहा जब पुलिस गायों की हत्या करने वालों और विरोध करने वालों दोनों के साथ समान व्यवहार करती है, तो अन्याय होता है। उन्होंने मांग की कि गोहत्या बंद की जाए, लव जिहाद- जिसे उन्होंने एक संगठित गतिविधि बताया- पर अंकुश लगाया जाए और धर्मांतरण को सख्ती से नियंत्रित किया जाए। उन्होंने ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए वित्तीय सहायता के स्रोत पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया इतना आसान पैसा कहां से आ रहा है? कुछ लोग धार्मिक कारणों से इन गतिविधियों को वित्तपोषित कर रहे हैं। इस पैसे का इस्तेमाल ड्रग्स, अवैध रेत खनन और सट्टेबाजी के लिए किया जा रहा है। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके विभाग का कोई भी सदस्य ऐसे नेटवर्क में शामिल न हो। तीखी फटकार लगाते हुए रवि ने पुलिस पर कुलीन और अपराधी दोनों को एक ही तराजू पर तौलने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस को 80 वर्षीय पूवप्पा और सीताराम के घर जाने की सलाह दी, जिन्हें उन्होंने देशभक्ति का प्रतीक बताया। सीटी रवि ने वीएचपी और बजरंग दल जैसे हिंदू संगठनों को 'सांप्रदायिक' बताने वाले पुलिस के बयानों पर भी आपत्ति जताई और कहा कि 'हिंदू विचारधारा सांप्रदायिक नहीं है। उन्होंने अन्य धर्मों के साथ इसकी तुलना करते हुए दावा किया, कुछ धर्मों में, लोगों को यह दावा करने के लिए मार दिया जाता है कि कोई ईश्वर नहीं है, बल्कि एक पैगम्बर है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट के मुद्दे पर, उन्होंने कुछ धार्मिक ग्रंथों के खिलाफ कार्रवाई की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा ये पुस्तकें गैर-आस्तिकों को मारने का आह्वान करती हैं। अगर हम उनके खिलाफ कार्रवाई करते हैं, तो दुनिया भर में शांति कायम हो सकती है। रवि ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि सुहास शेट्टी की हत्या के बाद उसने कोई सहानुभूति नहीं दिखाई, जिसका परिवार दशकों से पार्टी का समर्थन करता रहा था। उन्होंने कहा कि रहमान की हत्या को स्वीकार किया गया, लेकिन सुहास की हत्या को दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने कबीर को कथित तौर पर मुआवजा देने के लिए सरकार की आलोचना की, जो मवेशी परिवहन के दौरान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। उन्होंने हाल की घटनाओं के लिए वीएचपी या बजरंग दल के नेताओं को पहले से ही दोषी ठहराने के खिलाफ चेतावनी दी और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा, उचित जांच से पहले संगठनों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। पुलिस विभाग को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा अगर आपमें वाकई हिम्मत है, तो नफरत फैलाने वाले धार्मिक ग्रंथों के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के नफरत भरे ग्रंथ भारतीय धर्मग्रंथों में नहीं हैं, लेकिन कुछ विदेशी धर्मग्रंथों में पाए जा सकते हैं, और इसे संघर्ष का एक बड़ा कारण बताया।

समाज की मानसिकता धार्मिक ग्रंथों से प्रभावित

कांग्रेस सांसद नासिर हुसैन का जिक्र करते हुए उन्होंने उन पर आरोप लगाकर उनकी विश्वसनीयता पर संदेह जताया कि उन्होंने एक बार विधान सौधा में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए थे। रवि ने इस बात पर जोर देते हुए निष्कर्ष निकाला कि उनके सुझाव शांति बनाए रखने के उद्देश्य से थे और समाज की मानसिकता धार्मिक ग्रंथों से प्रभावित थी। उन्होंने स्पष्ट किया, विहिप एक हिंदू संगठन है और हिंदुओं के बीच एकता को बढ़ावा देता है। हम किसी भी हत्या को उचित नहीं ठहराते। उन्होंने विधान सौधा में क्रिकेटरों के हाल ही में हुए सम्मान समारोह पर भी कटाक्ष किया और दावा किया कि कथित तौर पर बेंगलूरु पुलिस आयुक्त द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम राजनीति से प्रेरित था और इसमें कांग्रेस नेताओं के बच्चों और पोते-पोतियों के साथ सेल्फी ली गई थी। उन्होंने इसे असंवेदनशील बताते हुए कहा अगर सीएम खुद ऐसी त्रासदी के बाद डोसा खाएंगे, तो भगवान भी उन्हें माफ नहीं करेंगे।

कावेरी आरती पर 100 करोड़ रुपये क्यों खर्च किए जा रहे: कुमारस्वामी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि कावेरी आरती के लिए 100 करोड़ रुपये की जरूरत क्यों है? वे 100 करोड़ रुपये खर्च करने के खिलाफ हैं। मांड्या के माईसुगर हाई स्कूल के अमृत महोत्सव समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब पूर्व मंत्री सी.एस. पुट्टाराजू ने केरेथन्नूर में कावेरी आरती की थी, तब इतने पैसे खर्च नहीं हुए थे। अब इतने पैसे की जरूरत क्यों है? आरती कार्यक्रम पर हुए खर्च के बारे में एक बार पुट्टाराजू से पूछ लें।

इस साल देशभर में 14 हजार इलेक्ट्रिक बसें देने का फैसला किया गया है, जिसमें से साढ़े चार हजार इलेक्ट्रिक बसें बेंगलूरु को दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि दो हजार बसें अन्य राज्यों को दी जाएंगी। बड़े उद्योग मंत्री के तौर पर आपने मुझसे काफी उम्मीदें रखी हैं। मैं मांड्या जिले में उद्योग लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा हूं। मैं राज्य सरकार का सहयोग लेने की कोशिश कर रहा हूं। मैं माईशुगर शिक्षण संस्थान को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इसके लिए आवश्यक खाका तैयार करें। आदर्श विद्यालय बनाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करूंगा। प्रत्येक पंचायत स्तर पर एक निःशुल्क अंग्रेजी विद्यालय खोला जाना चाहिए। पहले मठों में शिक्षा होती थी। सरकार की ओर से शिक्षा के लिए कोई बड़ा अवसर नहीं था। उन्होंने कहा कि के.वी. शंकरगौड़ा सहित कई बुजुर्गों ने शिक्षा क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है। एमआईएमएस के डॉक्टरों की लापरवाही और पुलिस के व्यवहार के कारण बच्चों की मौतें बहुत दुखद हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों को पैसे की खातिर अपनी जान नहीं लेनी चाहिए। मैंने एचएमटी कारखाने के अस्तित्व के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। हालांकि, राज्य सरकार जमीन नहीं दे रही है। मांड्या के लोगों, मुझे कुछ समय दें। मैं आपकी उम्मीदों को निराश नहीं करूंगा।

राज्य सरकार ने मुआवजा बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने निर्देश दिया है कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ में मारे गए पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजे को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा हमारी सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अपने प्रियजनों को खोने का शोक मना रहे परिवार आर्थिक तंगी के कारण और अधिक संकट में न फंसें।

आईपीएल अभियान के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर यह दुखद भगदड़ हुई। उस समय स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे। इस घटना में ग्यारह प्रशंसकों की जान चली गई, जबकि 47 से अधिक अन्य घायल हो गए और वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज चल रहा है।

विभाग ने स्कूलों में यौन शिक्षा देने का कदम उठाया, कुछ संगठन नाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा विभाग ने चालू शैक्षणिक वर्ष से बच्चों में जागरूकता लाने के लिए नैतिक शिक्षा के नाम पर यौन शिक्षा देने की पहल की है, जिस पर कुछ संगठनों ने नाराजगी जताई है। वर्ष 2015 में भी स्कूलों में यौन शिक्षा देने की कोशिश की गई थी। उस समय एच.एस. दोरेस्वामी समेत कई लोगों ने इसका कड़ा विरोध जताया था।

लोगों का कहना था कि बच्चों को यौन शिक्षा देकर समाज की अवनति के लिए सरकार खुद जिम्मेदार होगी। प्रगतिशील संगठनों समेत कई संगठनों के कड़े विरोध के बाद सरकार अपने विचारों से पीछे हट गई। अब यौन शिक्षा पर विवाद फिर से जोर

पकड़ने लगा है। केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति बनाई है और कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में इसे स्वीकार न करने की घोषणा की थी। सरकार बनने के बाद राज्य सरकार ने अलग से शिक्षा नीति बनाने के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की। राज्य की शिक्षा नीति अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई है और इस बीच नैतिक शिक्षा देने पर चर्चा शुरू हो गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 8वीं से 12वीं कक्षा तक के बच्चों की आयु के अनुसार यौन शिक्षा देने की पहल की है। बच्चों में समय से पहले विकास, असामान्य यौवन और हार्मोनल विकास सहित कई तरह की असामान्यताएं देखी जा रही हैं। इसके कारण बच्चों में मानसिक अस्थिरता और भ्रम की स्थिति बढ़ती जा रही है। वैज्ञानिक और आधुनिक युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने बच्चों को आगे की सोच के लिए और अधिक लक्षित किया है। इस पृष्ठभूमि में असामान्य विकास हो रहे हैं। सुझाव हैं कि बचपन में उन्हें नियंत्रित करने के लिए उचित शिक्षा आवश्यक है। घर पर माता-पिता के लिए हार्मोनल विकास और उनके परिणामों के बारे में वैज्ञानिक समझ प्रदान करना मुश्किल है, और तर्क हैं कि यदि स्कूल और कॉलेज स्तर पर यह जागरूकता पैदा की जाती है, तो बच्चे अधिक बुद्धिमान और सचेत हो सकेंगे। पिछली भाजपा सरकार ने पहले बच्चों को नैतिक शिक्षा के साथ महाभारत और रामायण का सारांश पढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। उस समय कांग्रेस सहित कई प्रगतिशील संगठनों ने आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि एक धर्म के सारांश के बजाय सभी धर्मों का सारांश पढ़ाया जाना चाहिए। अब डीएसईआरटी ने नैतिक शिक्षा का मॉडल क्या होना चाहिए, इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार किए हैं। बच्चों को समझाने वाले तत्वों को संबंधित कक्षा के अनुसार तैयार किया गया है। सप्ताह में कम से कम दो कक्षाओं में नैतिक शिक्षा देने के लिए समय सारिणी तैयार की गई है। स्कूली शिक्षा विभाग बच्चों के शारीरिक विकास के अनुरूप बौद्धिक शिक्षा देने के लिए तैयार है। कुछ संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई है कि शिक्षा के नाम पर यौन शिक्षा देना अनुचित है।

विधान सौधा की गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन

भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए राज्य सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने रविवार को कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए राज्य सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है और अगर जरा भी नैतिकता है तो सीएम सिद्धरामैया और डीसीएम डी.के. शिवकुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार द्वारा सुनियोजित हत्या है और सीएम-डीसीएम के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। एक पुलिस अधिकारी ने पत्र लिखकर क्यों कहा कि विधान सौधा के सामने कोई कार्यक्रम नहीं होना चाहिए, लेकिन उन्होंने इसका उल्लंघन करते हुए कार्यक्रम आयोजित किया? उन्होंने कहा कि अगर कानून सबके लिए समान है तो सीएम सिद्धरामैया को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। सुबह भाजपा विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और सांसदों के नेतृत्व में विधान सौधा की गांधी प्रतिमा के पास आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए उन्होंने राज्य सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना की। विधान सौधा में आयोजित कार्यक्रम के प्रभारी सीएम ने यह नहीं कहा कि केएससीए का प्रभार किसी और के पास है। उन्होंने यह

कह कर अपना गुस्सा जाहिर किया कि आपने कानून से परे जाकर काम किया है और किसी भी कारण से आप सत्ता में रहने के लायक नहीं हैं। शव पर राजनीति बताकर आलोचना करने वाले कांग्रेसियों को अपनी गलती का एहसास हो गया है। पश्चाताप करने के बजाय वे पुलिस और फिर केएससीए के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में विधान सौधा में ऐसा हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अशोक ने कहा कि व्यवसायी माल्या ने अपने व्हिस्की ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए टीम का नाम आरसीबी रखा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब सीएम और डीसीएम नए राजदूत हैं। क्रिकेट प्रशंसकों के मरने की सूचना के बावजूद कार्यक्रम जारी रहा, ट्रॉफी को चूमा गया और फिर केएससीए को एक करोड़ रुपये दान कर दिए गए। उन्होंने असंतोष जताते हुए कहा कि अगर आप पटाखे फोड़ते हुए देखते हैं, तो यह स्पष्ट है कि मानवता सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। सीएम सिद्धरामैया ने सरकार की फजीहत होते ही केएससीए को शिकार बनाने की पहल की है। इस बीच डीसीएम डीके शिवकुमार ने बीबीएमपी पर केएससीए पर उंगली उठाकर अपनी गलती छिपाने की कोशिश की। आपने मैं आगे बढ़ूंगा और आगे बढ़ूंगा जैसे आतिशबाजी का प्रदर्शन करके और आरसीबी का जश्न मनाने का कार्यक्रम आयोजित करके 11 लोगों को मार डाला। विपक्षी नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा प्रयागराज की घटना अलग है, वहां की घटना और बेंगलूरु की इस दुखद घटना में बहुत फर्क है। जल्दबाजी में कार्यक्रम आयोजित करने का आधार क्या था, आपने गलती करने के बाद पुलिस को शिकार बना दिया।

उन्होंने कहा कि उस दिन पीड़ित लोगों को अस्पताल ले जाने वाली पुलिस थी, आप नहीं। पवित्र विधान सौधा के सामने ऐसा निजी कार्यक्रम आयोजित करते हुए आपने अपने परिवार को आमंत्रित किया और फोटो खिंचवाकर जश्न मनाया, जबकि 11 लोगों की जान चली गई। जब से आपकी सरकार सत्ता में आई है, तब से एक के बाद एक घोटाले, त्रासदी हो रही हैं। सीएम माफी मांगें और सम्मानपूर्वक अपने पद से इस्तीफा दें। यह न्याय की लड़ाई है। इसमें कोई राजनीति नहीं है, सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि जब मंत्री और कांग्रेस नेता पहले ही स्वीकार कर चुके हैं कि वे गलत थे, तब उनका सत्ता से चिपके रहना शर्मनाक है।

निर्दोष लोगों को कानूनी जाल में फंसाने की कोशिश

उन्होंने कहा कि वे अपनी मर्जी से निर्दोष लोगों को कानूनी जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। पूरे देश में इस त्रासदी की चर्चा है। हालांकि इसमें राज्य सरकार की खामियां साफ नजर आ रही हैं, लेकिन वे ऐसे काम कर रहे हैं जैसे उनकी कोई गलती ही नहीं है। उन्होंने कई पुलिस अधिकारियों के निलंबन की आलोचना करते हुए इसे उनकी गरिमा के अनुरूप नहीं बताया। अब पता चला है कि कुछ लोगों ने कार्यक्रम के आयोजन पर दबाव बनाया है। आम लोगों और त्रासदी के पीड़ितों के परिजनों ने सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है। लेकिन उन्होंने अधिकारियों और संस्थाओं पर अपनी गलतियों को छिपाने के लिए बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाया है। हमारा संघर्ष किसी भी कारण से नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने त्रासदी में मारे गए लोगों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी है।

तलवारें लिए बाइकर्स के बारे में वायरल फर्जी वॉयस क्लिप के बाद मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर तलवारें लिए बाइकर्स दिखाने वाली एक तस्वीर और वॉयस क्लिप वायरल होने के बाद बाजपे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। सूरथकल निवासी मुहम्मद सुहैल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। सुहैल ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वह अपने दोस्त के साथ बाइक से मूडबिद्री की ओर जा रहा था, तो किसी ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उनकी तस्वीर खींच ली, जबकि वह एक्वेरियम स्टोन और ई-सिगरेट पकड़े हुए था। इसके बाद तस्वीर और साथ में मौजूद वॉयस क्लिप को करावली टाइगर्स नामक एक इंस्टाग्राम पेज पर गलत तरीके से प्रसारित किया गया, जिसमें झूठा दावा किया गया कि तलवारें लिए बाइकर्स घूम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह झूठी खबर सोशल मीडिया पर इस तरह फैलाई गई कि इससे सांप्रदायिक तनाव भड़क सकता है, और उन्होंने करावली टाइगर्स इंस्टाग्राम अकाउंट के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, मेंगलूरु शहर की पुलिस ने एक स्पष्टीकरण जारी किया जिसमें कहा गया कि तलवारों के साथ बाइकर्स को दिखाने वाली वायरल व्हाट्सऐप फोटो और वॉयस क्लिप भ्रामक थी। उन्होंने पुष्टि की कि चित्र में पीछे बैठा सवार मूडबिद्री की ओर जाते समय केवल एक एक्वेरियम पत्थर और एक ई-सिगरेट पकड़े हुए था, तथा प्रसारित सामग्री गलत सूचना पर आधारित थी।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा का विमोचन किया

आरएसएस मेरा जीवन, मेरी आत्मा, मेरा सब कुछ है : बंडारू

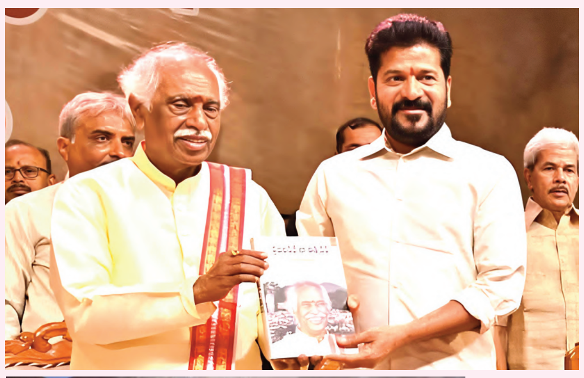

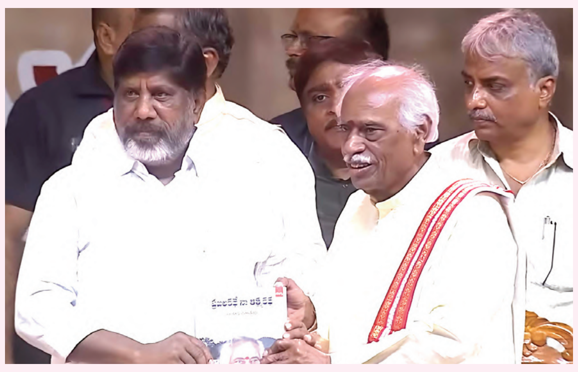

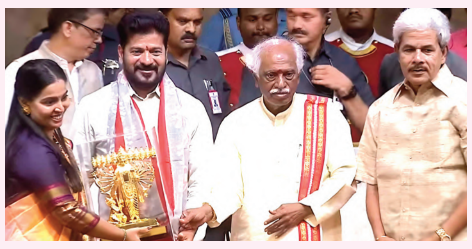

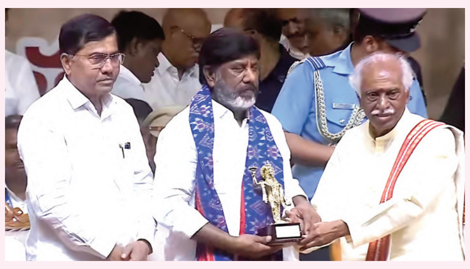

हैदराबाद, 8 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा प्रजाल काठे ना आत्मकथा (लोगों की कहानी मेरी आत्मकथा है) का विमोचन किया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे दुर्लभ नेता हैं जिनका कोई दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

कोविंद ने कहा, मुझे लगता है कि दत्तात्रेय के जीवन के शब्दकोश में दुश्मन या प्रतिद्वंद्वी जैसे कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने आपातकाल के दौरान दत्त-त्रेय के योगदान की भी सराहना की, याद करते हुए कि कैसे उन्होंने साथी जेल कैदियों को आशावाद के साथ प्रेरित किया। कोविंद ने केंद्रीय श्रम मंत्री के रूप में दत्तात्रेय के कार्यकाल पर प्रकाश डाला, न्यूनतम मजदूरी, न्यूनतम पेंशन और बढ़ी हुई ग्रेच्युटी

जैसी प्रमुख पहलों का हवाला दिया, जो आज भी लाखों श्रमिकों को लाभान्वित कर रही हैं।

कार्यक्रम में बोलते हुए, बंडारू दत्तात्रेय ने अपनी यात्रा और विकास का श्रेय कई प्रमुख व्यक्तियों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा, मैं आज जो कुछ भी हूँ, मनोहर शिंदे की वजह से हूँ। आरएसएस मेरा जीवन, मेरी आत्मा, मेरा सब कुछ है। रामाराव मुझे राजनीति में लाए और मेरा मार्गदर्शन किया। इंद्रसेन रेड्डी ने भी मेरा पूरा साथ दिया। राजनीति के उद्देश्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, राजनीति कोई करियर या व्यवसाय नहीं है। यह समाज, खासकर गरीबों की सेवा करने की जिम्मेदारी है।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आत्मकथा को न केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण बताया, बल्कि इसे पिछले छह दशकों में भारत में हुए राजनीतिक और सामाजिक बदलावों का प्रतीक बताया। उन्होंने वाजपेयी और आडवाणी जैसे नेताओं के साथ दत्तात्रेय के काम की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने जो भी भूमिका निभाई, उसमें उनकी सेवा ने सार्थक प्रभाव डाला। उन्होंने कहा, आलय बलाय पहल के माध्यम से, उन्होंने राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों को एक साथ लाया। उनका जीवन साबित करता है कि सत्ता का इस्तेमाल नाम या प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए किया जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और ए रेवंत रेड्डी, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नजीर, ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, त्रिपुरा के राज्यपाल एन इंद्रसेन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना और आंध्र प्रदेश के मंत्री सत्यकुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

लॉन्च के मौके पर बोलते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कई पदों पर रहने के बावजूद लोगों के साथ गहरा रिश्ता बनाए रखने के लिए दत्तात्रेय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, गौलीगुडा गली से हरियाणा के राज्यपाल तक का उनका सफर वाकई प्रेरणादायक है। दत्तात्रेय अटल बिहारी वाजपेयी की तरह ही बिना किसी दुश्मन के नेता का आदर्श उदाहरण हैं। सीएम ने दत्त-त्रेय को उन कुछ नेताओं में से एक बताया जिन्हें लोग मुश्किल समय में याद करते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार उनकी विरासत से प्रेरणा लेगी।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में बंडारू दत्तात्रेय और पूर्व कांग्रेस विधायक दल के नेता पी. जनार्दन रेड्डी जैसे नेताओं की कमी महसूस की जा रही है। पहले लोगों को भरोसा था कि इन नेताओं से संपर्क करने पर उनकी शिकायतों का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शहर में ऐसे सुलभ नेतृत्व की कमी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी दलों के नेता हरियाणा के राज्यपाल का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय का वार्षिक अलाई बलाई कार्यक्रम एक ऐसा अवसर है, जहां विभिन्न दलों के राजनेता मिलते हैं और राजनीतिक सीमाओं से परे हल्के-फुल्के पल साझा करते हैं।

सीएम ने कहा कि दत्तात्रेय का कद राजनीतिक पद से कहीं ऊपर है और सभी दलों के नेता उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भी अपनी राजनीतिक जड़ों पर बात की: मेरी स्कूली शिक्षा भाजपा में हुई और कॉलेज की शिक्षा टीडीपी में। आज मैं राहुल गांधी के साथ काम करता हूं। मैंने हमेशा दत्तात्रेय और किशन रेड्डी परिवारों के साथ अपने संबंधों को संजोया है।

कार्यक्रम की भव्यता पर प्रकाश डालते हुए रेवंत ने कहा, यहां इतने सारे राज्यपाल मौजूद हैं कि मैं आस-ानी से इस मंच पर कैबिनेट की बैठक बुला सकता हूं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दत्तात्रेय को एक सच्चे सज्जन और धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में सराहा, जिन्होंने अलाय बलाय जैसी पहल के माध्यम से समुदायों को एकजुट किया। उन्होंने कहा, उनके कभी दुश्मन नहीं थे, वे पार्टी लाइन से ऊपर थे और उन्होंने एक आदर्श राजनीतिक जीवन जिया। उन्होंने सार्वजनिक मुद्दों पर लगातार सरकारों को पत्र लिखे और हमेशा हैदराबाद के लोगों के साथ खड़े रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने राजनीति में मूल्यों पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि दत्तात्रेय ने नैतिकता, ईमानदारी और सभ्यता को बनाए रखा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना रचनात्मक और गरिमापूर्ण होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि जो लोग व्यक्तिगत हमले करते हैं, उनका लोकतांत्रिक तरीकों से मुकाबला किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने व्यक्तिगत दत्तात्रेय को उनके राजनीतिक प्रशिक्षण और समर्थन का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरा हाथ थामा और मुझे राजनीति में आगे बढ़ाया। मुझे गर्व है कि मैंने उनके बाद सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। रेड्डी ने 1980 के दशक में दत्तात्रेय के साथ हैदराबाद की यात्रा करने और उनके साथ सेवा भारती की गतिविधियों में भाग लेने के बारे में भी बताया। उन्होंने दत्तात्रेय को एक ऐसे नेता के रूप में वर्णित किया जिन्होंने पार्टी के विकास के लिए अथक परिश्रम किया और अपने सभी पदों पर गरिमा के साथ काम किया – चाहे वह सांसद, केंद्रीय मंत्री या राज्यपाल के रूप में हो। यह कार्यक्रम सार्वजनिक जीवन में दत्तात्रेय के दीर्घकालिक योगदान और समावेशी राजनीति और सामाजिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए एक श्रद्धांजलि थी। पार्टी लाइन से परे नेत-ाओं ने उनके जीवन और कार्य को राजनीतिक नेतृत्व की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत बताया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025

मक्का उपजा कर किसान कमा रहे मुनाफा : योगी

मुख्यमंत्री ने औरैया में किया मक्का किसानों से संवाद

औरैया/लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत औरैया में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आईसीआर के लैब में बैठे वैज्ञानिकों, कृषि विवि के प्राध्यापकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार ने पहली बार किसान के खेत तक भेजने का कार्य किया है। लैब टू लैंड की प्रक्रिया, बीज से बाजार तक किसान के हित को सर्वोपरि मानते हुए चलाए गए अभियान का हिस्सा है। जिस प्रदेश में किसान पहले केवल एक-दो फसल तक सीमित रह जाता था, आज वहां तीसरी फसल (मक्का) का पांच लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसान के परिवर्तन का आधार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 के तहत रविवार को जनता डिग्री कॉलेज अजीतमल औरैया में मक्का किसानों से संवाद किया।

सीएम ने प्रगतिशील किसानों का सम्मान, किसानों को मिनी किट का वितरण व विभिन्न योजनाओं के पात्रों को अनुदान भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल का अवलोकन किया, बच्चों का अन्नप्राशन कराया और पौधरोपण भी किया। इस दौरान किसानों ने भी अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी के विकसित भारत के अभियान को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का संकल्प यूपी के 20-25 जनपदों में मकई की खेती के माध्यम से देखने को मिल रहा है। एक किसान प्रति हेक्टेयर ढाई लाख रुपये की आमदनी कर रहा है। यानी एक लाख रुपए की प्रति एकड़ आय हो रही है। वह तीन फसल (आलू, मकई व धान) बो सकता है। अन्नदाता किसान अपने पुरुषार्थ से देश की समृद्धि में सहायक हो रहा है। सीएम ने कहाकि 9 जून को पीएम मोदी के 11 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने भारत को दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़ा समेत सभी के हितों को संरक्षण करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विरासत व विकास की यात्रा को अनवरत बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में पहली बार अन्नदाता किसान किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बना। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड हर किसान को उपलब्ध हुआ।

इसके बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.86 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला। डीबीटी के माध्यम से इनके खाते में 85 हजार करोड़ रुपए भेजे गए। सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार भी किसानों के भविष्य को संवारने का कार्य कर रही है। 2017 के पहले किसान आत्महत्या कर रहा था। गन्ना किसानों को भुगतान नहीं हो रहा था। मकई, तिलहन, दलहन, आलू, बाजरा, ज्वार, धान, गेहूं के लिए क्रय केंद्र नहीं चलते थे। 2017 में सरकार ने सबसे पहले 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ कर्ज माफ किया। फिर सिंचाई की क्षमता को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का सहारा लिया। अब तक 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचन की सुविधा दी। 15 लाख निजी ट्यूबवेल को फ्री में बिजली की सुविधा दी गई। इसके बदले सरकार 2700 करोड़ रुपये बिजली विभाग को देती है, जिससे किसानों को फ्री बिजली मिलती है। पीएम कुसुम योजना के माध्यम से अब तक एक लाख से अधिक किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराया गया है।

औरैया के किसानों की मकई की खेती को देख प्रफुल्लित सीएम ने आश्वस्त किया कि बहुत शीघ्र क्रय केंद्र स्थापित करके एमएसपी की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मकई पौष्टिक आहार है। स्वीट कार्न, बेबीकॉर्न, बायोफ्यूल व बायो प्लास्टिक भी इससे बन सकता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भी वैल्यू एडिशन व फूड प्रोसेसिंग की बात कही। सीएम योगी ने कहा कि औरैया विकास के नए पथ पर अग्रसर है। पिछली सरकारें महा-पुरुषों का अपमान और जनता से मक्कारी करती थीं। भाजपा सरकार मक्का की खेती के उत्पादन को बढ़ाती और महापुरुषों का सम्मान करती है। किसी ने यहां मेडिकल कॉलेज के बारे में नहीं सोचा, लेकिन आज यहां मेडिकल कॉलेज बन चुका है। सपा ने नाम बदल दिया था, लेकिन हमने अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नाम रख दिया। सीएम ने अहिल्याबाई होल्कर के कृतित्व व व्यक्तित्व की भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में गुंडे-माफिया हावी थे। नौकरियों पर चाचा-भतीजे की दृष्टि के कारण भर्ती विवादित हो जाती थी। नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ होता था। हमने 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है।

15 जून को गृह मंत्री के हाथों यूपी पुलिस के 60 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। हमारी सरकार में 2.16 लाख से अधिक भर्ती केवल यूपी पुलिस में की जा चुकी है। पुलिस को टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया। 1.60 लाख शिक्षक भर्ती के साथ ही अन्य विभागों में भी पारदर्शी नियुक्ति की गई। कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति से हुए निवेश के कारण 65 लाख युवाओं को नौकरी दी है। ओडीओपी के माध्यम से लगभग दो करोड़ नौजवानों को रोजगार की सुविधा मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरैया के विकास को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि यहां 250 करोड़ से अहिल्याबाई होल्कर मेडिकल कॉलेज का कार्य पूरा हुआ। रिजर्व पुलिस लाइन के लिए 272 करोड़ रुपए उपलब्ध कराया गया। इसका कार्य चल रहा है। औरैया व जालौन को जोड़ने के लिए यमुना पर 151 करोड़ से ब्रिज का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के लिए 24 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र का कार्य प्रगति पर है। कृषि एक्टेंशन के लिए तीन करोड़ व जिला न्यायालय के लिए 250 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला, राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय के कुलपति आनंद कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल सिंह दोहरे, विधायक गुड़िया कठेरिया, पूर्व सांसद रामशंकर कठेरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया आदि की उपस्थिति रही।

सीएम योगी ने नारायणी देवी को मिनीबीज किट, राजेश दीक्षित को कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए 24 लाख, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत रेशू कुमार को पांच लाख का चेक, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सुमन को स्वीकृति पत्र, पंचायत कल्याण कोष के लिए गुड्डी देवी को चेक, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के तहत कांति देवी को पांच लाख का चेक और श्रीमान सिंह को घरौनी प्रमाण पत्र प्रदान किया।

ईंट भट्ठों के नियमन के लिए सीएम योगी ने उठाया ठोस कदम

यूपी की ईंट भट्ठा नियमावली 2012 में होगा संशोधन

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग के नियमन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में यूपी पर्यावरण विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जीएसटी विभाग और अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने के साथ-साथ पारंपरिक लाल ईंट के विकल्पों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश बीएन खरे की विधिक राय के अनुरूप ईंट भट्ठों की नियमावली में संशोधन प्रस्तावित किया गया है। इन प्रयासों से न केवल प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि ईंट भट्ठा उद्योग को भी व्यवस्थित और टिकाऊ बनाया जा सकेगा।

प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ईंट भट्ठा उद्योग को नये सिरे नियमित और संयोजित किया जा रहा है। ईंट भट्ठा उद्योग को नियमित करने के लिए नियमावली में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह प्रस्ताव वर्तमान में शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है। इस संशोधन के आधार पर बंद किए गए ईंट भट्ठों को नियमावली के तहत नियमित करने और उद्योग को स्थिरता प्रदान करने का प्रयास है। पर्यावरण विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2012 से पहले प्रदेश में ईंट भट्ठों के लिए कोई स्पष्ट नियमावली नहीं थी। 2012 में बनी नियमावली के तहत एक ओर प्रदेश के लगभग 6500 ईंट भट्ठे अवैध घोषित हो गए थे, लेकिन इसके बाद भी ईंट भट्ठों के अनियमित संचालन के कारण उचित कर संग्रह संभव नहीं हो पा रहा था। वहीं दूसरी ओर नियम के तहत ईंट भट्ठों का संचालन करने वाले कई ईंट भट्ठा मालिकों को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

पूरे प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ था। यूपी में ईंट भट्ठा उद्योग को नियमित करने के साथ-साथ मृदा संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए व्यापक कार्यनीति का निर्माण किया गया है। जिसके तहत पर्यावरण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ अन्य विभागों के समन्वय से प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग का नियमितीकरण किया गया है।

प्रदेश में ईंट भट्ठा उद्योग में जीएसटी संग्रह में कमी को लेकर जीएसटी विभाग, पर्यावरण विभाग, और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सहमति प्राप्त सभी ईंट भट्ठों की सूची जीएसटी विभाग को सौंपी जाएगी।

ताकि ईंट भट्ठों से कर संग्रह की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। यह कदम ईंट भट्ठा उद्योग में पारदर्शिता और कर अनुपालन को बढ़ावा देगा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पारंपरिक लाल ईंट के विकल्पों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

50 हजार लघु किसानों को मिला 1000 करोड़ का ऋण

यूपी के गांवों में रोजगार के खुले नए द्वार

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विकास और रोजगार सृजन की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने बीते चार वर्ष में 50 हजार से अधिक लघु और सीमांत किसानों को एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का दीर्घकालीन ऋण वितरित किया है। यह ऋण न केवल किसानों की कृषि गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि रोजगार सृजन और पूंजी निर्माण का भी मजबूत आधार बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने हरित क्रांति के नए अध्याय की शुरुआत की है। किसानों को दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराकर खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। यह ऋण किसानों के लिए खेती के साथ-साथ कृषि आधारित स्वरोजगार की योजनाओं में भी मददगार साबित हो रहा है। योगी सरकार की नीतियों के चलते अब किसानों को साहूकारों और सूदखोरों के शोषण से मुक्ति मिल रही है। राज्य सरकार की ऋण योजनाएं पारदर्शी और लाभकारी हैं, जिससे किसानों का भरोसा संस्थागत वित्तीय व्यवस्थाओं पर बढ़ा है। योगी सरकार ने मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत किसानों की आमदनी बढ़ाने का अभियान छेड़ रखा है। जहां व्यावसायिक बैंकों की पहुंच नहीं थी, वहां उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक ने किसानों का साथ निभाया। यह बैंक ग्रामीण अंचलों में दीर्घकालीन ऋण पहुंचाकर कृषि विकास को नई दिशा दे रहा है। खासकर उन क्षेत्रों में, जहां बैंकिंग सेवाएं सीमित थीं, वहां यह बैंक किसानों की आर्थिक रीढ़ बना है।

बिजली निजीकरण के विरोध में 22 जून को होगी महापंचायत

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। यूपी में बिजली निजीकरण के विरोध में राजधानी लखनऊ में 22 जून को महापंचायत होगी। इसमें किसान और उपभोक्ताओं के संगठन भी शामिल होंगे। राजधानी लखनऊ में बैठक के बाद विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 22 जून को बिजली महापंचायत करने का ऐलान किया है।

इसमें देशभर के किसानों और उपभोक्ताओं के संगठन सम्मिलित होंगे। संघर्ष समिति ने बताया कि बिजली महापंचायत की घोषणा होते ही कई संगठनों ने संघर्ष समिति से संपर्क किया है।

संघर्ष समिति ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन से निजीकरण पर पांच प्रश्न पूछे हैं। संघर्ष समिति ने कहा है कि प्रत्येक शनिवार और रविवार को संघर्ष समिति 5-5 प्रश्न निजीकरण को लेकर प्रबंधन से पूछेगी। पहला प्रश्न यह है कि ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने 06 जून को चंडीगढ़ में हुए विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि उत्तर प्रदेश की बिजली वितरण व्यवस्था देश में श्रेष्ठतम है।

जब सरकारी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था देश में श्रेष्ठतम हो गई है, तब पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण क्यों किया जा रहा है? दूसरा प्रश्न है कि यदि घाटे के नाम पर निजीकरण किया जा रहा है तो चंडीगढ़ और दादरा नगर हवेली दमन एवं दीव जहां एटी एंड सी हानियां क्रमशः तीन प्रतिशत और 8 प्रतिशत थी।

इन दोनों स्थानों पर विद्युत विभाग मुनाफे में था तो दादरा नगर हवेली दमन एवं दीव और चंडीगढ़ का बिजली का निजीकरण क्यों किया गया ?

तीसरा प्रश्न है कि दिल्ली में निजीकरण के 22 साल बाद भी दिल्ली विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए उपभोक्ताओं के बिजली बिल में निजी कंपनियां 07 प्रतिशत की दर से पेंशन का सरचार्ज वसूलती है, तो सवाल है कि निजीकरण के बाद उत्तर प्रदेश में पेंशन देने के एवज में निजी कंपनियां उपभोक्ताओं से कितने प्रतिशत सरचार्ज वसूलेंगी? चौथा प्रश्न है कि निजीकरण के बाद बिजली कनेक्शन देने के लिए क्या निजी कंपनियों को उपभोक्ताओं से मनमाना बिल वसूलने का अधिकार मिल जाएगा? उदाहरण के तौर पर 12 फरवरी 2025 को आगरा में टोरेंट पावर के एक बिल की कॉपी संलग्न की जा रही है, जिसमें 02 किलो वाट का कनेक्शन देने के लिए उपभोक्ता से 09 लाख रुपए वसूल गया है। उपभोक्ता द्वारा 09 लाख रुपए के भुगतान की रसीद भी संलग्न है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। जबकि, सरकारी व्यवस्था में सिर्फ 1400 में कनेक्शन मिलता है। क्या निजीकरण के बाद उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल और दक्षिणांचल की गरीब जनता के साथ यही होने जा रहा है?

पांचवा प्रश्न यह है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण होने के बाद गरीब किसानों, बुनकरों और गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले उपभोक्ताओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएगी या नहीं? उदाहरण के तौर पर ग्रेटर नोएडा में निजीकरण के 34 साल बाद भी किसानों को सब्सिडी नहीं मिलती, जबकि पूरे प्रदेश में किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही।

यूपी के बौद्ध तीर्थस्थलों को वैश्विक स्तर दे रही योगी सरकार

पांच देशों के 50 विशिष्ट मेहमानों ने यूपी में की बोधि-यात्रा

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार बौद्ध सर्किट के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से मेकांग-गंगा सहयोग (एमजीसी) के तहत बोधि-यात्रा नामक एक फैमिलियराइजेशन ट्रिप का आयोजन किया गया। यह यात्रा 02 से 07 जून तक चली, जिसमें आसियान के पांच देशों कम्बोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम के 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। इस दल में बौद्ध भिक्षु, ट्रैवल एजेंट्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल थे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बौद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बोधि-यात्रा का उद्देश्य श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कुशीनगर, सारनाथ, वाराणसी, लखनऊ और आगरा जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रदर्शित करना था। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आनंद बोधि वृक्ष, जेतवन विहार, पिपरवाही स्तूप, महापरिनिर्वाण स्तूप, धम्मेक स्तूप, अशोक स्तंभ और विभिन्न बौद्ध संग्रहालयों का भ्रमण किया।

उन्होंने बताया कि योगी सरकार ने बौद्ध सर्किट के विकास के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने और सांस्कृतिक संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया है।

इससे पहले लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर प्रदेश की समृद्ध बौद्ध धरोहर की जानकारी दी।

पर्यटन विभाग ने परंपरागत स्वागत और विशेष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अतिथियों को बौद्ध स्थलों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता से अवगत कराया। बोधि-यात्रा के दौरान बी2बी बैठकों का आयोजन भी किया गया, जिसने भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर्यटन मंत्री ने कहा कि योगी सरकार का यह प्रयास न केवल उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को विश्व मंच पर ले जाएगा, बल्कि वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देकर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देगा।

छोटी-छोटी आदतें ले आएंगी लक्ष्मी...

घर और लक्ष्मी जीवन की भौतिक आवश्यकता है। इन्हें पाने के लिए व्यक्ति दिन रात एक करता है लेकिन कई बार जाने-अनजाने में हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे काम कर जाते हैं जिनसे हमें प्राप्त होती है लक्ष्मी। यहां हम ऐसे ही कामों के बारे में जानेंगे। घर में सुंदर मंदिर बनाना और उसे सजा कर रखना लक्ष्मी प्राप्ति का सरलतम माध्यम है। भगवान के दर्शन मात्र से ही कई जन्मों के पापों का प्रभाव नष्ट हो जाता है। इसी वजह से घर में भी देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखने की परंपरा है। इस कारण घर में छोटा मंदिर होता है और उस मंदिर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखी जाती हैं। यदि आप उन प्रतिमाओं को साफ और व्यस्थित रखते हैं तो इससे शुभ प्रभाव पड़ेगा। इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद तो प्राप्त होगा ही साथ ही नव ग्रह भी आपके अनुकूल होंगे। भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का रूप माना जाता है। तभी तो कहा गया है अतिथि देवो भवः घर आया अतिथि चाहे दुश्मन ही हो उसका मधुर वाणी और भोजन से सत्कार करना चाहिए। अतिथि हमारा भगवान होता है और हमें उनका आदर करना चाहिए। जिस घर में रसोई गंदी रहती है साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता वहां मंगल ग्रह के दोषों में वृद्धि होती है। अव्यवस्थित बिस्तर पर शयन करने वालों का जीवन भी अस्त-व्यस्त रहता है। उन पर कभी भी लक्ष्मी कृपा नहीं होती। जो लोग चेहरे की सुंदरता पर तो पूरा-पूरा ध्यान देते हैं लेकिन पैरों की सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोगों से लक्ष्मी दूर रहती हैं। इधर-उधर थूकने की आदत है तो जल्दी उसे बदल लें अन्यथा लक्ष्मी के कोप का सामना करना पड़ सकता है। जिस घर में वृद्धजनों का अपमान होता है वहां अन्न और धन की सदा कमी रहती है।

खुल जाएगा किस्मत का ताला...

हम अपने बड़े-बुजुर्गों से कई बार उपाय सुनते हैं जिसे करने से लाभ मिलने का अनुभव मिलता है। ईश्वरीय कृपा व पुरुषार्थ के साथ ही कुछ उपाय किए जाएं तो सफलता मिलती है, ऐसा दावा पूर्वजों का रहा है। प्रस्तुत हैं कुछ उपाय। यदि आपको धन की परेशानी है, नौकरी में दिक्कत आ रही है, प्रमोशन नहीं हो रहा है या आप अच्छे करियर की तलाश में हैं तो किसी दुकान में जाकर किसी भी शुक्रवार को कोई भी एक स्टील का ताला खरीद लीजिए लेकिन ताला खरीदने वक्त न तो उस ताले को आप खुद खोलें और न ही दुकानदार को खोलने दें। ताले को जांचने के लिए भी न खोलें। उसी तरह से डिब्बी में बंद का बंद ताला दुकान से खरीद लें। इस ताले को आप शुक्रवार की रात अपने सोने के कमरे में रख दें। शनिवार सुबह उठकर नहा-धोकर ताले को बिना खोले किसी धार्मिक स्थान पर रख दें। ईश्वरीय प्रेरणा से जब कोई उस ताले को खोलेगा, आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। हालांकि उस व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होगा। यदि आप अपना मकान, दुकान या कोई अन्य प्रापर्टी बेचना चाहते हैं और वह बिक नहीं रही, तो बाजार से 86 साबुत बादाम ले आएं। सुबह नहा-धोकर, बिना कुछ खाए, दो बादाम लेकर मंदिर जाएं। दोनों बादाम मंदिर में शिवलिंग या शिवजी के आगे रख दीजिए। हाथ जोड़ कर भगवान से प्रापर्टी के बेचने की प्रार्थना कीजिए और उन दो बादामों में से एक बादाम वापस ले आएं। उस बादाम को लाकर घर में कहीं अलग रख दें। ऐसा आपको 43 दिन तक लगातार करना है। 43 दिन के बाद जो बादाम आपने घर में इकट्ठा किए हैं उन्हें बहते जल, नदी आदि में बहा दें। यदि 43 दिन से पहले ही आपका सौदा हो जाए तो भी उपाय को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

रोगों से छुटकारा दिलाएंगे मंत्र...

मंत्र से विविध शारीरिक एवं मानसिक रोगों में लाभ मिलता है। यह बात अब विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि मनुष्य के शरीर के साथ-साथ यह समग्र सृष्टि ही वैदिक स्पंदनों से निर्मित है। शरीर में जब भी वायु-पित्त-कफ नामक त्रिदोषों में विषमता से विकार पैदा होता है तो मंत्र चिकित्सा द्वारा उसका सफलता पूर्वक उपचार किया जाना संभव है।

मंत्र का अर्थ है जिसका मनन करने से, जो हमारे तन-मन के कष्ट और रोग दूर कर दे। मंत्र एक ऐसे शब्दों का समूह है जिसके उच्चारण से हमारे शरीर के विभिन्न कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इससे जिन रोगों का इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं से संबंध होता है, वे ठीक हो जाते हैं। मंत्रों के उच्चारण में शब्दों का ऐसा सम्मिलन होता है कि इन कोशिकाओं और तंत्रिकाओं पर पड़ने वाला प्रभाव सकारात्मक और प्रभावशाली होता है। इसी प्रभाव से रोग दूर होते हैं और शरीर स्वस्थ होता है। मन की शांति और स्वास्थ्य के लिए मंत्र के सिवाय अन्य कोई औषिधि है ही नहीं। मानसिक रोगों का एकमात्र सफल उपाय सिर्फ मंत्र-चिकित्सा है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है कि मननात त्रायते इति मंत्र अर्थात मनन करने से जो मन का त्राण कर दे, कष्ट निवारण कर दे, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्र विज्ञानानुसार मानव शरीर में एक और सुक्ष्म शरीर होता है, जिसे आज कंप्यूटर भाषा में मानव शरीर का सॉफ्टवेयर कहा जाता है। इसी सूक्ष्म शरीर से मानव शरीर का संचालन होता है। मृत्यु के समय यही सूक्ष्म शरीर निकल जाता है तो स्थूल शरीर के सारे क्रियाकलाप समाप्त हो जाते हैं। देह के सभी रोगों का मूल कारण इसी सूक्ष्म शरीर में विद्यमान होता है और यह कारण मंत्र के जाप से दूर किया जा सकता है या मंत्र सिद्ध जल अथवा मंत्र सिद्ध औषिधि लेने से भी ठीक होता है। इस सूक्ष्म कारण के नष्ट होते ही वह रोग भी दूर हो जाता है जिसके कारण शरीर अस्वस्थ था। यही मंत्र-चिकित्सा का मूल रहस्य है और कारण सूक्ष्म होने से भौतिक धरातल पर वह प्रक्रिया देख नहीं पाते, इसी मंत्र चिकित्सा से ठीक होने वाले रोगों को लोग चमत्कार मान लेते हैं।

हनुमान चालीसा पाठ

अमेरिका के ओहियो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार कैंसरयुक्त फेफड़ों, आंत, मस्तिष्क, स्तन, त्वचा और फाइब्रो ब्लास्ट की लाइनिंग्स पर जब सामवेद के मंत्रों और हनुमान चालीसा के पाठ का प्रभाव परखा गया तो कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि में भारी गिरावट आई। इसके विपरीत तेज गति वाले पाश्चात्य और तेज ध्वनि वाले रॉक संगीत से कैंसर की कोशिकाओं में तेजी के साथ बढ़ोतरी हुई। मंत्र चिकित्सा के लगभग पचास रोगों के पांच हजार मरीजों पर किए गए क्लीनिकल परीक्षणों के अनुसार दमा, अस्थमा रोग में सत्तर प्रतिशत, स्त्री रोगों में 65 प्रतिशत, त्वचा एवं चिंता संबंधी रोगों में साठ प्रतिशत, उच्च रक्तदाब, हाइपरटेंशन से पीड़ितों में पचपन प्रतिशत, आर्थराइटिस में इक्यावन प्रतिशत, डिस्क संबंधी समस्याओं में इकतालीस प्रतिशत, आंखों के रोगों में इकतालीस प्रतिशत तथा एलर्जी की विविध अवस्थाओं में चालीस प्रतिशत औसत लाभ हुआ। निश्चित ही मंत्र चिकित्सा उन लोगों के लिए तो वरदान ही है जो पुराने और जीर्ण क्रॉनिक रोगों से ग्रस्त हैं।

गायत्री मंत्र जाप

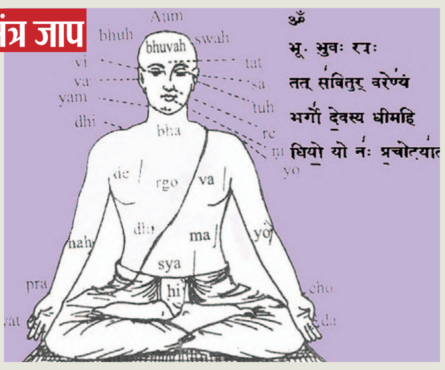

कहा गया है कि जब भी कोई व्यक्ति गायत्री मंत्र का पाठ करता है तो अनेक प्रकार की संवेदनाएं इस मंत्र से होती हुई व्यक्ति के मस्तिष्क को प्रभावित करती हैं। जर्मन वैज्ञानिक कहते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति अपने मुंह से कुछ बोलता है तो उसके बोलने में आवाज का जो स्पंदन और कंपन होता है, वह 175 प्रकार का होता है। जब कोई कोयल पंचम स्वर में गाती है तो उसकी आवाज में 500 प्रकार का प्रकंपन होता है लेकिन जर्मन वैज्ञानिक यह भी कहते हैं कि दक्षिण भारत के विद्वानों से जब विधिपूर्वक गायत्री मंत्र का पाठ कराया गया, तो यंत्रों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से संपूर्ण स्पंदन के जो अनुभव हुए, वे 700 प्रकार के थे। जर्मन वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति पाठ नहीं भी करे, सिर्फ पाठ सुन भी ले तो भी उसके शरीर पर इसका प्रभाव पड़ता है। उन्होंने मनुष्य की आकृति का छोटा सा यंत्र बनाया और उस आकृति में जगह-जगह कुछ छोटी-छोटी लाइटें लगा दी गईं। लाइट लगाने के बाद यंत्र के आगे लिख दिया कि यहां पर खड़ा होकर कोई आदमी किसी भी तरह की आवाजें निकालें तो उस आवाज के हिसाब से लाइटें मनुष्य की आकृति में जलती नजर आएंगी, लेकिन अगर किसी ने जाकर गायत्री मंत्र बोल दिया तो पांव से लेकर सिर तक सारी की सारी लाइटें एक साथ जलने लग जाती है। दुनियाभर के मंत्र और किसी भी प्रकार की आवाजें निकालने से यह सारी की सारी लाइटें नहीं जलतीं। एक गायत्री मंत्र बोलने से सब जलने लग जाती हैं क्योंकि इसके अंदर जो वाइब्रेशन है, वह अद्भुत है।

विष्णु सहस्त्र नाम का पाठ

मंत्र चिकित्सा में हम अपने देव को एक विधि से ही पुकारते हैं जिससे हमारे शरीर के चक्र चैतन्य होते हैं चक्रों को चैतन्य करने से हम निरोग होते हैं। इस चिकित्सा में पवित्रता, गुरु आराधना, यज्ञ, उपवास, तीर्थ ये सारी क्रियाएं तन एवं मन को शक्ति प्रदान करती हैं। चरक जैसे महान आयुर्वेद के जनक ने अपने महान ग्रंथ चरक संहिता के चिकित्सा स्थान में बुखार यानी ज्वर की चिकित्सा के बारे में कहा है-''विष्णु रं स्तुवन्नामसहस्त्रेण ज्वरान् सर्वनपोहति।'' विष्णु सहस्त्र नाम के पाठ से ज्वर का नाश होता है रोगी के द्वारा न हो सके तो विद्वान धर्मनिष्ठ से पाठ कराना हितकर है।

शक्तिशाली वैदिक मंत्र

हमारे वैदिक मंत्र इतने शक्तिशाली व प्रभावी हैं कि रोगी को मृत्यु के मुख से निकाल सकते हैं। मंत्र विद्या हिंदू धर्म की महान खोज हैं। मंत्रों का प्रयोग विश्व में सभी सम्प्रदाय के लोग प्रारंभ कर चुके हैं। यह संसार जगत दो भागों में बंटा है एक स्थूल और दूसरा सूक्ष्म है। स्थूल हम उसे कहते हैं जो हम नेत्रों से देखते हैं जो स्थान भी घेरता है और उसका वजन भी होता है। स्थूल की शक्ति सीमित होती है। सूक्ष्म की शक्ति असीम होती है। ध्यान दें कि यह स्थूल शरीर सूक्ष्म के कारण ही चलता है, देखता है, बोलता है, भागता है जैसे ही इस शरीर से सूक्ष्म चला जाता है सारे क्रिया कलाप समाप्त हो जाते हैं। यह हजारों पर रौब गालिब करने वाला शरीर सड़ने लगता है। आदमी तो दूर यह एक चींटी का भी कुछ नहीं बिगाड़ पाता। जैसे पानी से अधिक शक्ति उसके भाप में होती है। उस वाष्प से कितने बड़े-बड़े उद्योग कारखाने चलते हैं। इस पंच तत्व का सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश होता है और वह परम शक्तिशाली तत्व है और हमारे मंत्रों का आकाश तत्व से संबंध होता है, मंत्र आकाश तत्व से परम निकट संबंध रखते हैं शब्द या मंत्र का कार्य शरीर स्थित शक्ति केंद्रों को चैतन्य करना है। 'खं' बीज से लीवर के रोगी हैपेटाइटिस (बी) और ब्रोन्काइटिस के रोगी ठीक होते हैं। श्रीं, क्लीं, ह्रीं, हुं, फट् प्रत्येक को एकाक्षरी मंत्र कहा जाता है। एकाक्षरी मंत्र बहुत ही शक्तिशाली होते हैं। इनका प्रयोग कैसे किया जाए यह महत्वपूर्ण है। मंत्र का लघु (छोटा) होना महत्वपूर्ण है जैसे अणु कितना छोटा है और चमत्कार कितना है।

सूर्य मंत्र का जाप

महर्षि वाग्भट्टाचार्य ने कुष्ठ रोग के निदान की औषधि बताने के बाद कहा कि सूर्य की आराधना के साथ सूर्य मंत्र का जाप, व्रत, यज्ञ इसे शीघ्र ठीक कर सकता है। मंत्र का प्रयोग आस्था विश्वास के साथ साधक रोगी के सिर पर अपना दाहिना हाथ रख कर स्वास्थ्य लाभ हेतु कहता है।

''अच्युतानंद गोविंद नामोच्चारणभेषजात।
नश्यन्ति सकलारोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।''

हे! अच्युत, हे! अनन्त, हे! गोविंद नाम के उच्चारण से अनेक रोग नष्ट होते हैं मैं सत्य कहता हूं, मैं सत्य कहता हूं ऐसी क्रिया से रोग नाश करना होता है।

हीलिंग वाइब्रेशन

हमारे वेद मंत्र संस्कृत भाषा में हैं, विश्व की सभी भाषाओं में यह संस्कृत भाषा ही वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत के श्लोक और मंत्रों में अत्यधिक हीलिंग वाइब्रेशन है। इन मंत्रों के उच्चारण से जो कंपन प्रकट होता है वह मानव मस्तिष्क की क्रियाओं को स्लोडाऊन करने की अपार क्षमता रखता है। वैदिक/पौराणिक मंत्र ब्रेन वेव्स और पल्स रेट को कम कर सकते हैं। जब सभी औषधियां विफल हो जाती हैं सारे लौकिक उपाय हाथ खड़ा कर लेते हैं तब यह मंत्र ही है जो मरणासन्न को प्राणशक्ति प्रदान करता है। मंत्र की चिकित्सा असफल नहीं होती। यह तपस्या भक्ति साधना का प्रयोग होता है जो साधक देता है। मंत्र की ध्वनि स्थूल शरीर को प्रभावित करती है। तंत्र में एकाक्षर मंत्रों का निर्धारण किया गया है। देवनागरी लिपि के अनेक प्रभावी अक्षरों के ऊपर अनुस्वार (द) लगाकर एकाक्षरी बनाया है। हमारे ऋ षियों ने जैसे 'ऐ' यह महासरस्वती का बीज मंत्र है यह मस्तिष्क को शक्ति देता है मंद बुद्धि और कोमा में गए रोगी भी इससे निरोग होते हैं।

किस बीमारी में कौनसा मंत्र?

कैंसर रोग: ओम नमः शिवाय शंभवे कर्केशाय नमो नमः। यह मंत्र किसी भी तरह के कैंसर रोग में लाभदायक होता है।

मस्तिष्क रोग: ओम उमा देवीभ्यां नमः। यह मंत्र मस्तिष्क संबंधी विभिन्न रोगों जैसे सिरदर्द, हिस्टीरिया, याददाशत जाने आदि में लाभदायी माना जाता है।

आंखों के रोग: ओम शंखिनीभ्यां नमः। इस मंत्र से जातक को मोतियाबिंद सहित रतौंधी, नेत्र ज्योति कम होने आदि की परेशानी में लाभ मिलता है।

हृदय रोग: ओम नमः शिवाय संभवे व्योमेशाय नमः। हृदय संबंधी रोगों से अधिकांश लोग पीड़ित होते हैं। इसलिए अगर वे इस मंत्र का जप करें, तो उन्हें लाभ मिलता है।

कान संबंधी रोग: ओम व्हां द्वार वासिनीभ्यां नमः। कर्ण विकारों को दूर करने में यह मंत्र आश्चर्यजनक भूमिका निभाता है।

पक्षाघात (लकवा) रोग: ओम नमः शिवाय शंभवे खगेशाय नमो नमः।

स्नायु रोग: ओम धं धर्नुधारिभ्यां नमः।

कफ संबंधी रोग: ओम पद्मावतीभ्यां नमः।

श्वास (दमा) रोग: ओम नमः शिवाय संभवे श्वासेशाय नमो नमः।

रात को देर से सोना कितना फायदेमंद

देर से सोने वालों के लिए आज तक सिर्फ बुरा ही माना जाता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। देर से सोने के अपने लाभ भी है। अगर आप जल्दी सोते हैं, तो जरा इन खूबियों पर गौर करिए।

अच्छा होता है आईक्यू लेवल

एक शोध के अनुसार जो लोग देर रात तक जागते हैं उनका आईक्यू लेवल अच्छा होता है। वो खुराफाती होते हैं और उनका दिमाग नए विचारों की प्रयोगशाला जैसा होता है। ये लोग जिज्ञासू और फुर्तीले भी होते हैं। शायद यही एक कारण है कि उल्लू एक बुद्धिमान पक्षी माना जाता है। फंडामेंटल वैज्ञानिक के अनुसार, रात में जागने वाले उल्लू में जल्द उठने वाले उल्लू की तुलना में बुद्धिमान होने की अधिक संभावना होती है।

बेहतर गृहस्थ जीवन

देर रात तक जागने वाले लोगों की सेक्स लाइफ भी बहुत अच्छीं होती है। ये अपने साथी से देर रात तक बातें करते हैं और ऐसे जोड़ों में एक दूसरे को समय न दे पाने की समस्या कभी उत्पन्न नहीं होती है।

कलात्मक होते हैं देर तक जागने वाले

रात में देर से सोने वाले लोग ज्यादा कलात्मक होते हैं। तब तक दिनभर की उधेड़बुन दिमाग से निकल चुकी होती हैं तो आपके दिमाग में अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं। नींद विशेषज्ञ के मुताबिक, देर रात तक जागने वाले ज्यादातर लोग अधिक बहिर्मुखी रचनात्मक प्रकार जैसे कवि, कलाकार, और इन्वेन्टर होते हैं।

बखूबी करते है हर काम

रात को देर से सोने वाले लोगों की पढ़ाई या काम आखिरी रात में होता है फिर भी बखूबी कर लेते हैं। डेडलाइन तो जैसे इनके लिए बच्चों का खेल होती है। एक अध्ययन के अनुसार, रात को देर तक जागने वाले अधिक उत्साहित महसूस करते हैं और शाम को ध्यान केंद्रित करने में ज्यादा सक्षम होते हैं।

अकेले वक्त बिताने का मौका

ऐसे लोगों को खुद के साथ अकेले वक्त बिताने का मौका मिलता है। जब आस-पास सब सो जाएंगे, तो आप अकेले जो चाहें, जैसे चाहें कर सकते हैं।

आज का काम आज करने की आदत

देर से सोने के कारण ये अपने दिन के सारे काम उसी दिन पूरे कर लेते हैं और कल पर कुछ नहीं छोड़ते। इनकी ये आदत ऐसे लोगों को अधिक भरोसेमंद बनाती है। लोग ऐसे लोगों पर भरोसा करते हैं और इन्हें अपने महत्वपूर्ण काम देते हैं।

ज्यादा नींद की जरूरत नहीं

बेल्जियम और स्विट्जरलैंड के शोधकर्ताओं के अनुसार रात को देर से सोने वाले लोगों को जल्दी उठने वाले लोगों की तरह अच्छी तरह से काम करने के लिए ज्यादा नींद की जरूरत नहीं होती है।

कमर दर्द से राहत पाने के लिए करें पैरों की मसाज

अगर आप भी कमर दर्द से परेशान हैं और इससे आराम का ऐसा उपाय खोज रहे हैं जो प्रभावी भी हो और पेन किलर से छुटकारा भी मिले, तो पैरों की मसाज आपके लिए मददगार हो सकती है। कमर दर्द के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अधिकांशतः मांसपेशियों में खिंचाव और रीढ़ की हड्डी में दर्द के चलते कमर दर्द होता है। पैरों मे एक स्पाइन लाइन पर मसाज करने से कमर दर्द में राहत मिलती है।

पैरों मे मसाज

शरीर के ज्यादातर अंग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक दूसरे से जुड़ें ही होते है। इसलिए कमर दर्द मे आराम के लिए आप अपने पैरों की मसाज करें से आपके स्पाइन प्वांइट्स को आराम देकर कमरदर्द की समस्या को दूर कर देगा। पहली बार वालों के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है पर वे जरा से प्रयास से अपने पैरों के किनारो में स्पाइन प्वाइंट्स को ढूढे। अपने पैरों को क्रॉस करके बैठें और एक पैर को अपने हाथों मे लें। इनर फुट यानि एड़ी से अपने अंगूठे तक के भाग में स्पाइन प्वाइंट्स को तलाशे। आपको स्पाइन लाइन और शरीर के बाकी भाग आसानी से अलग अलग दिख जाएंगे। स्पाइन लाइन पर अपने हाथों के अंगूठे के मदद से हल्का दबाव बनायें। अगर आपकी कमर में दर्द है तो आपको आसानी से वो प्वाइंट मिल जाएगा। ऐया करते समय आपको दिखेगा कि इन प्वाइंट्स में दर्द और सूजन है। इनको हल्के हल्के से मसाज करने से आपके कमर के दर्द को आराम मिलेगा। साथ ही ये तनाव को भी दूर करता है।

कमरदर्द के दूर करने के अन्य तरीके

पैरों के नीचे तकिया लगाने से नींद तो अच्छी आएगी ही, साथ ही कमर दर्द से भी राहत मिलेगी। पैरों के नीचे तकिया लगाने से कमर पर कम दबाव पड़ेगा। एक्सपर्ट बताते हैं कि पीठ के बल सोते समय करीब 55 पौंड वजन रीढ़ की हड्डी पर रहता है। अगर घुटने के नीचे तकिया लगाया जाए, तो रीढ़ पर पड़ने वाला यह वजन आधा हो जाता है। कमर दर्द से बचने के लिए सही पोजिशन में बैठना भी जरूरी है। काम की दौरान सही मुद्रा में बैठने से रीढ़ की हड्डी को झुकने से बचाया जा सकता है।

खराब पोश्चर में बैठने से रीढ़ में अकड़न और खिंचाव आने का खतरा रहता है।अगर आप लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं, तो इससे रीढ़ की हड्डी में विकृति भी आ सकती है। इसके अलावा कंधे झुकाकर बैठने, चलने और एक पैर मोड़कर खड़े होने से बचें। मसाज वैसे तो सुरक्षित होती है, लेकिन आप गर्भवती हैं या कैंसर, ब्लड क्लॉट, फ्रैक्चर, खुला घाव या आर्थराइटिस है तो मसाज के बाद आपके लिए खतरा बढ़ सकता है। मसाज कराने से पहले भारी खाना न खाएं।

संपादकीय

हादसे होते रहते हैं... मानसिकता बदलने की आवश्यकता

पहली बार आईपीएल विजेता बनी आरसीबी का जश्न बड़े हादसे में बदल गया। जहाँ खुशियों की लहर होनी चाहिए थी, वहाँ मातम पसर गया। अभी तक सामने आए आंकड़े के अनुसार, 11 लोगों का जीवन चला गया और अनेक लोग घायल हुए हैं। देशभर में माँग उठ रही है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए। यह आवश्यक भी है। अन्यथा, हादसे तो होते रहते हैं... इस प्रकार की मानसिकता को प्रोत्साहन मिलेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना के बाद प्रेसवार्ता में जिस प्रकार का बयान दिया, वह पीड़ितों के जख्मों पर नमक झिड़कने जैसा है। कांग्रेस सरकार की लापरवाही पर पर्दा डालने की नीयत से उन्होंने कहा कि "मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें"। कोई जिम्मेदार और अनुभवी नेता इस प्रकार का बयान कैसे दे सकता है। देश में पहले हुए हादसों की आड़ लेकर एक और हादसे की जिम्मेदारी से कैसे बचा जा सकता है? इस बयान का एक अर्थ तो यही हुआ कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठीं रहेंगी, भविष्य में भी हादसे होते रहेंगे। क्योंकि पिछली बार हुए हादसों से हम कुछ भी सीखकर चीजों को सुधारने की मानसिकता में ही नहीं है। सिद्धारमैया जैसे जिम्मेदार नेताओं ने हादसों को सहज मान लिया है। एक प्रश्न यह भी उठता है कि कुंभ मेले के हादसे से इस हादसे की तुलना करके आखिर कांग्रेस के मुख्यमंत्री क्या बताना चाह रहे थे? इधर-उधर की बातें करने की अपेक्षा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हादसे की जाँच करनी चाहिए और दोषी लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इसी कांग्रेस की सरकार ने तेलंगाना में एक सिनेमाघर में मची भगदड़ के लिए अभिनेता अल्लू अर्जुन को आरोपी मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की। फिर इस मामले में कांग्रेस सरकार बचने की कोशिश क्यों कर रही है? 35 हजार की क्षमता वाले चिन्नास्वामी स्टेडियम में इतना बड़ा आयोजन करने का निर्णय करने वाली संस्था और अनुमति देनेवाली व्यवस्था से सवाल नहीं पूछे जाने चाहिए? यहाँ एक प्रश्न यह भी उठता है कि जब सरकार की तैयारी नहीं थी, तो इतनी जल्दी में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने की क्या आवश्यकता आन पड़ी? हादसे पर सरकार का रवैया देखकर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर अच्छा ही किया। न्यायालय को एक समिति बनाकर अपनी निगरानी में हादसे की जाँच करानी चाहिए। यह तय बात है कि जब तक इस प्रकार के हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं मिलेगी, उन पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हादसे होते रहेंगे। सिद्धारमैया सरकार की तरह अन्य सरकारें भी लापरवाह बनी रहेंगी और गैर-जिम्मेदार बयान जारी किए जाते रहेंगे।

> देशभर में माँग उठ रही है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही होनी चाहिए। यह आवश्यक भी है। अन्यथा, हादसे तो होते रहते हैं... इस प्रकार की मानसिकता को प्रोत्साहन मिलेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना के बाद प्रेसवार्ता में जिस प्रकार का बयान दिया, वह पीड़ितों के जख्मों पर नमक झिड़कने जैसा है। कांग्रेस सरकार की लापरवाही पर पर्दा डालने की नीयत से उन्होंने कहा कि "मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें"। कोई जिम्मेदार और अनुभवी नेता इस प्रकार का बयान कैसे दे सकता है। देश में पहले हुए हादसों की आड़ लेकर एक और हादसे की जिम्मेदारी से कैसे बचा जा सकता है? इस बयान का एक अर्थ तो यही हुआ कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठीं रहेंगी, भविष्य में भी हादसे होते रहेंगे। क्योंकि पिछली बार हुए हादसों से हम कुछ भी सीखकर चीजों को सुधारने की मानसिकता में ही नहीं है। सिद्धारमैया जैसे जिम्मेदार नेताओं ने हादसों को सहज मान लिया है।

आप का नजरिया

बांग्लादेश-2 की नींव

बांग्लादेश-2 की नींव पाकिस्तान दुनिया के उन देशों में शामिल है जिसकी सेना ने इसे सिक्योरिटी स्टेट बनाकर सरकार के माध्यम से जनता पर थोप रखा है। जाहिर सी बात है कि चुनाव तो दिखावटी लोकतांत्रिक प्राव्रिया होती है, अघोषित रूप से तो शासन फौज ही चलाती है। जिस देश की प्रावृत्ति ही सैन्य तानाशाही की हो उससे उम्मीद भी क्या की जा सकती है! किन्तु पाकिस्तान की एक और विशेषता है कि उसकी सरकार को अपनी ही आवाम पर कहर बरपाने के लिए जाना जाता है। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आमा यानि बीएलए विद्रोहियों द्वारा नाक में दम किए जाने के बाद अब विधानसभा में एक ऐसा विधेयक पारित किया गया है जो मानवाधिकार के चीथड़े उड़ाने वाला साबित होगा। बलूचिस्तान विधानसभा में जिस काउंटर टेररिज्म (बलूचिस्तान अमेण्डमेंट) विधेयक 2025 को हरी झंडी दी है उसके मुताबिक पाकिस्तान की सेना किसी भी व्यक्ति को शक की बुनियाद पर न सिर्प गिरफ्तार कर सकती है बल्कि उस व्यक्ति को तीन महीने तक अपनी हिरासत में भी रख सकती है। मतलब यह कि तीन महीने तक हिरासत में रखने के लिए किसी भी तरह के आरोप तय होने की जरूरत नहीं है। सवाल यह है कि अब बलूचिस्तान में पुलिसिग और सैन्य अभियान के अन्तर को खत्म कर दिया गया है। इस कानून के तहत ज्वाइंट इंवेस्टीगेशन टीम में शामिल सेना को बेतहाशा ताकत देकर कानून व्यवस्था में सेना का दखल बढ़ा दिया है। दरअसल बलूचिस्तान में वहां के स्थानीय निवासियों के लिए पाक सेना पहले ही राक्षसी तरीके से निपटती थी किन्तु अब उसने मानवाधिकार को ठेंगा दिखाते हुए जो नया कानून बनाया है। उसके कारण आम जनता के प्राति पाक सैन्य दरिन्दगी को वैधानिक सुरक्षा मिल गईं है। इसलिए इस कानून को पाकिस्तान के बौद्धिक विनाश का परिणाम मानना उचित होगा। पाकिस्तान की सेना तो पहले ही युवकों और नाबालिगों को पकड़कर उन्हें हेलीकाप्टर से या जहाज में बैठाकर वुछ दूर ऊपर ले जाकर छोड़ देती है, ताकि बलूच जनता में दहशत पैदा हो जाए। सेना और पुलिस तो पहले ही युवकों को पकड़कर ले जाती है और गायब कर देती है। इसलिए अब यह सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर इस तरह के अमानवीय कानून बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? असल में इसके दो कारण हैं। पहला यह कि इस कठोर कानून के माध्यम से चीन को संतुष्ट करने की कोशिश की गईं है जिनके इंजीनियर, अधिकारी और कर्मचारी बीएलए का नाम सुनकर कांपते हैं। बीएलए की आव्रामक गतिविधियों को मिलते समर्थन से घबराए चीन ने तय किया था कि वह खुद बलूच जनता से बात करेगी ताकि वह ग्वादर पर चीनी दखल और बलूचिस्तान की जमीन से चीन द्वारा खनिज पदार्थो के निकलने का विरोध बंद कर दें। बलूच नेशनलिस्ट चीनी अधिकारियों और इंजीनियरों को मात्र बलूचिस्तान की धरती पर ही नहीं मारते बल्कि दूसरे राज्यों में भी हत्या करते हैं। चीन ने अपने नागरिकों की हत्या के होने पर पाकिस्तान सरकार से क्षतिपूर्ति की मांग की है। जबकि इस कानून की दूसरी वजह यह है कि सामान्य बलूच जनता के दिलों-दिमागों में इतना भय पैदा कर दिया जाए ताकि बीएलए विद्रोहियों को नया वैडर तैयार करने में नए बलूच युवक आसानी से न मिल सके। बहरहाल एक बात तो तय है कि राष्ट्रवाद की जो आंधी बलूचिस्तान में चल रही है उसे रोक पाने में यह काला कानून शायद ही सफल हो सकेगा।

भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरें

ललित गर्ग

> भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई। विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ

किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं। 4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो "दुष्प्रचार" ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो "कीचड़ स्नान" कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं। बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि "हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है।

देश दुनिया से

सर्वोच्च मानव धर्म है पर्यावरण संरक्षण

जन्म के साथ ही प्रकृति मनुष्य को अपनी संरक्षण भरी अपनी गोद दे देती है. कुदरत ने उसे स्वच्छ जल, हवा, हरी – भरी पृथ्वी, निर्मल आकाश एवं अग्नि दिए हैं । इन्हीं पांच तत्वों से मिलकर पर्यावरण का निर्माण होता है। धरती पर मानव जीवन का अस्तित्व एवं उसके वर्चस्व में इन पांचों तत्वों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । मगर मानव ने ही पर्यावरण को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि आज पर्यावरण संरक्षण एक अहम मुद्दा बन गया है। प्रकृति द्वारा प्रदत उपहारों को संरक्षित करना मानव का पहला धर्म है। ईसाई, इस्लाम, हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन, यहूदी, बहाई आदि सभी धर्म पर्यावरण के संरक्षण की प्रेरणा देते हैं । आदि काल से ही धर्म और पर्यावरण में गहरा संबंध रहा है. उदाहरण के तौर पर बौद्ध धर्म का मत है कि सभी जीव जंतुओं एवं प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। इसी प्रकार बहाई धर्म का मानना है कि प्राकृतिक ऐश्वर्य और विविधता मानव जाति पर ईश्वर की कृपा है, अतः हमे इसकी रक्षा करनी चाहिए । आइए, देखते हैं विभिन्न धर्मग्रंथ पर्यावरण संरक्षण के बारे में क्या कहते हैं। हिंदू धर्म में तो प्रकृति को महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है ही । प्रकृति के विभिन्न रूपों को देवताओं का रूप माना गया है। हिंदू धर्म के अनुसार, जीवन पाँच तत्त्वों- क्षिति जल, पावक, गगन व समीर से मिलकर बना है। इसे पुष्ट करते हुए तुलसीदास रामचरितमानस में एक चौपाई में कहते भी हैं 'छिति,जल ,पावक, गगन समीरा पंच रचित अति अधम सरीरा' अब इनसे बना शरीर भले ही अधम हो पर इन पांचों तत्वों को सनातन हिंदू धर्म में देवताओं का स्थान दिया गया है क्योंकि यह मानव को बहुत कुछ देते हैं। हिंदू धर्म में पृथ्वी को देवी का रूप माना गया है और इसके विभिन्न अंगों पर्वत, नदी, जंगल, वृक्ष, पशु-पक्षी आदि को दैवीय कथाओं व पुराणों से जोड़कर देखा जाता है। श्रीमद्भागवतगीता में भी कहा गया है कि ईश्वर सर्वव्यापी है तथा विभिन्न रूपों में सभी प्राणियों में विद्यमान है इसलिये व्यक्ति को सभी जीवों की रक्षा करनी चाहिये। इस्लाम धर्म में भी कहा गया है कि, पृथ्वी का मालिक खुदा है तथा यहाँ इंसान की भूमिका ख़लीफा अर्थात खुदा के न्यासी की है एवं इंसान का कार्य पृथ्वी और इसके विभिन्न अवयवों की रक्षा करना है। कुरान के अनुसार, सृष्टि की रचना जल से हुई है तथा जल को व्यर्थ करना इस्राफ (पाप) है। इसके अलावा किसी भी प्राकृतिक संसाधन का अनावश्यक

उपयोग करना इस्लाम में वर्जित माना गया है। ईसाई मत के मतानुसार भी सभी जीवों की रचना ईश्वर के प्रेम का रूप है तथा मानव को जैविक विविधता तथा ईश्वर के निर्माण को नष्ट करने का अधिकार नहीं है। ईसाई धर्म मनुष्य को सृष्टि के अन्य जीवों की रक्षा उत्तरदायी मानता है। इसके अलावा यह भी संसाधनों के सीमित उपयोग और उनके संरक्षण पर ज़ोर देता है। बौद्ध धर्म भी पूर्णतः प्रेम, सद्भाव तथा अहिंसा पर आधारित है। बौद्ध धर्म 'प्रतीत्यसमुत्पाद' पर आधारित है जिसे करण-कारण का सिद्धांत भी कहते हैं। इसे हिंदू धर्म के कर्म के सिद्धांत के समान माना जा सकता है अर्थात मानव के व्यवहार का प्रभाव उसके पर्यावरण पर पड़ता है। बौद्ध धर्म भी जीव संसाधनों के अतिदोहन को वर्जित करताा है और सभी जीवों की परस्पर निर्भरता में विश्वास करता है । जैन धर्म में अहिंसा को सर्वाधिक महत्व दिया गया है तथा किसी भी जीव-जंतु, वनस्पति आदि को नुकसान पहुँचाना वर्जित माना गया है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिये प्रकृति व इसके सभी जीव जंतुओं को समान माना गया है तथा इनका संरक्षण और इनके प्रति समान व्यवहार करना जैन धर्म की मूल शिक्षा है। जैन धर्म में जीव जंतुओं की हत्या पर पूर्ण निषेध है इसी निषेध के चलते जैनी चौमास व्रत का भी पालन करते हैं। सिखों के धार्मिक ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में कहा गया है कि संसार में स्थित सभी वस्तुएँ ईश्वर की इच्छा के अनुरूप ही कार्य करती हैं तथा ईश्वर उनकी रक्षा करता है। 'गुरु ग्रंथ साहिब' के अनुसार, सभी जीव-जंतु, वृक्ष, नदी, पर्वत, समुद्र आदि को ईश्वर का रूप माना गया है। हिब्रू बाइबिल तोराह में प्रकृति के संरक्षण के लिये अनेक नैतिक बाध्यताएँ दी गई हैं। तोराह के अनुसार, "जब ईश्वर ने आदम को बनाया, उसने उसे स्वर्ग के बगीचे दिखाए और कहा मेरे कार्यों को देखो, कितना सुंदर है ये? मैंने जो भी बनाया है वह सब तुम्हारे लिये है। तुम्हें इसकी रक्षा करनी है और यदि तुमने इसे नष्ट किया तो तुम्हारे बाद इसे ठीक करने वाला कोई नहीं होगा।" पर्यावरण व प्रकृति के संरक्षण के लिये विभिन्न धार्मिक समूहों द्वारा वैश्विक या स्थानीय स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। पाकिस्तान में स्थित कब्रगाहों में प्राचीन वृक्षों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं क्योंकि इनको काटना गुनाह माना जाता है. लेबनान के मैरोनाईट चर्च ने हरीसा के जंगलों को पिछले 1,000 वर्षों से संरक्षित रखा है।

कुछ अलग

समुद्र के पारिस्थितिकीय तंत्र पर गंभीर संकट

बीते 26 मई को कोच्चि के पास जलमग्न हुए लाइबेरिया के एक जहाज से फिलहाल तेल के फैलाव और उसमें भरे रसायनों की पानी से होने वाली क्रिया के कारण संभावित प्रदूषण का कोई खतरा सामने नहीं आया है। हालांकि, जहाज में लदे कुछ कंटेनरों के टूटने के बाद उनमें भरे अनगिनत प्लास्टिक के छोटे-छोटे गेंद जैसे छर्रे, जिन्हें नर्डल्स कहा जाता है, का फैलाव अब कन्याकुमारी तक हो गया है। यह न केवल समुद्री तटों, बल्कि व्यापक रूप से जल-जीवन के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 42 तटीय गांवों में से 36 के समुद्र तटों पर प्लास्टिक के ये सफेद छर्रे, जहरीले कंकड़ बनते जा रहे हैं। इस प्रदूषण के चलते विशेष रूप से किलियूर तालुक के तटीय आवासीय क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां के सभी 16 गांव प्रभावित हुए हैं। कलकुलम और अगस्तीस्वरम तालुकों में भी क्रमशः 13 तटीय बस्तियों में से 10-10 में नर्डल्स देखे गए हैं। प्लास्टिक के ये टुकड़े मंगलवार को कन्याकुमारी शहर के निकट मणाकुड़ी नामक तटीय गांव तक पहुंच चुके हैं। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि बीते गुरुवार को कोंकलेच के वानियाकुड़ी तट के पास समुद्र में बह आकर आए कंटेनर के टूटने से ये छर्रे बहे हैं। इस कंटेनर को विशेषज्ञों की टीम ने बरामद कर कूथुकुड़ी में कस्टम विभाग को आगे जांच के लिए सौंप दिया। कन्याकुमारी के कलेक्टर अलागुमीना के मुताबिक अभी तक 858 बैग नर्डल्स एकत्रित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 25 किलोग्राम है। अकेले सोमवार को ही 248 बैग एकत्र किए गए। इसके पहले, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तीन समुद्री तट — कोचकुहल्ली, वेली, थुंबा और वेट्टुक्काड — पर भी इसका प्रकोप देखा जा चुका है। इसके अलावा, कोल्लम और अलाप्पुझा के कई तटीय गांव भी इससे सफेद हो गए हैं, और आम लोग स्वयंसेवक के रूप में उनकी सफाई कर रहे हैं। प्लास्टिक के छोटे-छोटे छर्रे अब गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहे हैं। इनसे उत्पन्न प्रदूषण लंबे समय तक जहर के समान रहता है। इनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों में आवासीय पर्यावरण का प्रदूषण, इनके माइक्रो और नैनो प्लास्टिक में टूटना और खाद्य शृंखला में प्रवेश करना शामिल है। मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और कीचड़ वाले तट जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्लास्टिक के कण जड़ों को ढक सकते हैं और ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को रोक सकते हैं, जिसे पारिस्थितिकविद 'पारिस्थितिक मृत' क्षेत्र कहते हैं —ऐसे क्षेत्र जहां जीवन वापस आने के लिए संघर्ष करता है।

दृष्टि कोण

भारत की कूटनीति से अब पस्त होगा तुर्किये

अम्रेनिया पामि एशिया और यूरोप के काकेशस क्षेत्र स्थित एक पहाड़ी देश है, जिससे भारत के इसके साथ सदियों पुराने सम्बन्ध रहे हैं। भारत ने अम्रेनिया के स्वतंत्र होने के बाद जल्दी ही इसे मान्यता देने वाले देशों में था। दोनों देशों के मध्य मैत्री तथा सहयोग की सन्धि 1995 में हुई थी। गत दिनों विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा साइप्रस के विदेश मंत्री कोंसटैनटाइनोस कोम्बोस से द्विपक्षीय सम्बन्धों के सारे आयामो तथा रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर जो गहन चर्चा की गईं, उससे निाय ही विश्व में पाकिस्तान सबसे गहरे मित्रों में से एक हम मजहबी और भारत से खुलकर शत्रुभाव रखने वाले मुल्क तरुकिये जरूर हैरान-परेशान हुआ होगा, जो पहले ही भारत की सेना के ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान अपने दोस्त पाकिस्तान को दिये उन एक से एक नायाब, आचूक और घातक समझे जाने वाले हथियारों के बेअसर साबित होने से सदमे में आया हुआ है, जिन्हें पर उसे बहुत नाज/फव्र्रा था। उसने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत भी 'जैसे को तैसा' देने वाली वूटनीति को अपनाते हुए उसे ऐसा प्रत्युत्यर देगा। इसी नीति के तहत भारत तरुकिये के जानी दुश्मन पड़ोसी मुल्क साइप्रस के अलावा ग्रीस/यूनान तथा अम्रेनिया से और भी सुदृढ़ रिश्ते बना रहा है। साइप्रस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाईं में हमेशा से भारत का साथ देता आया है जिसके लिए भारत भी उसकी प्रशंसा करता आया है। अब यह यूरोपीय संघ का अध्यक्ष बनने वाला है। भारत-ईंयू से सम्बन्धों को भी मजबूत करने को लेकर तत्पर है। विदेशमंत्री जयशकर ने इण्टरनेट मीडिया यह लिखा, साइप्रस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के साथ भारत-यूरोपीय संघ (ईंयू) रिश्ते को सुदृढ़ बनाने पर भी बात हुईं है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच भारत और ईंयू के बीच होने वाले मुत्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर भी चर्चा हुईं होगी। कभी इस्लामिक दुनिया का खलीफा रहा तरुकिये पिछले वुछ सालों से वह एक बार फिर से पुराने मुकाम को हासिल करने में लगा है। इसके लिए वह अपनी सीमाओं के विस्तार करने के साथ दुनियाभर के इस्लामिक मुल्कों की हथियारों समेत हर तरह की मदद के लिए तैयार रहता है। ऐसे में उसका पड़ोसी मुल्क और दूसरे गैर इस्लामिक मुल्कों से टकराव ओर दुश्मनी होना स्वाभाविक है। अपने देश के सरहदों को बढ़ाने को लेकर एक ओर जहाँ तरुकिये का पड़ोसी मुल्क साइप्रस और ग्रीस से उसका विवाद तथा शत्रुता है, वहीं वह हम मजहबी मुल्क अजरबैजान और पाकिस्तान की खुलकर हथियार देता आया है। इतना ही नहीं, तरुकिये अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर के मुद्दे को पाकिस्तान के पक्ष में उठाता आया है, ऐसे में उससे भारत का रूष्ट होना लाजमी है। लेकिन उसने इसकी कभी भी परवाह नहीं की है। यहाँ तक कि उसने पहलगाम में इस्लामिक दहशतगर्दो की हत्याओं की भी निन्दा नही की, इसके विपरीत उसने भारत के ऑपरेशन सिन्दूर की खुलकर मजम्मत की है, जबकि भारत ने उसके यहाँ आए भूकम्प से सबसे पहले मदद भेजी थी। अब चर्चा करते है कि एक-एक कर तरुकिये के पड़ोसी मुल्क साइप्रस, ग्रीस और अम्रेनिया की करते हैं, जिनसे उसकी दुश्मनी है। इनमें साइप्रस भूमध्य सागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र है जिस पर सन्1974 में तरुकिये ने हमला कर उसके एक बड़े भाग (36 प्रतिशत) पर कब्जा कर लिया। फिर 1975 बीते-बीते तरुकिये ने वहाँ के 1,62,000 से अधिक ईंसाइयों को अपना सबवुछ छोड़कर उनके ही मुल्क से पलायन को मजबूर कर दिया। इसके बाद तरुकिये ने यहाँ पर मुसलमानों को बसा कर जनसांख्यिकीय बदल दी है। इसी भूभाग को तरुकिये ने 'उत्तरी साइप्रस तरुकिये गणराज्य' (एनआरएनसी) नामक एक देश में बदला दिया। यह अलग बात है कि अब तक इसे तरुकिये के अलावा दुनिया के किसी भी मुल्क ने मान्यता नहीं दी है। इस कारण वर्तमान में साइप्रस उसे अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता है। भारत साइप्रस-तरुकिये विवाद का संयुत्त राष्ट्र के प्रस्तावो के अनुरूप शान्तिपूर्ण समाधान की माँग करता रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका में तरुकिये विदेश मंत्री के साथ भेंट में भारत के इसी रुख पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने लीबिया के विदेश मंत्री नजला एल्मैंगोश से वहाँ से उथल-पुथल पर वार्ता करके भी तरुकिये का सख्त सन्देश दिया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चीनी वैज्ञानिकों ने खोजा नया ग्रह जहां जीवन की संभावनाएं आई नजर

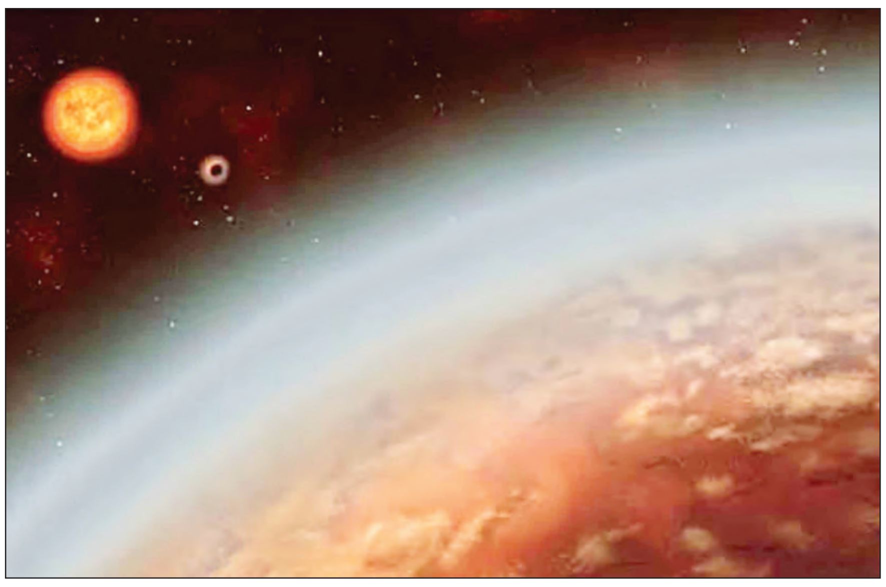

बीजिंग, 08 जून (एजेंसियां)।

क्या हम अकेले हैं यह सवाल विज्ञान, दर्शन और कल्पनाओं का केंद्र हमेशा से रहा है। अब चीनी वैज्ञानिकों ने इस रहस्य पर से पर्दा उठाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने 2400 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक ऐसा ग्रह खोजा है, जहां जीवन की संभावनाएं नजर आ रही हैं। इस ग्रह का नाम केप्लर-725सी है और इसे सुपर-अर्थ की श्रेणी में रखा है, यानी यह आकार में पृथ्वी से बड़ा है लेकिन गैस के ग्रहों जितना नहीं।

यह ग्रह पृथ्वी से 10 गुना भारी, तापमान न बहुत गर्म, न बहुत ठंडा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खोज अंतरिक्ष में जीवन की तलाश को एक नई दिशा दे सकती है और यह भी संभव है कि इस ग्रह पर एलियंस रहते हों। चीनी खगोलशास्त्रियों ने इस ग्रह की खोज ट्रांज़िट टाइमिंग वेरिएशन (टीटीवी) तकनीक से की है, जो ग्रहों की गति में सूक्ष्म बदलावों का विश्लेषण करके उनकी उपस्थिति की पुष्टि करता है।

केप्लर-725सी अपने तारे की परिक्रमा हर 207.5 दिन में पूरी करता है और यह अपने तारे के निवास योग्य क्षेत्र में मौजूद है यानी वहां तापमान जीवन के अनुकूल हो सकता है न बहुत गर्म, न बहुत ठंडा।

रिपोर्ट में वैज्ञानिकों के मुताबिक इस ग्रह पर पानी मौजूद होने की संभावना जताई गई है, साथ ही यहां भी कहा गया है यहां ठोस सतह भी हो सकती है, जो जीवन के लिए जरूरी है। यह ग्रह पृथ्वी से करीब 10 गुना भारी है और इसे 'हाइसियन ग्रह' भी माना जा रहा है, जिसमें विशाल महासागर और हाइड्रोजन से भरपूर वातावरण होने की संभावना है। ऐसा वातावरण कार्बन-आधारित जीवन को पनपने का मौका दे सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि टीटीवी जैसी उन्नत तकनीकों से अब ऐसे ग्रहों को खोजा जा सकता है, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से देखना मुश्किल था। इस खोज को 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' जर्नल में प्रकाशित किया है और इसे एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि यह पहली बार है जब किसी सूरज जैसे तारे के रहने योग्य क्षेत्र में टीटीवी विधि से किसी सुपर-अर्थ की पहचान की गई है लेकिन वैज्ञानिक अभी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। इस ग्रह पर जीवन की पुष्टि के लिए 'फाइव-सिग्मा' स्तर की जरूरत है, जिसका मतलब है कि और अधिक सटीक अवलोकन जरूरी हैं। इसके लिए जेम्स वेब टेलीस्कोप से अतिरिक्त समय तक अध्ययन करना होगा। इसके बावजूद यह खोज ब्रह्मांड में जीवन की संभावना को पहले से कहीं ज्यादा प्रबल बनाती है और यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम इस अनंत ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

मौसम, समय और पर्यावरण के अनुसार बदलते हैं वायरसः शोध

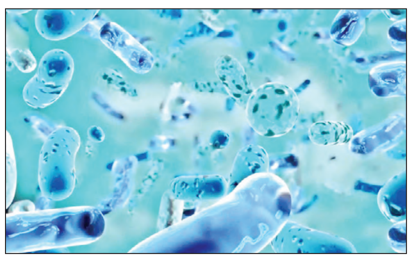

टेक्सास। वायरस समय, मौसम और पर्यावरणीय बदलावों के अनुसार खुद को एक निर्धारित पैटर्न में बदलते हैं। यह खुलासा हुआ है भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास द्वारा किए गए एक अंतरराष्ट्रीय शोध में। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मेडिसन और टेक्सास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के सहयोग से किया गया। शोधकर्ताओं ने अमेरिका की झीलों से बीते 20 वर्षों में एकत्र किए गए 465 जल-नमूनों का विश्लेषण कर वायरस के व्यवहार को समझने की कोशिश की। इस रिसर्च में मेटाजेनोमिक्स तकनीक और मशीन लर्निंग की सहायता से 13 लाख वायरस जीनोम को पुनर्निर्मित किया गया, जिससे वायरस के क्रमिक विकास और मौसमी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई। यह पृथ्वी पर किसी प्राकृतिक परिवेश में वायरस पर किया गया सबसे लंबा और गहराई से अध्ययन है।

उत्तर ग्रीस में फिर महसूस किए गए भूकंप के झटके, माउंट एथोस क्षेत्र में दहशत का माहौल

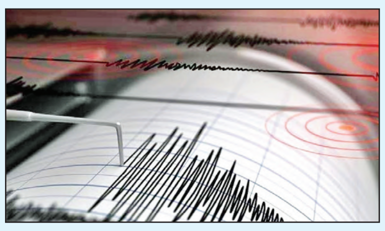

एथेंस। ग्रीस के उत्तरी हिस्से में स्थित माउंट एथोस के ग्रीक ऑर्थोडॉक्स धार्मिक क्षेत्र में शनिवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भय और अफरा-तफरी मच गई। यह झटका पिछले चार दिनों में दूसरी बार महसूस किया गया है। एथेंस के जियोडायनैमिक्स संस्थान के अनुसार, यह भूकंप समुद्र के नीचे 12.5 किलोमीटर (7.7 मील) की गहराई में आया। इसका केंद्र हल्किडीकी प्रायद्वीप में स्थित कारायेस के उत्तर-पश्चिम में था, जो माउंट एथोस की प्रशासनिक राजधानी है। भूकंप के झटके आसपास के कई क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी बड़ी क्षति या जनहानि की खबर नहीं है। माउंट एथोस के गवर्नर अल्किवियाडिस स्टेफनिस ने बताया कि सभी लोग सुरक्षित हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप के दौरान मठ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे एक व्यक्ति के गिरने से उसके हाथ में चोट आई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और एहतियातन सभी मठों और इमारतों की संरचनात्मक जांच भी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, क्षेत्र की भूकंपीय सक्रियता को देखते हुए भविष्य में और झटकों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

तुर्की में एक कोठी में मिली 5000 साल पहले दफन की गई एक जली हुई ब्रेड

अंकारा। कल्पना करे कि 5000 साल पहले तुर्की में किसी ने अपनी नई कोठी के नीचे एक जली हुई ब्रेड दफना दी, और आज वही ब्रेड दुनिया भर में छा गई है! तुर्की के एस्कीसेहिर शहर के पास कुल्लुओबा में पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान ये अनोखी ब्रेड मिली। पांच इंच की ये गोल, चपटी ब्रेड, जो पैनकेक जैसी दिखती है, 3300 ईसा पूर्व की है। मजे की बात ये है कि वैज्ञानिक इसकी रेसिपी को जान गए हैं, जिससे स्थानीय बेकरी में ऐसी रोटियां बन रही हैं कि लोग खरीदने को टूट पड़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पुरातत्वविद ने कहा, 'खुदाई में ब्रेड के सिर्फ टुकड़े मिलते हैं, लेकिन ये इसबार पूरी की पूरी जली ब्रेड है, जो जलने और दफन होने की वजह से सलामत रही। वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्रेड को किसी खास रस्म के लिए दफनाया होगा, शायद घर में खुशहाली लाने का जादू करने के लिए ऐसा किया गया हो। ब्रेड का एक टुकड़ा टूटा हुआ था, फिर वहां जली और घर के प्रवेशद्वार के नीचे दब गई। सितंबर 2024 में मिली ये ब्रेड अब एस्कीसेहिर पुरातत्व संग्रहालय में छा गई है। शहर की मेयर ने बताया, 'ये खोज दिल को छू गई। मैंने सोचा, क्यों न प्राचीन ब्रेड को फिर से ज़िंदा किया जाए' लैब में जांच से पता चला कि ब्रेड प्राचीन एम्मर गेहूं, मसूर और किसी अनजान पौधे की पत्तियों से बनी थी, जो खमीर का काम करती थीं। चूंकि एम्मर गेहूं अब तुर्की में नहीं मिलता, वैज्ञानिकों ने कविल्का गेहूं, बुलगुर और मसूर का इस्तेमाल करके रेसिपी तैयार की। फिर बेकरी ने कमर कसी और हर दिन 300 रोटियां बनानी शुरू कीं।

नेपाल के हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजने का खुलासा

काठमांडू, 08 मई (एजेंसियां)।

नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए पिछले चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजे जाने की बात जांच में सामने आई है। इनमें अधिकांश खालिस्तान समर्थक लोगों के होने की जानकारी मिली है। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक जिस मानव तस्करी मामले में अभी घिरे हैं और विपक्ष की तरफ से उन पर इस्तीफे का दबाव दिया जा रहा है उस मामले की जांच कर रहे केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस जांच से जुड़े एक वरिष्ठ जांच अधिकारी के मुताबिक हवाई अड्डे पर रहे इमिग्रेशन विभाग में मानव तस्करी का धंधा धड़ल्ले से चलाया जा रहा था और इसमें सिर्फ श्रमिक के रूप में विदेश जाने वाले लोग ही नहीं बल्कि संदिग्ध लोगों को भी भेजे जाने का खुलासा हुआ है। सीआईबी की तरफ से इस मामले की जांच को लेकर फिलहाल आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है लेकिन जांच अधिकारी ने कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। अधिकारी ने बताया कि इमिग्रेशन का रिकॉर्ड खंगालने पर पिछले चार महीने में 200 से अधिक ऐसे भारतीय नागरिकों को विदेश भेजा गया जिनके पास भारतीय दूतावास काअनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं था। जांच अधिकारी के मुताबिक जिन भारतीय नागरिकों को काठमांडू के एयरपोर्ट का प्रयोग कर अनाधिकृत रूप से विदेश भेजा गया उनमें लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े सदस्य से लेकर प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह से जुड़े लोगों के भी शामिल होने की रिकॉर्ड देखा गया है। उन्होंने कहा कि विदेश भेजे गए भारतीय नागरिकों में कुछ ऐसे भी नागरिक शामिल हैं जिनको लेकर भारतीय खुफिया विभाग की तरफ से बकायदा लिखित रूप से नेपाली सुरक्षा अधिकारियों को जानकारी दी गई थी।

किसी भी भारतीय नागरिकों को नेपाल के विमानस्थल से किसी तीसरे देश में जाने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता है। इसी तरह अगर भारत के तरफ से किसी भी व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाती है तो उसे भी रोकने का काम इमिग्रेशन का होता है पर इन दोनों की परवाह किए बिना नेपाल के एयरपोर्ट का दुरूपयोग किया गया है।

माइक्रोप्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए बन सकते हैं गंभीर खतरा

कैलिफोर्निया। छोटे-छोटे प्लास्टिक कण शरीर में जाकर ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं और लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में किए गए इस अध्ययन के नतीजों से यह चिंता और गहराई है कि हम जो भोजन करते हैं, उसमें छिपे प्लास्टिक के कण दीर्घकालिक रूप से हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अध्ययन के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक (5 मिमी से छोटे) और नैनोप्लास्टिक (100 नैनोमीटर से छोटे) अक्सर समुद्री भोजन, पैकेज्ड खाने और पीने के पानी के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। एक अनुमान के अनुसार, एक व्यक्ति हर साल लगभग 40,000 से 50,000 माइक्रोप्लास्टिक कणों का सेवन कर सकता है, जबकि कुछ अध्ययन इस संख्या को 10 लाख तक बताते हैं। इस शोध में शोधकर्ताओं ने 12 हफ्तों तक नर चूहों को पॉलीस्टाइरीन नामक प्लास्टिक के नैनोकणों की रोजाना खुराक दी। पॉलीस्टाइरीन एक सामान्य प्लास्टिक है जो खाने की पैकिंग और कई अन्य उत्पादों में प्रयुक्त होता है। चूहों को उनके शरीर के वजन के हिसाब से प्रतिदिन 60 मिलीग्राम नैनोप्लास्टिक दिया गया। यह मात्रा पिछले अध्ययनों में सेहत पर प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त मानी गई थी। शोध में पाया गया कि पॉलीस्टाइरीन नैनोप्लास्टिक के सेवन से चूहों के शरीर में ग्लूकोज को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई। साथ ही उनमें एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज (एएलटी) नामक एंजाइम का स्तर भी बढ़ा हुआ मिला, जो लिवर डैमेज का संकेत देता है। इसके अलावा नैनोप्लास्टिक के कारण उनकी आंतों की परत में लीकेज की समस्या पाई गई, जिससे शरीर में एंडोटॉक्सिन नामक हानिकारक तत्व की मात्रा बढ़ गई। यह तत्व रक्त में पहुंचकर लिवर को और अधिक कमजोर कर सकता है।

डेमोक्रेट्स की मदद करेंगे तो एलन मस्क को भुगतना पड़ेगा गंभीर परिणामः ट्रंप

वाशिंगटन, 08 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच चल रहा तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि मस्क के साथ रिश्ते को सुधारने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने मस्क को गंभीर चेतावनी भी दे डाली। ट्रंप ने कहा कि अगर मस्क आगामी चुनावों में डेमोक्रेट्स की मदद करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में ट्रंप और मस्क के रिश्ते काफी ज्यादा खराब हो गए हैं। दोनों एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। यह सब तब हो रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दोनों बेहद करीबी थे। इतना ही नहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अपने पहले प्रशासन में उनकी जान बचाई, मेरा उनसे बात करने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने इस चर्चा के बीच चेतावनी भी जारी की कि मस्क 2026 के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक सांसदों और उम्मीदवारों का समर्थन कर सकते हैं। ट्रंप ने एनबीसी से कहाकि अगर वह ऐसा करते हैं, तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने कहाकि एलन मस्क प्रेसीडेंट ऑफिस के प्रति काफी अपमानजनक तरीके से पेश आ रहे हैं। उन्होंने कहाकि आप प्रेसीडेंट ऑफिस का अपमान नहीं कर सकते हैं। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में यह बातें कही हैं।

दौरान ट्रंप से खासतौर पर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ उनका रिश्ता खत्म हो गया है इसके जवाब में ट्रंप ने कहाकि हां, मुझे ऐसा लगता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाकि मैं अन्य कामों में बहुत व्यस्त हूं। आप जानते हैं, मैंने भारी मतों से चुनाव जीता है। मैंने उन्हें बहुत सारे मौके दिए, ऐसा होने से बहुत पहले, मैंने उन्हें अपने पहले प्रशासन में मौके दिए। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के खराब संबंधों की शुरुआत गुरुवार को हुई। असल में ट्रंप ने मस्क की आलोचना करते हुए कहा था कि वह इस टेक बिलिनेयर के प्रदर्शन से काफी ज्यादा असंतुष्ट हैं। जब से मस्क ने ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' की आलोचना की है, तभी से अमेरिकी राष्ट्रपति नाखुश हैं।

एलओसी पर पहुंचे आसिम मुनीर ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर

मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारी नुकसान के बाद भी पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर एलओसी पर पहुंचा और भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने हालिया संघर्ष में भारत को करारा जवाब दिया है और अपने जवानों की शहादत का पूरा बदला लिया है। उसने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के हमलों के जवाब में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया और सैनिकों की पीठ थपथपाई। सैनिकों की थपथपाई पीठ जनरल मुनीर ने इस दौरान एक बार फिर पाकिस्तान का कश्मीर वाला पुराना राग दोहराया और कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों का समर्थन जारी रखेगा। उन्सने इसे पाकिस्तान की मूल नीति बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीर मुद्दे को संवेदनशीलता से लेने की अपील की। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को शनिवार को लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) अग्रिम चौकियों पर देखा गया। मुनीर ने वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना के मीडिया के अनुसार, उसने ईद-उल-अजहा के मौके पर जवानों के साथ समय बिताया और उनका मनोबल बढ़ाया। जनरल मुनीर ने इस दौरान पाकिस्तानी सैनिकों की हौसला अफजाई की कोशिश की।

पाकिस्तान को फिर झटका-आतंकवाद से जुड़ी 4 कमेटियों में से सिर्फ एक की मिली अध्यक्षता

जिनेवा,08 जून (एजेंसियां)।

आतंक की फैक्ट्री चलाने के लिए बदनाम पाकिस्तान को दुनिया में कहीं कोई स्थान नहीं मिलता है। यूएनएससी में भी पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। आतंकवाद से जुड़ी 4 कमेटियों की अध्यक्षता मांग रहा था लेकिन मात्र एक कमेटी की अध्यक्षता उसे दी गई।

केवल 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता ही मिली है। इसके अलावा उसे 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी (सीटीसी) की सिर्फ उपाध्यक्षता दी गई है, जो पूरी तरह से औपचारिक पद है।

पाकिस्तान ने जिन चार समितियों की अध्यक्षता की मांग की थी उनमें 1267 प्रतिबंध समिति (जिसमें अल-कायदा और आईएसआईएस शामिल है), 1540 समिति (गैर-प्रसार संधि), 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति और 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी (सीटीसी)। हालांकि केवल 1988 समिति की अध्यक्षता ही पाकिस्तान को सौंपी गई। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की अनावश्यक और असंगत मांगों के कारण यूएनएससी में सहमति नहीं बन सकी, जिससे कमेटियों के पद आवंटन में लगभग पांच महीने की देरी हुई। यह प्रक्रिया जनवरी 2025 में पूरी होनी चाहिए थी। एक अधिकारी ने कहा, यूएनएससी के अन्य सदस्य पाकिस्तान के इस अड़ियल और अयोग्य रवैये से खुश नहीं थे। सूत्रों ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्य देश अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जानबूझकर इन कमेटियों की अध्यक्षता नहीं चाहते थे क्योंकि इन पदों की वास्तविक शक्ति सीमित होती है और निर्णय केवल सर्वसम्मति से ही लिए जा सकते हैं। पाकिस्तान के पास 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता और 1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी की औपचारिक उपाध्यक्षता मिली है।

ट्रंप का बयान, यूक्रेन ने हमला कर पुतिन को हमला करने का मौका दिया

जिनेवा,08 जून (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब घातक होता जा रहा है। 6 जून की रात को रूस ने यूक्रेन पर एक बड़ा और जोरदार प्रहार किया। इस हमले में रूस ने 452 ड्रोन और 45 मिसाइलों का इस्तेमाल किया, इसमें राजधानी कीव, चेर्निहिव, लुत्स्क, ल्विव, सुमी, पोल्टावा और अन्य शहरों को निशाना बनाया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि हमले में 80 लोग घायल हुए और छह की जान गई है। जिसमें आपातकालीन कर्मचारी भी शामिल थे।

रूस के हमले से पहले यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया था। 6 जून की रात को यूक्रेन की सेना ने रूस के एंगेल्स और ड्यागिलेवो हवाई अड्डों को निशाना बनाया, जहां रूस के बमवर्षक विमान तैनात हैं। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के सैन्य संसाधनों को कमजोर करने के लिए ये हमले किए ताकि रूस के हवाई हमले रोके जा सकें।

वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने यूक्रेन के 174 ड्रोन नष्ट किए और यह हमला यूक्रेन की 'ऑपरेशन स्पाइडरवेब' कार्रवाई का जवाब था। ऑपरेशन स्पाइडरवेब में यूक्रेन ने रूस के चार सैन्य हवाई अड्डों पर हमला कर 41 विमानों को नुकसान पहुंचाया था, इसमें रूस के भारी बमवर्षक और दुर्लभ ए-50 जासूसी विमान शामिल थे। रूस ने कहा कि उसका हमला 'लक्ष्य हासिल करने' में सफल रहा, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि रूस ने नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के हमले को यूक्रेन के हमले का जवाब करार दिया। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन ने पुतिन को हमला करने का कारण दिया। मैंने कहा था कि ऐसा नहीं करना चाहिए, इस हमले को रोकना चाहिए। ट्रंप ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के सवाल पर कोई साफ जवाब नहीं दिया और कहा, 'मैं इन प्रतिबंध को तभी इस्तेमाल करूंगा जब जरूरी होगा। ट्रंप ने पहले भी कहा था कि वे शांति समझौते की उम्मीद में रूस पर तुरंत प्रतिबंध नहीं लगाना चाहते। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर रूस शांति वार्ता में देरी करता है, तब वह कड़े कदम उठा सकते हैं। वहीं यूक्रेन के एक वरिष्ठ अधिकारी पावलो पालिसा ने चेतावनी दी कि रूस का मकसद डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूरी तरह कब्जा कर यूक्रेन के काला सागर तक पहुंच को रोकना है।

एचडीएफसी बैंक के एमडी को तत्काल निलंबित करने की मांग, 25 करोड़ रुपए के गोलमाल से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) ।

मुंबई के प्रमुख अस्पताल में हुए चौंकाने वाले घटनाक्रमों ने देश में हंगामा मचा दिया है। लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक और प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखकर एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ को निलंबित करने की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रस्ट ने बैंक पर 25 करोड़ रुपये के गबन में संलिप्त होने का आरोप लगाया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि वे मुंबई मजिस्ट्रेट कोर्ट के जगदीशन और अन्य के खिलाफ एफआईआर दायर करने के आदेश के आधार पर ये कार्रवाई चाहते हैं। 5 जून को भेजे गए पत्र में ट्रस्ट ने आरोप लगाया कि बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संदिग्ध प्रॉपर्टी डील के जरिए 25 करोड़ रुपये की हेराफेरी में मदद की। ट्रस्ट के अनुसार बैंक ने इस लेन-देन में कई 'रेड अलर्ट' के बावजूद कार्रवाई नहीं की और बिना उचित जांच के संबंधित खाता बंद कर दिया। मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 30 मई को बांद्रा पुलिस को शशिधर जगदीशन सहित आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इस पूरे मामले पर बैंक के प्रवक्ता ने कहा, एचडीएफसी बैंक के एमडी और सीईओ सशिधर जगदीशन को कुछ गलत इरादों वाले लोग निशाना बना रहे हैं, जो बैंक से बकाया ऋण की वसूली को रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रहे हैं। लीलावती ट्रस्ट द्वारा लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण हैं। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि ट्रस्टी प्रशांत मेहता और उनके परिवार पर बैंक का बड़ा बकाया है, जिसकी अदायगी अब तक नहीं हुई है। पिछले दो दशकों में बैंक ने इसके लिए हर स्तर पर वसूली की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट सहित हर स्तर पर असफल रहने के बाद अब ट्रस्ट ने बैंक और उसके सीईओ के खिलाफ निजी हमले शुरू कर दिए हैं ताकि वसूली के प्रयासों में बाधा डाली जा सके।

न्यूज ब्रीफ

भागलपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़कियों के शीशे चकनाचूर

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर रविवार शाम को पथराव होने से रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। यह हमला टेकानी रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जिसमें सी-7 कोच के 42 और 43 नंबर सीट की खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब वंदे भारत एक्सप्रेस भागलपुर से हावड़ा जा रही थी। जैसे ही ट्रेन टेकानी स्टेशन के पास पहुंची, कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर पथराव कर दिया। इस हमले में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है, लेकिन ट्रेन की दो खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। पथराव से ट्रेन की गति कुछ समय के लिए धीमी कर दी गई, परंतु बाद में उसे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। पूर्व-मध्य रेलवे के मालदा मंडल के डीआरएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टेकानी स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम घटनास्थल की जांच कर रही है और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में जेके सीमेंट ने किया 150 करोड़ का निवेश

जम्मू। जेके सीमेंट ने जम्मू-कश्मीर की सैफको सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 60 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 150 करोड़ रुपये में खरीद ली है। इससे जेके सीमेंट अब इस कंपनी में मैनेजमेंट कंट्रोल भी ले लेगा और यह एक साझेदार बन जाएगा। इस सौदे के बाद सैफको अब जेके सीमेंट की सब्सिडियरी बन गई है। यह पहली बार है जब किसी बड़ी सीमेंट कंपनी ने श्रीनगर में निर्माण इकाई स्थापित की है। इससे क्षेत्र की आर्थकि तरक्की को बढ़ावा मिलेगा। सैफको सीमेंट की फैक्ट्री खोनमोह (श्रीनगर) में है, जिसकी क्लिंकर क्षमता 0.26 मिलियन टन और ग्राइंडिंग क्षमता 0.42 मिलियन टन है। कंपनी का साल 2024-25 में टर्नओवर 73.17 करोड़ रुपये रहा। इस अधिग्रहण के बाद जेके सीमेंट को स्थानीय बाजार में मजबूती मिलेगी। जेके सीमेंट भारत की टॉप 10 ग्रे सीमेंट कंपनियों में शामिल है और कंपनी का लक्ष्य 2026 तक उत्पादन क्षमता 30 मिलियन टन तक पहुंचाने का है। जेके सीमेंट का शेयर 5,877.15 रुपये पर पहुंच गए हैं, जो इसका 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है।

हुंदै, मारुति सुजुकी को निर्यात में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। हुंदै मोटर इंडिया चालू वित्त वर्ष में मात्रा के लिहाज से अपने निर्यात में एकल अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही है। दूसरी ओर मारुति सुजुकी अपने निर्यात में मात्रा के लिहाज से लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। हुंदै मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने एक बातचीत के दौरान विश्लेषकों को बताया कि हमारा लक्ष्य दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनना है। हम आने वाले वर्षों में निर्यात में अपनी वृद्धि को जारी रखने की आकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में निर्यात में मजबूत गति आई है। हुंदै मोटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,63,386 वाहनों का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 1,63,155 इकाई था। दूसरी ओर मारुति सुजुकी इंडिया का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में निर्यात बाजारों में चार लाख इकाई बेचने का है।

अंबानी की कंपनी एफकॉन्स को मिला 700 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) ।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्रदान किया गया है। जानकारी के मुताबिक एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने गुजरात के दाहेज में विनाइल प्रोजेक्ट पर सिविल, मैकेनिकल, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग कार्यों के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज से 700 करोड़ रुपये का अनुबंध हासिल किया है। इस परियोजना को जून 2026 तक पूरा करने की योजना है। 31 मार्च को समाप्त मार्च तिमाही में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का नेट प्रॉफिट 23 फीसदी घटकर 110.92 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 144.90 करोड़ रुपये था। इससे पिछली तिमाही में कंपनी को 148.85 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं परिचालन से प्राप्त राजस्व वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 3,223.27 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 3,636.43 करोड़ रुपये था। इस तिमाही नतीजे के साथ ही एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये के डिविडेंड को मंजूरी दी थी।

इसके अलावा कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (पूर्णकालिक निदेशक) सुब्रमण्यम कृष्णमूर्ति ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि डेब्ट मीट्रिक में पर्याप्त सुधार हुआ। हमारी ऑर्डर बुक 36,869 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें 10,662 करोड़ रुपये की एल 1 परियोजनाएं शामिल नहीं हैं।

सेबी ने इंडसइंड बैंक के आदेश को संशोधित किया, चल रही जांच के बीच शीर्ष अधिकारियों के नाम किए घोषित

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के खिलाफ अपने अंतरिम आदेश में एक महत्वपूर्ण संदर्भ जारी किया है। जांच में पाया गया कि बैंक ने वित्तीय नुकसान की सूचना छिपाई और निष्कर्षों को स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया। इसके चलते समर्थन और भ्रष्टाचार कर्मीयों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सेबी ने चार वरिष्ठ अधिकारियों को भी नामित किया है जिन्हें प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है। बैंक की स्थिति के बारे में आरबीआई गवर्नर ने जानकारी दी कि सभी प्रयास बैंक को स्थिर करने के दिशा में हो रहे हैं। इसके साथ ही बैंक ने लेखा मानकों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं जिससे उसका प्रदर्शन भी सुधर रहा है। सेबी ने पाया कि बैंक ने 10 मार्च, 2025 तक इन निष्कर्षों का स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया, न ही 4 मार्च, 2025 तक जानकारी को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील डेटा के रूप में चिह्नित किया। केपीएमजी ने कथित तौर पर विशिष्ट लेखांकन प्रविष्टियों सहित संख्याओं को सत्यापित करने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ आगे की चर्चा की। अपने अंतरिम आदेश में, सेबी ने मामले में उनकी कथित भूमिकाओं के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को नामित किया: अरुण खुराना, पूर्व कार्यकारी निदेशक और डिप्टी सीईओ; सुशांत सौरव, ट्रेजरी संचालन के प्रमुख; रोहन जथन्ना, जीएमजी संचालन के प्रमुख; और अनिल मार्को राव, उपभोक्ता बैंकिंग संचालन के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी। इन व्यक्तियों को अगली सूचना तक किसी भी रूप में प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है।

ईओडब्ल्यू के धोखाधड़ी मामले में पुलिस के हत्थे चढ़ा मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) ।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़ा धोखाधड़ी मामले का खुलासा किया है, जिसमें आरोपी अंगद पाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में 18 खाताधारकों ने 467 फर्जी फॉरेन इनवर्ड रेमिटेंस सर्टिफिकेट जमा कराए गए हैं, जिन्हें व्यापार लाभ प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया गया। ईओडब्ल्यू ने पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच में नई रफ्तार मिल गई है। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि अंगद ने अपने परिवार और दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले।

आरोपी ने दोस्तों की मदद से कई फर्में बनाईं और आईसीआईसीआई बैंक में खाते खोले

बैंक कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों को प्रोसेस किया गया। जब यह मामला सामने आया, तो अंगद और उसके सहयोगी देश छोड़कर भाग गए। अंगद को हाल ही में अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया था, जहां उसे सीबीआई ने एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी अंगद पाल सिंह उर्फ अंगद सिंह चंधोक को गिरफ्तार कर लिया है। अंगद पाल सिंह ने दिल्ली में 12वीं तक पढ़ाई की है। उनके पिता सुरिंदर सिंह ऑटो स्पेयर पार्ट्स के निर्यातक थे और उनकी फर्म नेशनल ट्रेडर के जरिए काम करते थे। अंगद ने अपने पिता के साथ काम शुरू किया और आयात-निर्यात का ज्ञान हासिल किया। उसने परिवार और दोस्तों की फर्मों को जोड़ा और ऊंचे मुनाफे का लालच देकर यह जालसाजी की। ईओडब्ल्यू के उपायुक्त विक्रम के. पोरवाल ने बताया कि इस मामले में पहले तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। यह एक जटिल मामला है, अंगद की गिरफ्तारी के बाद जांच को नई रफ्तार मिल गई है।

वाहन उद्योग ने चीन से दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात में सरकार से मदद मांगी

वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में तेजी लाने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाई है। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले चुंबकों की आपूर्ति में वाहन उद्योग को बड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तक कोई अनुमति नहीं मिली है और व्यापारिक संबंध को दरकिनार करना पड़ सकता है। चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और संबंधित चुंबकों के लिए निर्यात लाइसेंस को अनिवार्य बनाया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को पहले अनुमति प्राप्त करनी होगी। इस स्थिति में, वाहन उद्योग के व्यापारिक अनुभवी ने भविष्य के लिए चुंबकों की आपूर्ति में बड़ी कठिनाइयां आने की संभावना देखी है।

चीन के निर्यात से भारत की ऑटो कंपनियां परेशान

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) ।

चीन ने दुर्लभ खनिजों के रेयर अर्थ एलीमेंट्स के निर्यात को मंजूरी दे दी है, जिसके कारण भारत की ऑटो कंपनियों को काफी परेशानी हो रही है। चीन के निर्यात से भारत के ऑटो कंपनियों को आवश्यक खनिज तत्वों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने यह मंजूरी देने के बावजूद भी अभी तक इसके लिए मंजूरी नहीं दी है।

चीन के रेयर अर्थ निर्यात को मंजूरी देने का कदम कुछ लोगों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में देख रहे हैं। चीन का दावा है कि रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उभरते क्षेत्रों में इन खनिजों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिसके लिए उन्होंने निर्यात मंजूरी देने का निर्णय लिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अमेरिका की तीन प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों के रेयर अर्थ आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस भी प्रदान किए हैं, जिससे कि यह मामला अधिक गहराई से जांच जा सके। इसके अलावा यूरोप के लिए भी निर्यातकों को मंजूरी जल्द ही दी जाएगी। रेयर अर्थ इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लेकर मोबाइल फोन तक में इस्तेमाल होने वाले ये खनिज हाई-टेक चीजों के निर्यात में चीन का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

रेपो रेट में कटौती से फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वालों को होगा लाभ

मुंबई, 08 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे रेपो रेट 5.50 प्रतिशत हो गई है। इस कटौती से होम लोन और कार लोन जैसे ऋण सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, इसका फायदा रेपो रेट लिंक्ड फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ही होगा।

जिन ग्राहकों के लोन अभी भी पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े हैं, उन्हें रेपो रेट में कटौती का कोई फायदा नहीं मिलेगा और ज्यादा ब्याज चुकाना होगा।

पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े लोगों को नहीं मिलेगा फायदा

वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि इस समय ग्राहकों को रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैंक बाजार डॉट कॉम के एक अधिकारी का कहना है कि रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना खासतौर पर इस समय जरूरी है क्योंकि आरबीआई ने इस साल 2025 में तीसरी बार रेपो रेट घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट ज्यादा पारदर्शी है और रेपो रेट में बदलाव का असर तुरंत दिखता है। उदाहरण के लिए अगर किसी के पुराने एमसीएलआर लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 8.5 प्रतिशत है और वे 7.5 प्रतिशत के आसपास रेपो लिंक्ड होम लोन में स्विच करते हैं, तो उनकी ईएमआई में कमी होगी। अधिकारी का कहना है कि यदि आपका मौजूदा बैंक रेपो रेट में कटौती का फायदा नहीं दे रहा है, तो बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प के बारे में सोचें।

इंफोसिस ने गिफ्ट सिटी में नया विकास केंद्र खोला

नई दिल्ली। इंफोसिस ने गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक नया विकास केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र वैश्विक बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) ग्राहकों के लिए समाधान विकसित करेगा। इस केंद्र का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने किया और इसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को समायोजित करने की क्षमता है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह एक प्रमुख प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो वैश्विक बीएफएसआई ग्राहकों के लिए उन्नत डिजिटल समाधान देगा। इसमें बताया गया कि केंद्र की सेवाएं डिजिटल बैंकिंग, नियामक मामलों, व्यापार वित्त, पूंजी बाजार, कार्ड और भुगतान, जोखिम और अनुपालन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैली होंगी।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 : नीदरलैंड के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेगी भारतीय टीम

एम्सटलवीन, 08 जून (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में वापसी कर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम को शनिवार को दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले मैच में टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय टीम के हेड कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरा क्वार्टर उतना अच्छा नहीं रहा। चौथे क्वार्टर में हमने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और गेंद पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन हम गोल पर कोई शॉट नहीं लगा पाए। इस तरह हारना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि मुझे लगा था कि हम ड्रॉ के लिए जोर लगा सकते हैं।

टीम के अगले मैच के लिए तैयार होने के साथ, फुल्टन ने अपनी टीम की मानसिकता पर टिप्पणी की और कहा, हम खुद को जितना संभव हो उतना कठिन बनाना चाहते हैं, खासकर नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ। यह करीबी मुकाबला था और हमारे पास मौके थे, इसलिए हमें बस आगे बढ़ते रहना होगा। हमारे पास अभी सात और मैच हैं, इसलिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

उन्होंने कहा, हमें मैच की रिकॉर्डिंग देखनी होगी, खिलाड़ियों से बात करनी होगी। हमने क्या करने की कोशिश की, इस पर उनकी राय लेनी होगी और फिर देखना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह की बात कही और कहा, पिछले मैच ने हमें सुधार के लिए स्पष्ट क्षेत्र दिए और एक इकाई के रूप में, हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। हर कोई वापसी करने और नीदरलैंड जैसे चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस टीम में हर विरोधी को हराने की क्षमता है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम आगे आने वाले महत्वपूर्ण मैचों में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

प्रतियोगिता में अभी सात मैच और खेले जाने हैं और भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। भारत का लक्ष्य बाकी बचे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना और चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अधिकतम अंक हासिल करना होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेना को कट्टरपंथियों...

जुलाई-अगस्त के दौरान, छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए गए थे। वे शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली सरकार से तंग आ चुके थे; वहां बड़े पैमाने पर दमन हो रहा था। विद्रोहियों के लिए सबसे बड़ी उम्मीद वास्तव में हमारी आवाज थी, मेरी आवाज, और हम जो कर सकते थे वह कर पाए। हमने स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया और हमने वास्तव में सेना को चेतावनी दी कि अगर वे प्रदर्शन रोकने की कार्रवाई में शामिल हुए तो उन्हें शांति मिशनों में योगदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस धमकी का परिणामस्वरूप हमने देखा। तुर्क ने कहा, जब मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम प्रशासन के नए मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला, तो उन्होंने मुझसे तुरंत पूछा, क्या आप हमें स्थिति पर प्रकाश डालने और जो कुछ हो रहा था उसकी जांच करने के लिए एक तथ्य-खोज मिशन भेज सकते हैं? हमने यूनुस के कहने के मुताबिक किया और इससे वास्तव में मदद मिली। मैं पिछले साल बांग्लादेश गया था। विद्रोही छात्र हमारे द्वारा स्टैंड लेने, हमारे बोलने और उनका समर्थन करने के लिए बहुत आभारी थे।

विडंबना यह है कि संयुक्त राष्ट्र का अधिकारी तुर्क लंबे समय से जॉर्ज सोरोस का वेतनभोगी है और हिलेरी क्लिंटन और मोहम्मद यूनुस के साथ उसके घनिष्ठ संबंध हैं। जब इस्लामवादियों और जेहादियों ने तख्तापलट की तैयारी में अपने हिंसक विरोध प्रदर्शन तेज कर दिए, तो यूनुस ने फ्रांस में रहते हुए सीधे तुर्क से संपर्क किया और उनसे बांग्लादेश सशस्त्र बलों पर दबाव डालने का आग्रह किया। यूनुस ने तुर्क से सेना को चेतावनी देने के लिए कहा कि किसी भी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप उन्हें संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन से निष्कासित कर दिया जाएगा। जिससे बांग्लादेश प्रमुख वैश्विक भूमिकाओं, प्रतिष्ठा और राजस्व के स्रोतों से वंचित हो जाएगा।

तुर्क की भूमिका का एक और बेहद चिंताजनक पहलू यह था कि उसने तथाकथित तथ्य-खोज मिशन का आयोजन किया था जिसका उद्देश्य अवामी लीग सरकार द्वारा कथित दमन का दस्तावेजीकरण करना था। इससे पहले, तुर्क ने बांग्लादेश का दौरा किया, यूनुस और उसके जेहादी सहयोगियों के साथ गोपनीय बैठकें कीं और बाद में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसका उपयोग अब शासन द्वारा अपने क्रूर दमन और आतंकवादी गतिविधियों को सही ठहराने के लिए किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा जारी 12 फरवरी 2025 की रिपोर्ट का इस्तेमाल यूनुस अपनी ढाल की तरह कर रहा है। उसी रिपोर्ट को आधार बना कर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार को मानवाधिकारों के हनन और मानवता के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधी के रूप में चित्रित करने का षडयंत्र किया जा रहा है। लेकिन मक्कार यूनुस रिपोर्ट के अध्याय 6 को दबाने में भी अपनी पूरी ताकत लगा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का एक खंड तुर्क चाह कर भी हटा नहीं पाया। रिपोर्ट का अध्याय 6 यूनुस शासन की करतूतों के खिलाफ बहुत बड़ा सबूत है। यह अध्याय पढ़ें तो आपको यह समझ में आएगा कि यूनुस शासन इसे स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छिपाने के लिए इतना बेताब क्यों है।

ओएचसीएचआर रिपोर्ट के अध्याय 6 में भीड़ द्वारा हत्याएं करने, पुलिस अधिकारियों की लक्षित हत्याएं करने और इस्लामिस्ट-जेहादी समूहों द्वारा राजनीतिक विरोधियों का सफाया करने का भयावह और प्रामाणिक विवरण है। इसमें बताया गया है कि कैसे इन चरमपंथी ताकतों ने यूनुस के साथ मिलकर राज्य को पंगु बनाने और राजनीतिक अधिग्रहण की योजना बनाने के लिए हिंसक अभियान चलाए। इस अध्याय को दबाकर, अमेरिकी षडयंत्रकारियों ने अपने गुर्गे यूनुस को सत्ता तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया।

सच्चाई को दबाने की यह परेशान करने वाली कोशिश इस व्यापक सवाल को और भी रेखांकित करती है कि अमेरिकी डीप स्टेट के षडयंत्रों में संयुक्त राष्ट्र भी शामिल है जो बांग्लादेश में एक अवैध, कट्टर इस्लामवादी-संचालित शासन की रक्षा और वैधता स्थापित करने में लगा है। वोल्कर तुर्क के खुद के कबूलनामे से यह स्पष्ट हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र ने न केवल गाजा में, बल्कि अब बांग्लादेश में भी आतंकवाद और जेहाद को बढ़ावा देने में सक्रिय और विनाशकारी भूमिका निभाई है। 25 मार्च 2025 को मोहम्मद यूनुस ने टेलीविजन पर दिए राष्ट्रीय संबोधन में खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से उनके शासन को निशाना बनाकर अफवाहों और झूठी सूचनाओं के प्रसार को रोकने में मदद करने का अनुरोध किया था। यूनुस ने कहा, हर कोई जानता है कि अफवाहों के पीछे कौन है और क्यों। हमने इन अफवाहों और झूठी सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र से सहयोग मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमें इससे निपटने में अपने सहयोग का आश्वासन दिया है। यूनुस का यह कथन स्पष्ट रूप से यह साबित करता है कि संयुक्त राष्ट्र एक अवैध शासन को सशक्त बनाने की साजिश में लिप्त है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रहा है और बड़े ही सक्रिय रूप से पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है। अमेरिकी डीप स्टेट और संयुक्त राष्ट्र पोषित यूनुस शासन आतंकवाद का नया निर्यातक और पड़ोसी भारत को निशाना बनाने वाले विद्रोही समूहों को अपने यहां पालने-पोसने और उकसाने वाला पाकिस्तानी पार्टनर साबित हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी वोल्कर तुर्क द्वारा सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किए जाने के बाद कि उन्होंने बांग्लादेश सशस्त्र बलों को इस्लामी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने से रोका था, उस पर और संयुक्त राष्ट्र के उसके सहयोगियों पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का अंतरराष्ट्रीय अदालत में आपराधिक मुकदमा दर्ज होना चाहिए और उस अनुरूप कार्रवाई होनी चाहिए। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्विन लुईस को बांग्लादेश में अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि उसने देश के आंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप किया और मोहम्मद यूनुस और उसके जेहादी-आतंकवादी के नेटवर्क के नेतृत्व वाली इस्लामी फासीवादी सरकार का खुलेआम समर्थन किया।समय आ गया है जब इन षडयंत्रकारियों की असलियत हूबहू दुनिया के समक्ष रखें। कूटनीति और मानवाधिकार की आड़ में संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश में इस्लामी-जेहादी तख्तापलट को वैध बनाने में एक सक्रिय सहयोगी की भूमिका निभाई, इसे पूरी दुनिया को जानना चाहिए। वोल्कर तुर्क, ग्विन लुईस और एंटोनियो गुटेरेस ने आतंक, दमन और राष्ट्रीय हितों के साथ विश्वासघात पर पनपने वाले शासन को सशक्त बनाकर नैतिक और कूटनीतिक आचरण की हर सीमा को पार कर लिया है। इन हस्तियों ने न केवल एक खतरनाक धार्मिक अत्याचार के उदय में सहायता की है, बल्कि 170 मिलियन लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को भी गंभीर झटका दिया है और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के चेहरे पर कालिख पोत दी है। वैश्विक समुदाय को अब इस विश्वासघात और कुचक्र को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। इन षडयंत्रकारियों पर मानवता के खिलाफ अपराधों में सहायता करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियोजन की कार्रवाई होनी चाहिए। अगर बांग्लादेश को अपनी संप्रभुता बचानी है, तो वहां के नागरिकों को दृढ़ संकल्प के साथ उठना होगा और दुनिया को उनके साथ खड़ा होना होगा।

चुनाव को लेकर...

उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति पैनल से हटाने को लेकर भी सवाल खड़े किए। राहुल गांधी यह भूल गए कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हमेशा केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति के द्वारा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इस मामले में सरकार को कानून बनाने का आदेश दिया था। सरकार ने इसके लिए 2023 में चुनाव आयुक्त नियुक्ति अधिनियम बनाया था। इसके लागू होने के बाद 2:1 के पैनल में विपक्ष के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार में विपक्ष की अपेक्षा का भाव नहीं है। इसके बावजूद भी राहुल गांधी द्वारा सवाल उठाया जाना शर्मनाक है। जहां पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में विपक्ष का 1 प्रतिशत भी रोल नहीं था, वहीं अब उनका प्रतिनिधि इस पूरी प्रक्रिया का हिस्सा है। सरकार द्वारा चुनाव आयोग की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश को हटाने का फैसला अनावश्यक न्यायिक बाधाओं को दूर करने और चुनाव प्रक्रिया को गति प्रदान करने के लिए लिया गया है। मतदाताओं की संख्या पर भी बोला झूठः राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस में लिखे लेख में यह बताया कि महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 8.98 करोड़ थी जो 5 साल बाद 2024 लोकसभा चुनाव के लिए बढ़कर 9.29 करोड़ हो गई। उन्होंने प्रश्न उठाए कि 41 लाख की छलांग 5 महीने में कैसे संभव है। इन प्रश्नों का जवाब दर्जनों बार चुनाव आयोग दे चुका है लेकिन फिर भी अगर हम पिछले पाँच लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या के आंकड़ों पर नजर डालें तो इससे यह स्पष्ट होता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी कई बार देखी गई है। वर्ष 2024 में 4.26 प्रतिशत, 2019 में 1.31 प्रतिशत, 2014 में 3.48 प्रतिशत, 2009 में 4.13 और 2004 में 4.69 प्रतिशत (2024 की वृद्धि से भी अधिक) मतदाताओं का अंतर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में देखा गया था।इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी अपनी पार्टी के घटते आधार से खिन्न होकर कुछ भी दावे कर रहे हैं।

मतदान प्रतिशत पर भी दोहराया झूठ पर झूठः राहुल गांधी ने दावा किया कि शाम 5 बजे मतदान प्रतिशत 58.22 प्रतिशत था जो मतदान बंद होने के बाद भी लगातार बढ़ता गया। उन्होंने 76 लाख मतदाताओं के प्रतिशत वृद्धि का भी हवाला दिया। इस मामले में राहुल गांधी चतुराई से एक बात छुपा ले गए। सच्चाई है कि 5 बजे मतदाताओं की नई लाइन लगना बंद होती हैं, लेकिन जितने लोग लाइन में लग चुके होते हैं, उन्हें वोट डालने दिए जाते हैं। कई मामलों में चुनाव आयोग ने वोटिंग का समय भी बढ़ाया है। ऐसे में अंतिम आंकड़े 5 बजे के आंकड़ों से हमेशा ही अलग होंगे। इस मामले पर महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने जवाब देते हुए कहा था कि तय समय के बाद भी मतदान में वृद्धि होना कोई असामान्य बात नहीं है। बल्कि यह प्रक्रियाओं पर आधारित है। महाराष्ट्र के कई शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोग बड़ी संख्या में शाम को मतदान देने आते हैं इसलिए यह कोई असामान्य बात नहीं है। हद तो तब हो गई जब राहुल गांधी ने अपने लेख में यह लिख दिया कि किसी भी मतदान केंद्र पर असामान्य रूप से कोई भी लंबी लाइन, कतार या भीड़भाड़ की रिपोर्ट नहीं मिली है। इसका मतलब राहुल गांधी को यह बात रास नहीं आ रही कि लोग सहजता से आकर मतदान करके जा रहे हैं। स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की अनावश्यक निंदा कर राहुल गांधी घिनौनी राजनीति कर रहे हैं।

लोकसभा-विधानसभा को एक ही तराजू से तौलाः लेख के चौथे चरण में राहुल ने आरोप लगाते हुए यह कहा कि भाजपा 2024 के विधानसभा चुनाव में 149 सीटों पर चुनाव लड़ी, जिसने 132 पर उसे जीत मिली थी। उन्होंने बताया कि पार्टी का स्ट्राइक रेट 89 प्रतिशत रहा जबकि लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट केवल 32 प्रतिशत ही था। राहुल गांधी का यह दावा काफी हास्यास्पद है क्योंकि कुछ समय के अंतर पर छोड़ दीजिए, बल्कि एक ही समय पर राज्य-केंद्र के लिए वोट करने वाला मतदाता अलग-अलग पार्टी को को वोट कर सकता है। इसका सबसे बड़ा उदहारण 2019 के ओड़ीशा और लोकसभा चुनाव हैं। अगर 2019 में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी को ओड़ीशा के लोकसभा चुनाव में 38 प्रतिशत सीट (21 में 8) मिली थी जबकि विधानसभा चुनाव में केवल 15.6 प्रतिशत सीट(147 में से 23) मिली थी। राहुल ने बूथ की चुनिंदा सूची बनाने का भी आरोप लगाया। इस पर चुनाव आयोग उन्हें पहले ही कह चुका है कि वोटर लिस्ट की कॉपी हर चुनाव से पहले अपडेट करके कांग्रेस समेत सभी पार्टी कार्यालयों में भेजी जाती है। ऐसे में सवाल है कि राहुल ने वोटर लिस्ट की कॉपी पर चुनाव से पूर्व ही हंगामा क्यों नहीं किया?

ईवीएम पर संदेह जताने की मौकापरस्त आदत से मजबूरः राहुल गांधी ने अपने लेख के अंतिम चरण में मतदाता सूची, वीडियोग्राफी और सीसीटीवी फुटेज को साझा करने की बात कही। जबकि भारतीय निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पेज पर मतदाताओं की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक रूप से पहले ही उपलब्ध है। राहुल ने चुनाव में धांधली का खेल चलने की आशंका भी व्यक्त की और चुनाव आयोग का भाजपा के साथ मिलीभगत बताया। राहुल गांधी अपने ही देश की एक स्वतंत्र निकाय के ऊपर लगातार उठा रहे अपमानजनक प्रश्नों से बाज नहीं आ रहे।

यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने इस तरह की तथ्यहीन और अपमानजनक बात की है। राहुल इससे पहले भी कई बार चुनाव आयोग और अन्य सरकारी एजेंसियों पर सवाल उठा चुके हैं। समझने वाली बात यह है कि राहुल का यह सवाल कांग्रेस पार्टी के जीतने पर नहीं उठता। जब लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली जो पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले कम थी तब राहुल ने इसे अपनी जीत और भाजपा की हार बताया था। झारखंड के विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठबंधन में लड़ी कांग्रेस ने जीत के बाद चुनाव आयोग पर कोई सवाल नहीं उठाया। दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस चुनाव आयोग के दिए निर्णय पर सवाल उठने से पहले यह भूल जाती है कि ऐसा करके वह न केवल भाजपा बल्कि खुद अपनी पार्टी के हजारों नियुक्त प्रतिनिधियों को भी कटघरे में खड़ा कर रही है।

राहुल गांधी का असत्य ...

राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों की शाम की सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने संबंधी सवाल पर आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव याचिका दाखिल होने पर मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच सक्षम उच्च न्यायालय ही कर सकता है। चुनाव की शुचिता के साथ-साथ मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए निर्वाचन आयोग ऐसा करता है। राहुल गांधी मतदाताओं की गोपनीयता का उल्लंघन क्यों करना चाहते हैं, जिसकी चुनाव कानूनों के अनुसार निर्वाचन आयोग को रक्षा करनी होती है? किसी भी गड़बड़ी से निपटने के लिए गांधी को उच्च न्यायालयों पर भरोसा करना चाहिए। मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाकर गांधी ने वास्तव में अपनी ही पार्टी द्वारा नियुक्त बूथ स्तर के एजेंट और महाराष्ट्र में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त मतदान एवं मतगणना एजेंट पर सवाल उठा दिए हैं।

इससे पहले भी निर्वाचन आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया था और इसे कानून के शासन का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा लगता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

तथ्यों के आधार पर चुनाव आयोग ने कहा, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, लगभग 116 लाख मतदाताओं ने अंतिम दो घंटों में मतदान किया होगा। इसलिए दो घंटों में मतदाताओं की ओर से 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से बहुत कम है।

प्रत्येक मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों की ओर से औपचारिक रूप से नियुक्त एजेंटों के सामने मतदान आगे बढ़ा। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के सामने जांच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई आरोप नहीं लगाया। महाराष्ट्र सहित भारत में मतदाता सूचियां जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार की जाती हैं। कानून के अनुसार या तो चुनावों से ठीक पहले और या हर साल एक बार मतदाता सूचियों का विशेष संशोधन किया जाता है और मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी सहित सभी राष्ट्रीय या राज्य राजनीतिक दलों को सौंप दी जाती है।

महाराष्ट्र चुनावों के दौरान इन मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद 9,77,90,752 मतदाताओं के खिलाफ प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (जिलाधिकारी) के पास सिर्फ 89 अपीलें दायर की गईं और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी (सीईओ) के सिर्फ केवल एक अपील दायर की गई। इसलिए यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आयोजन से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की कोई शिकायत नहीं थी। मतदाता सूची के संशोधन के दौरान 1,00,427 मतदान केंद्रों के लिए निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी की ओर से नियुक्त 97,325 बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों की ओर से 1,03,727 बूथ स्तर के एजेंट भी नियुक्त किए गए, जिनमें 27,099 कांग्रेस की ओर से नियुक्त किए गए। इसलिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ उठाए गए ये निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को दिए अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो ईसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

फिलिस्तीन हमास...

एसआईओ ने एक ऑनलाइन अभियान शुरू किया है, जिसमें मुस्लिमों से ईद के मौके पर टाटा के स्वामित्व वाले ब्रांड जैसे ज़ूडियो और वेस्टसाइड से खरीदारी न करने की अपील की गई। इसके साथ ही संगठन ने ज़ारा, एडिडास, एचएंडएम, टॉमी हिलफिगर, कैल्विन क्लेन, विक्टोरिया सीक्रेट, टॉम फोर्ड, स्केचर्स, प्राडा, डायर और शनेल जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के बहिष्कार करने की अपील की। इसके पीछे भी इनका इजराइली संबंध कारण बताया गया।

एसआईओ ने टाटा समूह पर आरोप लगाया है कि वह इजराइल के साथ व्यापारिक संबंधों के जरिए गाजा में नरसंहार को बढ़ावा दे रहा है। एसआईओ कालीकट के अध्यक्ष मोहम्मद शफाक का दावा है कि टाटा समूह इजराइल को बख्तरबंद लैंड रोवर गाड़ियां देता है, जिनका इस्तेमाल न केवल गाजा में बल्कि कश्मीर के कब्जे वाले क्षेत्रों में भी गश्त के लिए किया जाता है। शफाक ने यह भी आरोप लगाया कि टाटा की फैक्ट्रियों में बनी मिसाइलें गाजा में इजराइल द्वारा इस्तेमाल की जा रही हैं, जो एक भारतीय ब्रांड के लिए बेहद चिंताजनक है। उसने कहा कि एसआईओ अन्याय के खिलाफ सीमाओं की परवाह किए बिना खड़ा रहता है, चाहे वह गाजा हो या अमेरिका के गोरे समुदाय के लोग ।

विचित्र किंतु सत्य यह है कि एसआईओ ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में की गई 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या या भारत विरोधी तुर्की के खिलाफ कोई बहिष्कार अभियान अभी तक नहीं चलाया। टाटा और अन्य ब्रांडों के खिलाफ यह राष्ट्रव्यापी बहिष्कार अभियान इजराइल के खिलाफ शुरू किए गए बीडीएस (बॉयकॉट, डिसइन्वेस्टमेंट और सैंक्शन) आंदोलन से प्रेरित बताया जा रहा है। यह आंदोलन यहूदी विरोधी माना जाता है।

मुस्लिम ब्रदरहुड, जमात और अन्य इस्लामी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा बीडीएस आंदोलन इजराइल के खिलाफ एक्शन की वकालत करता है। इसके तहत इजरायली उत्पादों का बहिष्कार, निवेश की वापसी और आर्थिक एवं राजनीतिक प्रतिबंध शामिल हैं। इस आंदोलन की स्थापना 2005 में कतर में जन्मे फिलिस्तीनी कार्यकर्ता उमर बरगौटी ने की थी और इसमें 100 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें आतंकवादी संगठन अल-हक (जो मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़ा है) और पीएलएफपी शामिल हैं। 2009 में ब्रसेल्स में इस आंदोलन के तहत फिलिस्तीन पर रसेल ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य इजराइल के खिलाफ वैश्विक एजेंडा चलाना था। जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन ने अल-हक को 2009 में 2 लाख डॉलर (लगभग 1.70 करोड़) और 2016 से 2020 के बीच 2 मिलियन डॉलर (लगभग 18 करोड़) की फंडिंग दी थी।

2021 में बीडीएस आंदोलन भारत तक तब पहुंचा जब मुस्लिम ब्रदरहुड, कतर, अल-जजीरा, तुर्की और पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे के बहाने भारत के खिलाफ अभियान शुरू किया। इसके तहत इजराइल के खिलाफ स्थापित रसेल ट्रिब्यूनल की तर्ज पर बोस्निया में कश्मीर के लिए रसेल ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई। इसका पहला सत्र दिसंबर 2021 में सेराजेवो और हर्जेगोविना में हुआ। इसका आयोजन भारत विरोधी इस्लामी कट्टरपंथी संगठन कश्मीर सिविटास ट्रिब्यूनल, वर्ल्ड कश्मीर अवेयरनेस फोरम, इटली के परमानेंट पीपुल्स ट्रिब्यूनल और नाहला (सेंटर फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च) एवं जाबिर बाल्कन के सहयोग से किया था।

इसके बाद मार्च 2022 में कश्मीर सिविटास ने एक 32 पेज का टूलकिट भी जारी किया इसमें भारत के खेल, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थानों के बहिष्कार, कंपनियों पर भारत से निवेश वापस लेने और व्यापारिक संबंध खत्म करने का दबाव बनाने, भारत पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने और सैन्य समझौतों को समाप्त करने जैसी अपील शामिल थीं। अगस्त 2019 में मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद एएमपी नाम के इस्लामी संगठन ने इस पर प्रलाप किया और इसके संस्थापक हेटम बाजियन को बाद में कश्मीर के लिए रसेल ट्रिब्यूनल में जज नियुक्त किया गया। एएमपी को पाकिस्तान समर्थित संगठनों स्टैंड विद कश्मीर और साउंड विजन से समर्थन प्राप्त है। यह संगठन जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान से कनेक्शन रखते हैं। टाटा समूह और अन्य भारतीय ब्रांडों के खिलाफ इस्लामी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा बहिष्कार अभियान, इजराइल विरोधी रणनीति की हूबहू नकल है। हालांकि, इन्हें आम जनता की कोई भी सहानुभूति हासिल नहीं है।

बिहार की सभी...

हुए उन्होंने यह ऐलान किया। चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी तरह से एनडीए से अलग नहीं है, बल्कि उनका लक्ष्य गठबंधन को और अधिक मजबूती देना है। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी और मैं बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे ताकि एनडीए को मजबूती मिले और हम एकजुट होकर विजय की ओर बढ़ें। उन्होंने यह भी दोहराया कि लोजपा (रामविलास) हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास रखती है। भोजपुर की सभा में चिराग पासवान ने जंगलराज को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा, जब हम जंगलराज की बात करते हैं, तो लोग इसे केवल राजद से जोड़कर देखते हैं। लेकिन सच यह है कि इसके लिए कांग्रेस भी बराबर की जिम्मेदार है। बिहार के उस दौर में दोनों दल सत्ता में साझेदार रहे और राज्य को अराजकता की ओर धकेला। चिराग पासवान ने एनडीए सरकार द्वारा सामाजिक न्याय के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न दिए जाने को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने जीवनभर पिछड़ों, वंचितों और गरीबों के अधिकार के लिए संघर्ष किया, उसे सम्मान देने का काम हमारी सरकार ने किया है। यह फैसला हमारे सामाजिक समरसता के संकल्प का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भोजपुर के आरा में लंबे समय के बाद एक बड़ी सभा को संबोधित किया। चिराग ने विधानसभा चुनाव को लेकर लग रही तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए कह दिया कि वे बिहार से नहीं, बल्कि बिहार के लिए विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। इस सभा में हजारों की संख्या में भोजपुर समेत कई जिलों से कार्यकर्ता और समर्थक आरा पहुंचे थे।

लोजपा (रामविलास) द्वारा विधानसभा चुनाव की तैयारी की घोषणा अनौपचारिक रूप से कर दी गई है। नवसंकल्प महासभा के नाम चिराग पासवान ने सभा को संबोधित किया। आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में यह कार्यक्रम हुआ। जहां चिराग पासवान के साथ पार्टी के सभी पांच सासंद, प्रदेश अध्यक्ष, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष मौजूद रहे। चिराग पासवान की सभा में भोजपुर, कैमूर, रोहतास, बक्सर और पटना के अलावा कई जिलों से लगभग 20 से 30 हजार लोग शामिल हुए। मंच पर आते ही चिराग पासवान ने माइक थाम लिया और कांग्रेस-राजद की सरकार की नाकामी से अपने भाषण की शुरुआत की। साथ ही चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव को ले कर भी बड़ी घोषणा कर दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि काफी लोग प्रश्न कर रहे थे कि चिराग विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे या नहीं? इसका जवाब मैं दे दूं कि विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बिहार से नहीं बल्कि बिहार के लोगों के लिए और बिहार के लिए चुनाव लड़ेंगे।

वनवासी महिलाओं से...

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कहा है, आपने जनजातियों को अबुआ सरकार (अपनी सरकार) के सपने दिखाए थे। अब कम से कम उन्हें अपनी वोट बैंक की राजनीति का शिकार न बनाएं। बाबूलाल मरांडी ने सोरेन से तुरंत इस मामले पर ध्यान देने और गलत काम करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की, ताकि ऐसी शर्मनाक घटनाएं दोबारा न हों और जनजातीय समाज की बेटियां अपने ही गांव में सुरक्षित महसूस कर सकें। बाबूलाल मरांडी ने सरना पंथ के त्योहार सरहुल के दौरान हुई एक और घटना का भी जिक्र किया। 1 अप्रैल को रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में सरहुल शोभायात्रा पर इस्लामी हमला हुआ था, जिसमें 8 लोग घायल हो गए थे। घटना के पीछे का कारण सड़कों पर बिजली की लड़ियां और सरना झंडे को लेकर हुआ विवाद बताया गया था।

बाबूलाल मरांडी ने इस घटना के पीछे सरकार को दोषी ठहराया था। बाबूलाल ने कहा था कि हेमंत सोरेन की सरकार में एक समुदाय विशेष को ज्यादा संरक्षण मिल रहा है, जिस कारण उनका दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने यह भी आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन न तो सरना स्थलों की रक्षा कर पा रहे हैं, और न ही सरहुल त्यौहार की सुरक्षा सुनिश्चित कर पा रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या पर भी गहरी चिंता जताई है। बाबूलाल ने घाटशिला के एक स्कूल में बच्चों को बांग्लादेश और पाकिस्तान का राष्ट्रगान याद करने का होमवर्क दिए जाने की घटना का हवाला दिया। मरांडी ने इसे झारखंड की जनजातीय मूलवासी पहचान को मिटाने का खतरनाक प्रयोग करार दिया और राज्य को मिनी बांग्लादेश बनाने की साजिश का आरोप लगाया।

बाबूलाल मरांडी ने एनआईए से इस मामले की जांच करने का अनुरोध किया है। क्योंकि मरांडी का मानना है कि वर्तमान राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी कागजात बनाने में मदद करती है। झारखंड हाईकोर्ट ने भी हाल ही में इस समस्या पर चिंता व्यक्त की है और बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर उनके प्रत्यर्पण के लिए एक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ का सबसे ज्यादा खामियाजा जनजातीय समाज को भुगतना पड़ता है, जहां अवैध मदरसे उग रहे हैं और जनजातीय लड़कियों को फंसाकर शादी की जा रही है, जिसका उपयोग बाद में ड्रग्स जैसे अवैध धंधों और सरकारी लाभों के लिए किया जा रहा है।

देश में कोरोना...

मामले मिल चुके हैं। पिछले 24 घंटे में हुई मौतों की बात करें तो केरल में तीन कोरोना संक्रमितों ने दम तोड़ दिया। एक की उम्र 51 साल, दूसरे की 64 और तीसरे की उम्र 92 साल बताई गई। तीनों ही पुरुष थे और तीनों को पहले से कई बीमारियां थीं। ऐसे ही कर्नाटक में भी दो कोरोना संक्रमितों की मौत हुई। जान गंवाने वाले दोनों पुरुषों की उम्र 51 और 78 साल थी। ये दोनों भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से ग्रसित थे। इसके अलावा एक 42 साल के पुरुष कोरोना संक्रमित की मौत तमिलनाडु में हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 48 घंटों में 769 नए संक्रमणों के साथ भारत के सक्रिय कोविड मामले 6,000 के आंकड़े को पार कर गए हैं। बढ़ते कोविड मामलों की वजह से केंद्र सरकार सुविधा-स्तर की तैयारियों की जांच करने के लिए मॉक ड्रिल करा रहा है। सभी राज्यों को ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि भारत में 6,133 सक्रिय कोविड मामले हैं। पिछले 24 घंटों में छह और मौतें हुई हैं। अधिकांश मामले हल्के हैं और घरेलू देखभाल में ही आइसोलेशन के साथ ठीक कर लिए जा रहे हैं। इस साल जनवरी से अब तक देश में 65 मौतें हुई हैं। 22 मई को देश में कुल 257 सक्रिय मरीज थे। इससे पहले 2 और 3 जून को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, आपातकालीन प्रबंधन प्रतिक्रिया (ईएमआर) प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), दिल्ली में केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ मौजूदा कोरोना स्थिति और तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए तकनीकी समीक्षा बैठकों की एक सीरीज आयोजित की गई थी।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत राज्य और जिला निगरानी इकाइयां इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी भर्ती एसएआरआई मामलों और 5 प्रतिशत आईएलआई मामलों के लिए परीक्षण की सिफारिश की जाती है। पॉजिटिव एसएआरआई नमूनों को आईसीएमआर वीआरडीएल नेटवर्क के माध्यम से संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जाता है।

योगिनी एकादशी पर करें ये शुभ दान, मिलेगा मनचाहा फल!

योगिनी एकादशी का व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। यह व्रत आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है और मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन दान करने का भी बड़ा महत्व बताया है।

योगिनी एकादशी पर करें ये दान

योगिनी एकादशी का व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। यह व्रत आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है और मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन दान करने का भी बड़ा महत्व बताया है, आइए जानते हैं कि इस तिथि पर क्या दान करना शुभ माना जाता है?

योगिनी एकादशी पर करें ये दान

अन्न दान – इस दिन अन्न का दान करना सबसे शुभ माना जाता है। ऐसे में इस तिथि पर गरीबों को चावल, गेहूं, दाल आदि का दान करें। ऐसा करने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा मिलती है।

वस्त्र दान – इस दिन पीले रंग के वस्त्रों का दान करना बहुत फलदायी होता है। यह रंग भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। कहते हैं कि इससे घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

जल दान – गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना महादान माना जाता है। इसके साथ ही पानी के लिए बर्तनों का दान भी कर सकते हैं। इससे मानसिक शांति मिलती है और धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं।

धन दान – इस दिन अपनी क्षमता के अनुसार धन का दान भी करना चाहिए। कहा जाता है कि इससे दान पूरा होता है। इसके साथ ही दान का फल कई गुना बढ़ जाता है।

गाय को चारा खिलाएं – अगर हो पाए तो इस तिथि पर गाय को हरा चारा खिलाएं या गौशाला में दान करें। हिंदू धर्म में गौ सेवा को सबसे ऊपर रखा गया है। इससे मां लक्ष्मी खुश होती हैं। इसके साथ ही सभी कष्टों का अंत होता है।

दीप दान – इस दिन मंदिर में दीपक जलाने के लिए तेल या घी का दान करें। इससे घर की दरिद्रता दूर होती है। इसके साथ ही इस मौके पर मंदिर में दीपक जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इससे सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

पांचवे बड़े मंगल पर करें कर्ज मुक्ति और मंगल दोष शांति के अचूक उपाय

ज्येष्ठ महीने के मंगलवार का बहुत ज्यादा महत्व है। यह बजरंगबली की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित हैं। इस दिन हनुमान जी की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने का पांचवां बड़ा मंगल 10 जून 2025 को पड़ेगा। यह दिन उन लोगों के लिए बहुत खास है, जो कर्ज से छुटकारा पाना चाहते हैं या कुंडली से मंगल दोष के प्रभावों को कम करना चाहते हैं।

कर्ज मुक्ति के उपाय

सुंदरकांड का पाठ – पांचवे बड़े मंगल पर सुंदरकांड का पाठ करें। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमान जी जल्द ही खुश होते हैं और आर्थिक संकटों को दूर करते हैं। इसके साथ ही मनचाहा फल देते हैं।

मंगलवार का व्रत – बड़े मंगल पर व्रत रखने के साथ मंगलवार का व्रत शुरू कर दें। इस उपवास को करने से कर्ज मुक्ति और आर्थिक मुश्किलें दूर होती हैं। इसके साथ ही घर में सुख-शांति का वास होता है।

ऋणमोचक मंगल स्तोत्र – ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का नियमित पाठ करने से कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलता है। वहीं, बड़े मंगल के दिन इस स्तोत्र का पाठ विशेष रूप से फलदायी माना गया है।

करें ये काम – पांचवे बड़े मंगल के दिन पीपल के पत्तों पर 'राम' नाम लाल चंदन से 11 या 21 बार लिखें। फिर उन्हें हनुमान जी के मंदिर में अर्पित करें। इससे आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं।

मंगल दोष कम करने के उपाय

सिंदूर चढ़ाएं – बड़े मंगल के दिन हनुमान जी को चमेली के तेल के साथ सिंदूर और चोला चढ़ाएं। इस उपाय को करने से मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

मंगल यंत्र की स्थापना – अगर आपकी कुंडली में मंगल दोष है, तो इस दिन घर में मंगल यंत्र की स्थापना करें और उसकी नियमित पूजा करें।

लाल मूंगा धारण करना – किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह पर इस दिन लाल मूंगा रत्न धारण करना भी मंगल दोष के प्रभाव को कम करने में मदद करता है।

पति-पत्नी की फोटो घर की किस दिशा में लगाएं, इन नियमों का ध्यान रखने से रिश्ते में बढ़ेगी मिठास

घर में वास्तुशास्त्र के नियमों का ख्याल रखने से हमारे जीवन पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर घर का निर्माण कराते समय और घर के अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग वस्तुओं को रखते समय वास्तु के नियमों का ख्याल रखा जाए, तो इससे पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। हिंदू धर्म में वास्तुशास्त्र का खास महत्व होता है, जिसमें घर के अंदर तस्वीरों को लगाने के लिए भी शुभ स्थान और दिशाएं बताई गई हैं। मान्यता है कि पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए भी वास्तु के नियमों का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे में अगर आप घर में अपनी और जीवनसाथी की तस्वीर लगाते हैं, तो पहले सही दिशा और वास्तु के कुछ महत्वपूर्ण नियमों का ख्याल जरूर रखें।

इस दिशा में भूलकर भी न लगाएं पति-पत्नी की तस्वीर

शादी के बाद अक्सर पति-पत्नी अपनी तस्वीरों को घर के अलग-अलग स्थान पर लगाते हैं। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार, कुछ स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर को लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा करने से आपके वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं। मान्यता है कि घर में कभी भी पति-पत्नी की तस्वीर को दक्षिण दिशा की ओर नहीं लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार, यह दिशा यमराज और पितरों की मानी जाती है। ऐसे में दक्षिण दिशा की तरफ गलती से भी पति-पत्नी की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। इससे आप दोनों को एक के बाद एक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पति-पत्नी की तस्वीर लगाने की सही दिशा

वास्तुशास्त्र के मुताबिक, पति-पत्नी की तस्वीर सही दिशा में लगाने से दोनों के बीच का रिश्ता सदैव मजबूत बना रहता है और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। मान्यता है कि कपल की फोटो को हमेशा घर में नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम में लगाना चाहिए। इस कोने में पति-पत्नी की तस्वीर लगाना सबसे उत्तम माना गया है। ऐसा करने से जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। नैऋत्य कोण के अलावा आप पति-पत्नी की तस्वीर को उत्तर दिशा की ओर भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से दोनों के रिश्ते में मिठास आती है और तालमेल बना रहता है।

इन स्थानों पर कभी न लगाएं कपल फोटो

पति-पत्नी की तस्वीर घर में लगाने से पहले दिशा के साथ-साथ कुछ विशेष स्थानों का भी ख्याल रखना जरूरी होता है। वास्तु शास्त्र में घर की कुछ जगहों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाना अशुभ माना गया है। कहा जाता है कि कभी भी कपल फोटो को अपने बेड के ठीक सामने नहीं लगाना चाहिए। साथ ही, पति-पत्नी की तस्वीर को मंदिर में, टॉयलेट और बाथरूम के सामने लगाने से भी बचना चाहिए। इन स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाने से वैवाहिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, यह गृह क्लेश का कारण भी बन सकता है। ऐसे में कपल फोटो लगाते समय इन बातों का ख्याल जरूर रखें।

घर की इन जगहों पर लगाएं पति-पत्नी की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कुछ स्थानों पर पति-पत्नी की तस्वीर लगाने से वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं दूर हो सकती हैं। माना जाता है कि पति-पत्नी की तस्वीर को अपने बेडरूम में बिस्तर के पीछे वाली दीवार पर लगाना चाहिए। ऐसा करने से दोनों के रिश्ते में मधुरता आती है और पति-पत्नी के बीच का प्रेम बढ़ेगा। इसके अलावा, आप ड्राइंग रूम में भी सही दिशा में पति-पत्नी की तस्वीर लगा सकते हैं।

एक साथ कई तस्वीरें न लगाएं

कई लोग अक्सर अपनी बहुत सारी तस्वीरें एक साथ लगा लेते हैं। ऐसा करना सही नहीं माना जाता है। इससे घर में समस्याएं आ सकती हैं। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, अपने ड्राइंग रूम या बेडरूम में हमेशा एक से दो कपल फोटो लगानी चाहिए। साथ ही, ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें दोनों खुश नजर आ रहे हों। इस प्रकार घर में कपल फोटो लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, फोटो लगाते समय इस बात का ख्याल भी रखें कि उसका फ्रेम टूटा-फूटा या उड़े हुए रंग का न हो। ऐसी तस्वीर लगाने से घर में नकारात्मकता आ सकती है।

तस्वीर लगाते समय इस विशेष बात का रखें ख्याल

अपने बेडरूम या ड्राइंग रूम में पति-पत्नी की तस्वीर लगाते समय इस बात का विशेष ख्याल रखें कि उसके साथ कोई नकारात्मक दृश्य वाली फोटो न लगी हो। साथ ही, वास्तु के अनुसार, परिवार की फोटो के साथ अपने पूर्वजों या किसी ऐसे व्यक्ति की तस्वीर भी नहीं लगानी चाहिए जो अब इस दुनिया में न हों। कपल फोटो के साथ ऐसी तस्वीर लगाने से आपके वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और पति-पत्नी के बीच मनमुटाव बढ़ सकता है। साथ ही, पति-पत्नी की तस्वीर को रसोई घर में या आसपास लगाने से भी बचना चाहिए।

कितने साल तक चलती है बुध की अंतर्दशा और कैसे करें व्यापार के दाता को प्रसन्न?

ज्योतिष शास्त्र में बुध देव को व्यापार का दाता कहा जाता है। बुध देव मिथुन और कन्या राशि के स्वामी हैं। वहीं, कन्या राशि के जातकों को बुध देव हमेशा शुभ फल देते हैं। बुध देव की कृपा से जातक मधुरभाषी होता है। वहीं, कारोबार से जुड़े लोग अपने जीवन में खूब तरक्की और उन्नति करते हैं।

भगवान गणेश की पूजा करने से बुध देव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए ज्योतिष बुधवार के दिन भगवान गणेश और बुध देव की पूजा करने की सलाह देते हैं। कुंडली में बुध मजबूत होना शुभ माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि बुध की अंतर्दशा कितने साल तक चलती है और कैसे व्यापार के दाता को प्रसन्न करें?

बुध की अंतर्दशा

ज्योतिषियों की मानें तो बुध की अंतर्दशा दो साल चार महीने तक चलती है। बुध की महादशा के दौरान सबसे पहले बुध की अंतर्दशा चलती है। इसके साथ ही बुध की प्रत्यंतर दशा चलती है। इसके बाद शुभ और अशुभ ग्रहों की अंतर्दशा और प्रत्यंतर दशा चलती है। इसके बाद केतु की अंतर्दशा चलती है। केतु की अंतर्दशा लगभग एक साल तक चलती है। फिर, शुक्र की अंतर्दशा रहती है। बुध की महादशा में जातक को कारोबार में सफलता मिलती है। वहीं, अशुभ और शत्रु ग्रहों की अंतर्दशा में जातक को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बुध देव को कैसे प्रसन्न करें?

बुध देव को प्रसन्न करने के लिए बुधवार के दिन भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा के समय भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें। जातक विषम संख्या में दूर्वा अर्पित कर सकते हैं। इसके साथ ही भगवान गणेश को मोदक प्रसाद में भेंट करें। पूजा के बाद साबुत मूंग और हरी सब्जियों का दान करें। इसके साथ ही गौ माता को हरा चारा खिलाएं।

गणेश मंत्र

ऊँ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा ।।

ऊँ एकदन्ताय विहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ।।

ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ।।

अपराजिता का पौधा लगाने के विशेष नियम और दिशा घर में लगाने से सुख-समृद्धि आती है!

अपराजिता के फूल का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। यह खूबसूरत दिखने के साथ-साथ बेहद पवित्र भी होता है, जिसे शास्त्रों में देवी दुर्गा का अवतार माना गया है। मान्यताओं के अनुसार, अपराजिता के फूल पूजा के दौरान इस्तेमाल करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इन्हें देवी लक्ष्मी, विष्णुजी और शनिदेव की पूजा में शामिल करना बहुत लाभकारी माना गया है। ऐसे में इस चमत्कारी फूल के पौधे को घर में लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। लेकिन वास्तुशास्त्र में अपराजिता का पौधा लगाने के कुछ विशेष नियम और दिशा बताई गई है। अगर इनका ध्यान रखते हुए आप इस पवित्र पौधे को अपने घर में लगाते हैं, तो इससे त्रिदेव और देवियों की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि आती है।

अपराजिता का पौधा घर में लगाने का सही दिन

वास्तुशास्त्र में अपराजिता के पौधे को घर में लगाने की सही दिशा के साथ-साथ सही दिन भी बताया गया है। अगर आप शुभ दिनों पर इस पौधे को घर में लगाते हैं, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अपराजिता के पौधे को घर में गुरुवार या शुक्रवार के दिन लगाना सबसे शुभ होता है। बता दें कि विष्णुजी को अपराजिता के फूल बेहद प्रिय है और हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन अपराजिता का पौधा घर में लगाना अच्छा होता है। इसी तरह शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है और उनकी पूजा में भी इस फूल का प्रयोग करने का खास महत्व है। ऐसे में इस दो दिनों पर घर में अपराजिता का पौधा लगाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

इस दिशा में लगाएं अपराजिता का पौधा

घर में वास्तु के अनुसार अपराजिता का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में इस पवित्र पौधे को सही दिशा में रखना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, अपराजिता के पौधे को घर में हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में अपराजिता का पौधा लगाने से घर से नकारात्मकता दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे घर का माहौल शांतिपूर्ण और खुशनुमा बना रहता है। लेकिन अपराजिता के पौधे को भूलकर भी दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपको अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और घर से सुख-शांति जाने लगती है।

अपराजिता का पौधा लगाने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप घर में शुभता के आगमन के लिए अपराजिता का पौधा लगाने का विचार कर रहे हैं, तो दिशा और दिन के साथ-साथ कुछ जरूरी नियमों का ख्याल रखना भी जरूरी माना गया है। वास्तु के अनुसार अपराजिता के पौधे को कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं रखना चाहिए, जहां साफ-सफाई न रहती हो। गंदगी वाली जगह पर इस पवित्र पौधे को रखने से परिवार के सदस्यों की तरक्की पर बुरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही, सही दिशा में अपराजिता का पौधा रखने के साथ-साथ उस जगह की साफ-सफाई का भी खास ख्याल रखना चाहिए और नियमित रूप से पौधे में जल भी अर्पित जरूर करें। इसके अलावा, घर में लगे अपराजिता के पौधे को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए। इससे घर में नकारात्मकता छा सकती है। ऐसे में अगर आपके घर में सूखा हुआ अपराजिता का पौधा रखा है, तो उसे तुरंत वहां से हटा दें। यह आपके जीवन में बाधाओं का कारण भी बन सकता है।.

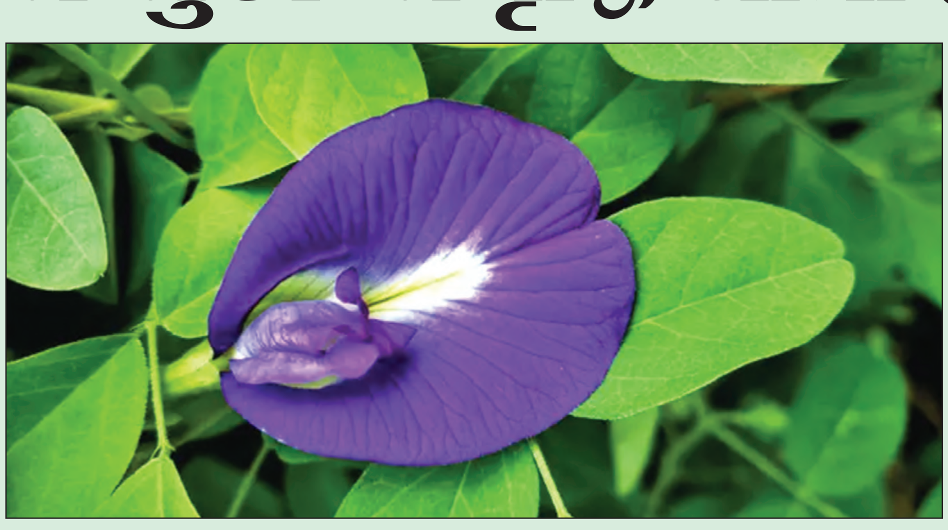

इन देवी-देवताओं की पूजा में प्रयोग करें अपराजिता के फूल

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान अपराजिता के फूलों का प्रयोग करने का खास महत्व बताया गया है। ऐसे में आप इस पौधे में आए फूलों को देवी-देवताओं की पूजा में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु, शनिदेव, शिवजी, माता लक्ष्मी और मां दुर्गा की पूजा में इन फलों को अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी निजात मिल सकती है। साथ ही, सप्ताह के दिन का ख्याल रखकर इन फूलों को पूजा में प्रयोग करते हैं, तो इससे जीवन में खुशियां बनी रहती हैं।

अपराजिता का पौधा घर में लगाने के चमत्कारी लाभ

माना जाता है कि घर में सही दिशा में अपराजिता का पौधा लगाने से घर में चल रही पैसों की तंगी दूर हो सकती है और धन लाभ के योग बनने लगते हैं। इस पवित्र पौधे को घर में लगाने से आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है।

मान्यता है कि घर में अपराजिता का पौधा लगाने से परिवार के सदस्यों पर धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। ऐसे में जीवन में आने वाली बाधाओं से भी आपको मुक्ति मिल सकती है।

अगर आप नियमों का ख्याल रखते हुए घर में अपराजिता का पौधा लगाते हैं, तो इससे गृह क्लेश दूर होता है और घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही, इस पौधे को घर में लगाने से परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है।

माना जाता है कि घर में अपराजिता का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, इस पवित्र पौधे को लगाने से परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की हासिल होती है।

बॉलीवुड की वो हसीन अदाकारा, जिन्होंने बड़े पर्दे पर विलेन बनकर चलाया अपना जादू

फिल्मों की कहानी कितनी भी खास क्यों न हो, लेकिन विलेन के बिना वो अधूरा ही लगता है। हालांकि, एक्टर्स ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभा के काफी मारपीट की है, लेकिन जब एक्ट्रेस विलेन के तौर पर सामने आई, तो उन्होंने लोगों के बीच काफी तारीफें बटोरी।

फिल्मों में अक्सर किरदारों से ही कहानी में जान डाली जाती है। अगर कोई कहानी कितनी भी खास है, लेकिन उसके किरदार परफेक्ट न हो तो वो पूरी फिल्म बेकार हो जाती है। इनमें हीरो से भी ज्यादा विलेन का किरदार मायने रखता है।

बॉलीवुड की फिल्मों में वैसे भी विलेन लीड हीरो–हीरोइन से ज्यादा पसंद किए जाते हैं। हालांकि, एक्टर्स के तौर पर तो विलेन बनकर कई लोगों ने दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन कुछ एक्ट्रेसेस भी ऐसी हैं, जिन्होंने नेगेटिव रोल में काफी तारीफ हासिल की है। इनमें सबसे पहले नाम जानेंगे अरुणा ईरानी का। अरुणा ने नेगेटिव और पॉजिटिव रोल दोनों ही किया है, लेकिन ज्यादातर लोगों ने उन्हें विलेन के तौर पर ही पसंद किया है। वो बेटा जैसी कई कमाल की फिल्मों में विलेन के तौर पर दिखी हैं।

हेमा मालिनी की फिल्म सीता और गीता किसे नहीं याद होगी। इस फिल्म में उन पर जुल्म ढाने वाली एक्ट्रेस मनोरमा को लोगों ने उनके किरदार में बहुत पसंद किया था। मनोरमा अपने कमाल के एक्सप्रेशन्स के लिए भी जानी जाती थीं। ललिता पवार ये नाम सुनते ही लोगों को लालची सास, सौतेली मां जैसी कोई औरत नजर आने लगती है। दरअसल, वैंप के मामले में ललिता पवार ने अच्छे अच्छों को टक्कर दी है। उन्होंने रामायण में मंथरा का रोल भी निभाया था।

70 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस शशिकला ने भी विलेन के तौर पर लोगों के सामने आकर काफी तारीफें बटोरी हैं। उन्होंने करीब 100 फिल्मों में काम किया है। सुजाता, गुमराह, राहगीर जैसी और भी फिल्मों में उनके नेगेटिव किरदार को काफी पसंद किया गया है।

बिंदु का नाम तो फिल्मी दुनिया में काफी पॉपुलर है। उन्होंने सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी अपने किरदार मोना डार्लिंग के जरिए बटोरे थे। 70 और 80 के दशक में बिंदु कई फिल्मों में विलेन के तौर पर नजर आई हैं, जिन्हें लोगों ने पसंद किया है।

प्यार कभी नहीं बदलता, इसी बात का सबूत है कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल : रानी मुखर्जी

मशहूर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी हाल ही में कम फॉल इन लव– द डीडीएलजे म्यूजिकल' के प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने बताया कि इसमें प्यार और रिश्तों की कहानी बेहद खास है, जिसके चलते इसे लोग आज भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस म्यूजिकल का निर्देशन उनके पति आदित्य चोपड़ा ने किया है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि इस म्यूजिकल की कहानी इतनी खास इसलिए है क्योंकि इसमें प्यार की ताकत को बेहतरीन अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, प्यार हमेशा एक जैसा रहता है। यही बात इस म्यूजिकल में बहुत खूबसूरती से दिखाई गई है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से जुड़ी हो, लेकिन इसे देखकर ऐसा नहीं लगता जैसे यह कोई पुरानी कहानी है।

रानी मुखर्जी ने बताया कि फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की कहानी में जो प्यार दिखाया गया है, उसकी शुरुआत असल में आदित्य चोपड़ा ने पहले एक अलग कहानी से की थी। उस पहले कॉन्सेप्ट में जोड़ी रॉजर और सिमरन की थी। बाद में यह कहानी बदलकर राज और सिमरन की जोड़ी बन गई। लेकिन अब, आदित्य चोपड़ा ने उसी कॉन्सेप्ट पर काम किया है।

रानी मुखर्जी ने कहा, बहुत कुछ बदल सकता है, सब कुछ बदल सकता है, लेकिन प्यार समय की कसौटी पर हमेशा खरा उतरता है। 'कम फॉल इन लव' (सीआईएफएल) इसी बात का सबूत है। जब आप इसे आज देखते हैं, तो आपको ऐसा नहीं लगता कि यह कहानी 30 साल पुरानी है। रॉजर और सिमरन की कहानी आदित्य चोपड़ा की असली कहानी थी, जो बाद में बदलकर राज और सिमरन की कहानी बन गई। और अब 30 साल बाद, उन्होंने अपनी उस पहली कहानी रॉजर और सिमरन को वापस लेकर आए हैं।

आदित्य चोपड़ा की 'कम फॉल इन लव– द डीडीएलजे म्यूजिकल' का मैनचेस्टर ओपेरा हाउस में मंचन हो रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) से प्रेरित है, जो भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी चलने वाली फिल्म है। यह म्यूजिकल अंग्रेजी भाषा में है। इसे भारत और यूके के बीच सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करने वाले एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

फिल्म 'डीडीएलजे' 1995 से ही मुंबई में लगातार चलती आ रही है और यह भारतीय फिल्म संस्कृति का एक खास हिस्सा बन चुकी है। अब इस फिल्म को एक म्यूजिकल के रूप में दुनिया भर के दर्शकों के सामने पेश किया गया है। इस म्यूजिकल में 18 नए गाने अंग्रेजी में बनाए गए हैं। इसमें मैनचेस्टर और नॉर्थवेस्ट से जुड़े ब्रिटिश नए कलाकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने दक्षिण एशियाई कलाकार भी शामिल हैं।

खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं : मनीषा कोइराला

कैंसर से जंग जीत चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने प्रशंसकों को प्रेरित करते हुए कहा है कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिम की तीन तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ एथलीजर पहने नजर आईं। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए शरीर, मन और आत्मा की देखभाल को प्राथमिकता देने की बात कही।

शेयर की गई तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, शायद मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से अपनी सेहत और खुशी के लिए समर्पित हूं, मैंने ध्यान देना शुरू कर दिया है।

मनीषा ने जीवन में उन्हें फिटनेस और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिए के लिए प्रेरित करने वाली दोस्त नमग्याल सिंह का आभार जताते हुए कहा, जीवन में ऐसी बेहतरीन दोस्त को पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करती है। वह न केवल सिनेमा में बल्कि हर जगह में भी हैं। मेरी दोस्त की ताकत और मुस्कान मुझे सिखाती है कि मुश्किल वक्त को भी हिम्मत से पार किया जा सकता है। 1991 में फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मनीषा 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। '1942: ए लव स्टोरी', 'दिल से', 'खामोशी: द म्यूजिकल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें खूब शोहरत दिलाई। मनीषा हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आई थीं।

साल 2012 में मनीषा को डिम्बग्रंथि कैंसर का पता चला था, जिससे वह एक साल के इलाज के बाद 2014 तक पूरी तरह ठीक हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'डियर माया' (2017) जैसी फिल्मों से वापसी की। उनकी यह प्रेरणादायक कहानी और सेहत के प्रति समर्पण हर उम्र के लोगों के लिए एक मिसाल है।

इसके बाद वह 'बॉम्बे', 'अग्नि साक्षी', 'इंडियन','गुप्त: द हिडन ट्रुथ', 'कच्चे धागे', 'मुधलवन', 'कंपनी', '1942: ए लव स्टोरी', 'अकेले हम अकेले तुम', 'खामोशी: द म्यूजिकल', 'दिल से' और 'लज्जा' जैसी फिल्मों में देखा गया।

फिल्म मुंज्या का एक साल पूरे होने पर शरवरी ने किया खुलासा, कहा

रिलीज के वक्त बहुत नर्वस थी

हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या को रिलीज हुए शनिवार को पूरे एक साल हो गए हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने बेला का किरदार निभाया था। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह फिल्म की रिलीज से पहले थोड़ी डरी हुई थीं और साथ ही बहुत खुश और उत्साहित भी थीं। शरवरी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़े 'बिहाइंड द सीन्स' की कुछ झलकियां साझा कीं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा। एक्ट्रेस ने कहा, एक साल पहले, आज ही के दिन फिल्म 'मुंज्या' रिलीज हुई थी। उम्मीद, हिम्मत और प्यार के साथ हमने अपनी मेहनत और खुशियों को दुनिया के सामने पेश किया। मुझे याद है कि फिल्म रिलीज से पहले मेरी बातचीत निर्देशक आदित्य सरपोतदार से हुई थी। उस वक्त मैं डरी हुई थी, और उत्साहित भी थी। लेकिन कौन सोच सकता था कि 1 साल बाद हम इस सुपरहिट फिल्म का जश्न मना रहे होंगे।

फिल्म में अपनी एक्टिंग से दर्शकों की तारीफ बटोरने के अलावा, शरवरी ने अपने गाने 'तरस' के लिए भी काफी सराहना हासिल की।उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'तरस' गाना मेरे लिए बहुत खास रहेगा, क्योंकि यह मेरा पहला सिंगल गाना था। और आज भी जब मुझे इस गाने के लिए इतना प्यार मिलता है, तो वह सच में बहुत खास और अच्छा लगता है। एक्ट्रेस ने लिखा, धन्यवाद आप सभी दर्शकों का, जिन्होंने हमारी फिल्म को इतना प्यार दिया और मेरे करियर को आगे बढ़ाया। ये सफर आप सबके बिना अधूरा है।

शरवरी ने अपनी टीम का भी शुक्रिया अदा किया और कहा, धन्यवाद उन हर एक व्यक्ति को जिन्होंने इस फिल्म को संभव बनाया। उन्होंने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा, कौन सोच सकता था कि ये छोटी सी डरावनी कहानी 'मुंज्या' मेरी जिंदगी में इतना सारा प्यार और खुशी लेकर आएगी!इस फिल्म को अमर कौशिक और दिनेश विजन ने मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया था।

निक्की तंबोली ने किया वीगन डाइट अपनाने का फैसला

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने शाकाहारी बनने का फैसला किया है। इसकी घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए की। निक्की तंबोली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था, गो वीगन यानी वीगन बनो।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, वीगन होना केवल एक डाइट नहीं है, बल्कि यह दिल से लिया गया एक फैसला है। मैं खुद इस बदलाव को अपनाना चाहती हूं, जो मैं इस दुनिया में देखना पसंद करूंगी। निक्की ने अपने फैसले के पीछे की वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, काफी समय से मैं इस बारे में सोच रही थी और आखिर में मेरे दिल ने मुझे यह फैसला लेने के लिए कहा। मुझे यह एहसास हो गया कि मेरे लिए किसी जानवर को मारने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि बदलाव अपने घर से शुरू होता है। इसलिए, मैंने खुद वीगन बनने का फैसला किया। इससे मुझे शांति और सुकून मिल रहा है। निक्की ने बताया कि उन्होंने खुद अपनी पसंद से वीगन बनने का फैसला लिया है, यह किसी और की वजह से या किसी के कहने पर लिया गया फैसला नहीं है। निक्की ने कहा, यह मेरा निजी फैसला है और मैं अपने फैसले से बेहद खुश हूं। मेरा रिश्ता या डेटिंग लाइफ यह तय नहीं कर सकती कि मैं क्या खाऊं? मेरे लिए मेरी अपनी पहचान और खुद से जुड़ाव सबसे ज्यादा जरूरी है, और मैं इसमें कभी समझौता नहीं कर सकती। यह मेरा व्यक्तिगत फैसला है और इसका मेरे पार्टनर के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। धर्म और खाने-पीने की पसंद अलग-अलग बातें हैं, इन्हें मिलाना सही नहीं है। मैं हमेशा अपने दिल और अंदर की आवाज को सुनती हूं और आगे भी ऐसा ही करती रहूंगी। मैं उम्मीद करती हूं कि और लोग भी अपने दिल की सुनें और इस दुनिया को जानवरों के लिए एक बेहतर और शांत जगह बनाएं। बता दें कि निक्की तंबोली अभिनेता अरबाज पटेल के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंग जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद–ब–ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 09:38 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 03:32 तक
योग : शिव दोपहर 01:07 तक
करण : तैतिल प्रात: 09:38 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रात: 08:51 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– चन्द्र वासरे, सोमेश्वर पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वच्छता और योग होगा तो गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा देश : सैनी

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में स्वच्छता और योग होगा तो देश गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रदेश में 27 मई, 2025 से स्वच्छता अभियान चलाकर शुरू कर दिया गया है। 21 जून के आयोजन के लिए योग की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब यूएनओ में योग का प्रस्ताव रखा तो 177 देशों ने इस पर अपनी सहमति दी और हमारी धरा से निकाला योग विश्व में हर जन–जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने योग पद्धति को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। योग किसी एक व्यक्ति या एक विचार का कार्यक्रम नहीं है। योग में हमारी प्राचीन विचारधारा सम्मलित है। ऋषियों ने हमें उपहार के तौर पर योग और ध्यान दिया है। योग करने से मनुष्य हृष्ट–पुष्ट रहता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज मल्टीआर्ट कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने संस्थाओं, एनजीओ, व्यापारी संगठन और सभा में मौजूद अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। साथ ही पतंजलि योग पीठ को शहर में हर घर तक योग का निमंत्रण पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को देश–दुनिया में पहुंचाने का काम ऋषि स्वामी रामदेव ने किया है। भगवान श्रीकृष्ण की धरा धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 21 जून को बाबा रामदेव का आगमन कुरुक्षेत्र वासियों के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वस्थ्य है, जबकि हरियाणा सरकार ने इसके साथ योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा को भी जोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग छोटी–छोटी बीमारियों को दूर करने के लिए दवा लेने लगे हैं, जबकि योग से उन बीमारियों पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इसलिए हम सभी को योग को अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं को नशे से बचाना है तो उन्हें योग को अपनाना होगा। योग हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है।मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र वासियों से आग्रह करते हुए कहा कि 21 जून को सभी अपनी निंद्रा को छोडक़र सुबह 4 बजे ब्रह्मसरोवर व मेला ग्राउंड में पहुंचकर योग के इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें और जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, उसको प्रमुखता के साथ निभाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ये केवल मात्र योग दिवस नहीं है बल्कि एक मेला है। जिस प्रकार हम दीपावली, होली, भाईदूज जैसे त्योहारों को मनाते हैं, इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भी उसी प्रकार मनाया जाए।

इस कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी गई कि ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड को 103 सेक्टरों में बांटा गया है। इनमें से 64 सेक्टर ब्रह्मसरोवर और 37 सेक्टर मेला ग्राउंड व आसपास के क्षेत्र में बनाए गए हैं। हर सेक्टर में एक हजार साधकों के योग करने की व्यवस्था बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने सभागार में मौजूद संस्थाओं, एनजीओ व अन्य लोगों को जीवन में नियमित रूप से योग, प्राणायाम और ध्यान को अपनाने, नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इसके अलावा अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल में योग का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित भी किया। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के लोगों के लिए सौभाग्य की बात है।

देशभर में विशेष योग पखवाड़ा कार्यशाला में 1,37,468 लोगों ने किया योगाभ्यास

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश को एक स्वस्थ, नशामुक्त और पर्यावरण–संवेदनशील राज्य बनाने की कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में खेल विभाग, आयुष विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग तथा पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्वावधान में विशेष योग पखवाड़ा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रदेश में अब तक लगभग 9.50 लाख प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की जा चुकी है।

आज प्रदेशभर में 1,37,468 लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया तथा 2,640 पौधे लगाए गए। अब तक कुल 40,721 पौधे लगाए जा चुके हैं।

बता दें कि 21 जून 2025 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेशभर में पूर्व तैयारियां की जा रही हैं। ताकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के योगयुक्त–नशामुक्त हरियाणा के विजन को साकार किया जा सके।हरियाणा खेल एवं आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल शरीर की क्रियाओं तक ही सिमित नहीं है बल्कि यह एक पूर्ण जीवनशैली है, जिसमें आत्म–संयम, संतुलन और स्वास्थ्य समाहित हैं।

बिना भेदभाव काम करना भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति : बड़ौली

चंडीगढ़, 08 जून (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली रविवार को सोनीपत में बाबा गुरु गोरखनाथ धाम और व्हाइट लिली सोसाइटी स्थित मंदिर में पहुंचे। यहां उन्होंने श्रद्धा भाव से माथा टेककर प्रदेश की सुख–समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगल कामना की। इस मौके पर बड़ौली ने लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक विषयों पर बातचीत की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के शासन में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। बिना भेदभाव के काम करना ही भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि जन–सेवा का मार्ग तभी सार्थक होता है जब हम जनता के बीच रहकर उनकी भावनाओं को समझें और मिलकर समाधान निकालें। हर मुलाकात, हर चर्चा एक नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि जनता के सुझाव ही हमारी नीति और नीयत की दिशा तय करते हैं।सोनीपत स्थित गुरु गोरखनाथ धाम में माथा टेकने के बाद उन्होंने कहा कि सदियों से गुरु गोरखनाथ जी की तपोभूमि अध्यात्म, साधना और सेवा का प्रतीक रही है।

गहलोत के बिजली कटौती के दावे झूठे, लोगों को कर रहे भ्रमित : हीरालाल नागर

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा एक्स के माध्यम से उठाए बिजली कटौती के दावों को खारिज किया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके कोई मुद्दा नहीं है इसलिए झूठे ट्वीट करके लोगों को भ्रमित करते हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के अदूरदर्शी निर्णयों से पिछली गर्मी में प्रदेश की जनता को परेशानी झेलनी पड़ी। गहलोत सरकार के कुप्रबन्धन एवं बैंकिंग के कारण से हमें पिछली गर्मी में लगभग 1000 मेगावाट रोजाना खरीदना और लौटाना पड़ा। बिजली के कुप्रबन्धन के साथ जिस तरह का तंत्र पिछली कांग्रेस सरकार ने हमें दिया वो किसी से छिपा नहीं है।

नागर ने कहा कि इस बार की गर्मी में जनता को बिजली को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई है। सिर्फ कुछ जगह पूर्व सूचना के साथ ही मेंटीनेस के कारण ही बिजली को बंद किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी प्रकार का लोड़ शेडिंग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमने डेढ़ साल में 1000 मेगावाट से ज्यादा के सोलर प्लांट को बिजली के ग्रिड़ से जोड़ा जा चुका है तथा 10000 से ज्यादा मेगावाट के प्लांट पाइपलाइन में है। बहुत ही जल्द केंद्र सरकार से 4000 मेगावाट का बैटरी स्टोरेज भी मिलेगी तथा यह बैटरी स्टोरेज प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित होगा।

नागर ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में 42 जीएसएस का निर्माण कराया गया, जबकि हम डेढ़ साल में ही 80 जीएसएस का काम पूरा कर चुके है तथा इस साल के अंत तक 130 जीएसएस का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। नागर ने कहा कि देश–प्रदेश प्रगति कर रहा है और इससे बिजली की डिमांड बढ़ रही है। आने वाले समय में बढ़ती बिजली की मांग को ध्यान में रख कर हमारी सरकार कार्य कर रही है।

भजनलाल शर्मा ने सपत्नीक किए गोविन्द देव जी के दर्शन

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह सपत्नीक श्री गोविन्द देव जी मंदिर में मंगला आरती के दर्शन किए।

उन्होंने निर्जला एकादशी के बाद विधिवत पूजा–अर्चना की और प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया।

इस अवसर पर मंदिर के महंत ने मुख्यमंत्री को गोविन्द देवी जी का चित्र एवं प्रसाद भेंट किया।

नीतिका शर्मा ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित

जयपुर, 08 जून (एजेंसियां)। गंगा जगद्गुरु धाम अखाड़ा परिषद, ग्वालियर एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान एवं वैदिक खगोल शास्त्र संस्था, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

गंगा जगद्गुरु धाम अखाड़ा परिषद, ग्वालियर एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान एवं वैदिक खगोल शास्त्र संस्था, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह ग्वालियर के जगतगुरु आश्रम में आयोजित किया गया। जिसमे जगद्गुरु आनंदेश्वर महाराज, महामंडलेश्वर संतोषनंद महाराज, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य पंडित प्रेम शंकर शर्मा और अजय शर्मा ने वैदिक, सनातन, धर्म संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नितिका शर्मा को ज्योतिष गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

ग्वालियर के जगत गुरु आश्रम में एक दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में 170 से अधिक ज्योतिष विद्वानों ने भाग लिया। सम्मान समारोह में शिवानी गौतम, विष्णु शर्मा, रेखा डागर, राकेश डागर, डॉ मीना सहित अन्य विद्वानों को सम्मानित किया गया। टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा का ज्योतिष ज्ञान बहुत ही अद्भुत है और इनका ज्योतिष आंकलन हमेशा सटीक जाता है। नीतिका शर्मा ने ज्योतिष पर अब तक सैकड़ों लेख लिखे हैं। ज्योतिष के लेख विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनल में नियमित प्रकाशित होते रहते हैं। प्रतिदिन टैरो राशिफल भी प्रकाशित होते हैं।

पीलूपुरा में गुर्जर आंदोलन शांत, रेलवे ट्रैक खाली प्रशासन ने सूझबूझ से सुलझाया मामला

भरतपुर, 08 जून (एजेंसियां)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर भरतपुर के पीलूपुरा से एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। आरक्षण समेत कई मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को पीलूपुरा में गुर्जर समाज के लोगों द्वारा जाम किए गए रेलवे ट्रैक को पुलिस प्रशासन की समझाइश और सूझबूझ से आखिरकार खाली करा लिया गया। ट्रैक खाली होते ही कोटा–मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया गया और रेल यातायात सामान्य होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया।

गौरतलब है कि रविवार को बयाना के पीलूपुरा स्थित शहीद स्थल कारवारी में गुर्जर समाज की बड़ी महापंचायत आयोजित की गई थी। महापंचायत में समाज की ओर से सरकार के समक्ष आरक्षण, शहीद स्मारक के विकास, शहीदों के परिजनों को नौकरी और सुविधाओं समेत कई मुद्दे उठाए गए। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने पढ़कर सुनाया और समाज की सहमति से महापंचायत को समाप्त करने की घोषणा कर दी गई।

हालांकि, महापंचायत खत्म होने के कुछ देर बाद कुछ युवकों की भीड़ ने रेलवे ट्रैक पर पहुंचकर कोटा–मथुरा पैसेंजर को रोक दिया। आंदोलनकारियों ने ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति पर पैनी नजर रखी। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की संयमित और संवेदनशील रणनीति के चलते आंदोलनकारियों को समझाया गया। सामाजिक प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार संवाद के बाद भीड़ को ट्रैक से हटने के लिए राजी किया गया।करीब एक घंटे के प्रयास के बाद ट्रैक पूरी तरह से खाली कराया गया और वहां खड़ी कोटा–मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या झड़प की खबर नहीं है। महापंचायत के दौरान प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक को डायवर्ट कर रखा था। बयाना से हिंडौन की ओर जाने वाले वाहनों को कलसाड़ा, करौली और महवा की ओर मोड़ा गया था, वहीं हिंडौन से भरतपुर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी भुसावर होते हुए निकाला गया। ट्रैक खाली होने और भीड़ के हटने के बाद अब सड़क और रेल यातायात धीरे–धीरे सामान्य हो रहा है।इससे पहले राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने महापंचायत को लेकर बयान देते हुए कहा था कि सरकार संवाद के लिए हमेशा तैयार है। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब सरकार टेबल पर बातचीत के लिए खुद आगे आ रही है तो आंदोलन और महापंचायत की आवश्यकता नहीं रह जाती। विजय बैंसला ने भी आंदोलनकारियों से शांति बनाए रखने और सरकारी स्तर पर हुई बातचीत का सम्मान करने की अपील की थी।

चुनाव को लेकर उपेंद्र कुशवाहा ने दी सीख

मीडिया एनडीए की सीटें बांटना छोड़े, हमारा काम हम कर लेंगे

पटना (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में पहुंचे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने क्लब मैदान में आयोजित संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार महारैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इतनी भीषण गर्मी और तपिश में आए लोगों के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मुझे इतनी भारी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। आप सबको देखकर हमें हौसला मिलता है। हमारा हौसला आपकी ताकत और इस भीड़ से है। भीड़ को देखकर उपेंद्र कुशवाहा गदगद हो गए और कहा कि यह बदलाव का संकेत है।

राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर हम चल रहे हैं, उनके रास्ते में जितनी बाधाएं आती हैं, मुझे उतना ही आनंद आता है। हम परिसीमन को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसमें दक्षिण के कुछ नेताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है। अब मुझे जिस तरह से शाहाबाद और मुजफ्फरपुर में मिल रहा है, उससे इनडायरेक्ट समर्थन बढ़ने लगा है। बिहार में केवल राष्ट्रीय लोक मोर्चा ही यह काम कर रही है। जनगणना हर दस वर्ष में होगी, जिसमें लोकसभा और विधानसभा की सीटों की संख्या निर्धारित होगी। वर्ष 1951, 1961, 1971 में जनगणना हुई थी, लेकिन 2009 में सीटें नहीं बढ़ी थीं।

1976 में आपातकाल के दौरान संशोधन कर परिसीमन पर रोक लगा दी गई थी। 2001 में यह रोक 25 वर्ष तक लागू रही। यह समय सीमा 2026 में समाप्त होने वाली है। दक्षिण के नेता इसे रोकने में लगे हुए हैं। यदि इसमें रुकावट आई, तो हम और भी पिछड़ जाएंगे। मुझे अपने बिहार के संविधान के अधिकार से वंचित करने का षडयंत्र किया जा रहा है।

उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार में लोक मोर्चा को मिल रही सीटों को लेकर कहा कि किसी को कुछ भी पता नहीं होता है। ध्यान को भटकाने के लिए यह सब साजिश के तहत किया जा रहा है ताकि जनता महत्वपूर्ण मुद्दों से भटक जाए। मीडिया में चल रही सीटों को लेकर चर्चा पर उन्होंने कहा कि आपको यह अधिकार किसने दिया? जो काम है, वह आप कीजिए। राजनीतिक दल का काम वही करे। हम जो भी सवाल उठाते हैं, उसे लेकर हम सभी गठबंधन के लोगों के साथ चर्चा करेंगे।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जो लोग पद के लिए राजनीति करते हैं, उन्हें यह मुबारक हो। हम तो परिवर्तन के लिए राजनीति करते हैं और जनता के लिए लड़ते रहेंगे, चाहे परिणाम कुछ भी हो। मुझे क्या मिलेगा, यह मैं भी नहीं जानता। क्या गांधी कभी रणनीति में गए थे? लेकिन वह उच्च शिखर पर रहे हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इन लो-गों का नाम सम्मान के लिए लिया जाना चाहिए। जनता के सवालों को लेकर संघर्ष करना ज्यादा जरूरी है। जेपी भी इनमें रहे हैं। हम जनता के मुद्दों को लेकर लड़ना ज्यादा जरूरी मानते हैं। सीट मेरे लिए कोई मायने नहीं रखती।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सरकार में रहते हुए कोलेजियम सिस्टम पर सवाल उठाए थे। तब सत्ता में आने वाले कई सांसद और मंत्री ने टोका था, लेकिन मैंने कभी अपने कमिटमेंट पर समझौता नहीं किया। आज सभी जानते हैं कि उस सिस्टम को लेकर केंद्र में सवाल उठाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में बहाली चोर दरवाजे से हो रही है। अब यह निश्चित रूप से मांग की जा रही है। आज शिक्षा में बहाली को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने बीपीएससी से बहाली का काम शुरू किया था। अब दूसरे राज्यों के लोग बिहार की हकमारी नहीं कर सकेंगे। चुनाव नजदीक है, जो काम अब तक नहीं हुआ है, हम उसे करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए हवलदार सुनील सिंह पंचतत्व में विलीन

14 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि

पटना (एजेंसियां)।

देश की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले बिहार के वीर सपूत 46 वर्षीय हवलदार सुनील सिंह यादव को रविवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के ड्रोन हमले में घायल हुए सुनील सिंह ने पांच जून को उधमपुर आर्मी अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। आज उनके पैतृक गांव नरबतपुर में गमगीन माहौल के बीच उन्हें रानी घाट पर पंचतत्व में विलीन किया गया।

सुनील सिंह का पार्थिव शरीर जब गांव लाया गया तो वाता-वरण 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'शहीद सुनील अमर रहें' के नारों से गूंज उठा। उनके गांव से करीब आठ किलोमीटर दूर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग बाइक और पैदल शामिल हुए। लोग हाथों में तिरंगा लिए, गर्व और गम से लबरेज भावनाओं के साथ अंतिम यात्रा में शरीक हुए।

पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर रखा गया, जहां शहीद की पत्नी बेसुध होकर रोने लगीं। पिता की आंखों से आंसू थम नहीं रहे थे, लेकिन बेटे की शहादत पर गर्व भी था। गांव और आसपास के दर्जनों गांवों से लोग उन्हें अंतिम सलामी देने पहुंचे। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी, पर साथ ही शहीद के प्रति सम्मान भी हर चेहरे पर दिख रहा था।

शहीद सुनील सिंह यादव को उनके 14 वर्षीय बेटे सौरभ यादव ने रानी घाट पर मुखाग्नि दी। इस दृश्य ने हर किसी की आंखें नम कर दीं। मुखाग्नि देने के बाद बेटे और बुजुर्ग पिता दोनों ने शहीद को सैल्यूट किया। यह क्षण केवल एक परिवार की विदाई नहीं, बल्कि एक राष्ट्र के वीर को सम्मान देने का था। मौके पर सेना के जवानों के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी, स्थानीय नेता और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

शहीद का पार्थिव शरीर एक दिन पहले उधमपुर से सैन्य सम्मान के साथ दिल्ली और फिर पटना लाया गया था। पटना एयरपोर्ट पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत कई वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सुनील सिंह यादव नौ मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत कश्मीर के राजौरी में पाकिस्तानी ड्रोन हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत बिगड़ती चली गई, जिसके बाद 15 मई को उन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उन्होंने 27 दिनों तक इलाज के दौरान वीरता से जूझते हुए पांच जून को अंतिम सांस ली। उनके फौजी भाई ने बताया कि वे वेंटिलेटर पर रहते हुए भी मुस्कुराते थे और कहते थे कि टेंशन मत लो।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत कर्तव्य निभाते हुए हवलदार सुनील सिंह ने जिस तरह अपनी जान की बाजी लगाई, उसने उन्हें अमर कर दिया। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

वैशाली डीएम का सदर अस्पताल में औचक निरीक्षण, सेवाओं में सुधार का दिया निर्देश

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने शनिवार देर रात हाजीपुर स्थित सदर अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड की सेवाओं की गुणवत्ता और अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का खुद जायजा लिया। साथ ही, अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को जाना।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की स्थिति में सुधार की जरूरत बताई। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण और गरीब मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।

निरीक्षण के दौरान कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह भी पाया गया कि अस्पताल में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और वार्ड व्यवस्था पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

सदर अस्पताल में सुरक्षा को लेकर भी कई कमियां सामने आईं। गार्डों की कमी पाई गई, जिसे लेकर जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे औचक निरीक्षण लगातार होते रहेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सरकार की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें और किसी भी समस्या के मामले में जिला प्रशासन को सूचित करें ताकि त्वरित कार्रवाई हो सके। जैसे ही जिलाधिकारी अस्पताल में पहुंची, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इस अचानक निरीक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों में हलचल मच गई।

खगड़िया में गंगा कटाव रोकने के नाम पर बड़ा घोटाला, सांसद के निरीक्षण में खुली पोल

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के खगड़िया जिले में गंगा नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रही परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं।

सांसद राजेश वर्मा के औचक निरीक्षण में खुलासा हुआ कि ठेकेदार निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं और सूखे सफेद बालू की जगह गीली मिट्टी से जियो बैग भर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान सांसद को यह भी पता चला कि निर्माण सामग्री पास के ही स्थान से अवैध रूप से निकाली जा रही है, जिससे न केवल नियमों की अव-हेलना हो रही है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि जियो बैग के स्थान पर सीमेंट की पुरानी बोरियों का उपयोग हो रहा था। साथ ही 150 मीटर से अधिक बल्ला पाइलिंग कार्य को पूर्ण बताया गया था, लेकिन निरीक्षण में यह अधूरा निकला।

बेलदौर प्रखंड के तेलिहार क्षेत्र में कोसी नदी के किनारे हो रहे कटाव रोधी कार्य में भी इसी तरह की धांधली सामने आई। जियो बैग का वजन 110 से 120 किलो पाया गया, जो निर्धारित मानक से बहुत कम है। सांसद ने इसे ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट करार दिया। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता ने खुद यह स्वीकार किया कि कार्य एजेंसियां गलत तरीके से कार्य कर रही हैं।

वहीं, सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि जेई मणिकांत पटेल और शेखर गुप्ता जैसे अधिकारी 7 वर्षों से खगड़िया में एक ही जगह पर तैनात हैं, जिससे विभागीय मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है।

अचानक हाजीपुर आए सीएम नीतीश, अधिकारियों में हड़कंप आनन-फानन में रिसीव करने पहुंचे डीएम और एसपी

हाजीपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को अचानक हाजीपुर पहुंच गए। उनके इस औचक दौरे से जिला प्रशासन पूरी तरह चौंक गया। मुख्यमंत्री के हाजीपुर आगमन की सूचना अधिकारियों को उस समय मिली जब वे लोकेशन से मात्र 15 मिनट की दूरी पर थे। आनन-फानन में वैशाली जिले के डीएम, एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री को रिसीव करने महात्मा गांधी सेतु के पास पहुंच गए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाजीपुर और पटना को जोड़ने वाले ऐतिहासिक महात्मा गांधी सेतु के बगल में निर्माणाधीन फोरलेन पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। उनके साथ पटना और वैशाली जिले के तमाम वरीय अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और पुल निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने पुल की प्रगति पर संतोष जताते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने पर विशेष बल दिया।

पुल निर्माण से जुड़ी एजेंसी ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि फोरलेन पुल का अब तक 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और मार्च 2026 तक इसके बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। यह पुल पटना के जीरो माइल से शुरू होकर हाजीपुर के बीएसएनएल गोलंबर रामआशीष चौक तक फैला होगा। पुल की कुल लंबाई लगभग 14.5 किलोमीटर है और इसकी लागत 1794 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह नया फोरलेन पुल उत्तर बिहार को राजधानी पटना से जोड़ने के लिए एक वैकल्पिक और तेज मार्ग उपलब्ध कराएगा, जिससे जाम की पुरानी समस्या से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री को बताया गया कि पुल का ट्रैफिक संचालन एक नई योजना के तहत किया जाएगा। निर्माण एजेंसी के अनुसार, इस नए फोरलेन पुल से वाहन पटना से हाजीपुर की दिशा में चलेंगे, जबकि मौजूदा महात्मा गांधी सेतु से वाहन हाजीपुर से पटना की दिशा में संचालित होंगे। इससे पुलों पर ट्रैफिक का दबाव समान रूप से विभाजित होगा और यातायात सुचारू बना रहेगा।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि गंगा नदी के ऊपर मुख्य पुल के लिए किए जा रहे फाउंडेशन वर्क में 33 वेल कैप में से 24 वेल कैप बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि नौ पर कार्य जारी है। फ्लाईओवर से जुड़े निर्माण में 94% सब-स्ट्रक्चर और 90% सुपर-स्ट्रक्चर का काम भी पूरा हो चुका है। पटना के जीरो माइल से गायघाट तक पुल का बड़ा हिस्सा पहले ही तैयार हो चुका है।

पुल के दोनों ओर यात्रियों की सुविधा के लिए कई अन्य योजनाएं भी चल रही हैं। हाजीपुर के जढुआ के पास टोल प्लाजा बनाया जा रहा है, जबकि पटना की ओर दो और हाजीपुर की ओर चार बस शेल्टर बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही एडवांस ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे ट्रैफिक संचालन और निगरानी अधिक प्रभावी हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने पुल निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारियों से कहा कि इस परियोजना से उत्तर बिहार और राजधानी के बीच की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार आएगा। यातायात जाम से त्रस्त लोगों को राहत मिलेगी और व्यापारिक, सामाजिक तथा प्रशासनिक आवागमन आसान होगा। मुख्यमंत्री के इस दौरे से यह स्पष्ट हो गया कि सरकार पुल निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और समय पर इसे पूरा कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एक हॉल में 51 दूल्हे लेकर पहुंचेंगे बारात, मां वैष्णो देवी सेवा समिति करा रही सामूहिक विवाह

पटना (एजेंसियां)।

पिछले 15 साल से अनवरत चल रहा 'एक विवाह ऐसा भी' की चर्चा आज पूरे बिहार में है। यह चर्चा इसलिए है क्यों कि 'एक विवाह ऐसा भी' के द्वारा आज फिर 51 जोड़ियों की शादी होगी। इस खास शादी में हर बार कुछ अलग होता है।

इस बार पटना के एस के मेमोरियल हॉल में 51 जोड़े शादी का आयोजन किया गया है। शाम में सारे दूल्हे घोड़ी चढ़कर महार-ाणा प्रताप भवन से एसके मेमारियल के लिए चलेंगे। 'एक विवाह ऐसा भी' कई मायनों में अलग होता है। शादी की बाकी खूबसूरती के बीच देश के नामी लोग शिरकत करेंगे। इन जोड़ों का आशीर्वाद देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उप-स्थित होंगे और सभी जोड़े को आशीर्वाद देंगे। शहर के कई प्रतिशत लोग भी वैवाहिक कार्यक्रम उपस्थित होकर वर वधू का आशीर्वाद देंगे।

कमेटी के अध्यक्ष जय प्रकाश सरावगी ने बताया कि कार्यक्रम में अनुराग सांकृत्यायन, फिल्म अभिनेत्री अक्षरा सिंह, संजय कुमार सिंह, गायिका रितिका राज को समिति की ओर से सम्मानित किया जाएगा। विवाह के लिए श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में पंडाल बनाया गया है। समाजसेवी मुकेश हिसारिया ने बताया कि इस वर्ष शादी में विशेष आयोजन स्पाइनल कॉर्ड इंज्यूरी का रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com